भाजपा के कार्यकर्ताओं को किया जा रहा प्रशिक्षित

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल, सत्ता के गलियारों में बैठे उन लोगों से सवाल पूछ रहा हूँ। मंत्री, सांसद, विधायक, प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष से जो सत्ता का चश्मा पहने हुए हैं और कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने की ड्रामा कर रहे हैं जो स्वयं अप्रशिक्षित है। जो स्वयं पंडित दीनदयाल उपाध्याय का पोलिटिकल डायरी पढ़ा ही नहीं है। सगंठन मजबूत करने का तरीका है जन समस्याओं में शामिल होकर समस्या दूर करना। मोदी जी का सबसे बड़ी योजना वगैर सिक्योरिटी के 20 लाख तक ऋण देना जिससे स्वयं रोजगार करना तथा दुसरो को रोजगार देने। पूरा बिहार अपराध का नगरी और भ्रष्टाचार का साम्राज्य है जिसके बारे में चर्चा तक नहीं की जाती है। जब कोई नेता सत्ता का चश्मा पहन लेता है तो उसे गरीब की आह नहीं दिखाई देती, उसे किसान का दर्द नहीं दिखाई देता, उसे सड़क पर हो रहा अपराध नहीं दिखाई देता, उसे सरकारी दफ्तरों में फैलता भ्रष्टाचार नहीं दिखाई देता। उसे गबन और

घोटालों की बदबू भी महसूस नहीं होती! क्योंकि वे आलीशान महलों में बैठे हैं, एसी कमरों में बैठकर राजनीति कर रहे हैं। लेकिन मैं साफ कहना चाहता हूँ कि मैं सत्ता का चश्मा नहीं पहने हूँ! इसीलिए मुझे दिखाई देता है कि कहाँ अपराध बढ़ रहा है, कहाँ भ्रष्टाचारी जनता का खून चूस रहा है। कहाँ गरीब की योजनाएँ कागजों में चल रही हैं और कहाँ जनता के नाम पर घोटाले हो रहे हैं! यह सच है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएँ शुरू की हैं। लेकिन मेरा सवाल है, क्या वे योजनाएँ सचमुच गाँव-गाँव तक पहुँच रही हैं? या फिर कुछ अधिकारी और कुछ नेता मिलकर उन्हें फाइलों और कागजों में ही कैद कर रहे हैं? अगर कोई सच्चा भाजपा कार्यकर्ता है तो उसका कर्तव्य है कि वह सत्ता की चापलूसी नहीं, बल्कि सच का आईना दिखाए। आज मैं यहाँ खड़ा होकर भाजपा के हर पदाधिकारी से कहता हूँ। अगर आपने सत्ता का चश्मा उतारकर जनता की आँखों से देखना शुरू नहीं किया, तो जनता ही एक दिन आपको सत्ता से उतार देगी। भाजपा का असली कार्यकर्ता वह नहीं जो सिर्फ माला पहनाए और फोटो खिंचवाए। असली कार्यकर्ता वह है जो गरीब की आवाज बने, अन्याय के खिलाफ खड़ा हो, और भ्रष्टाचार पर चोट करे। मैं आज यह संकल्प लेता हूँ कि जब तक अपराध, भ्रष्टाचार और घोटाले बंद नहीं होंगे, जब तक गरीब को उसका हक नहीं मिलेगा, तब तक मैं सच बोलता रहूँगा, मार्गदर्शन करता रहूँगा और व्यवस्था को जगाता रहूँगा। क्योंकि भाजपा का मतलब सिर्फ सत्ता नहीं, भाजपा का मतलब है राष्ट्र सेवा, ईमानदारी और जनकल्याण!●

महिला सशक्तिकरण मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : शोभा पटेल

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा नेत्री शोभा पटेल ने कहा है कि महिला सशक्तिकरण आज देश के विकास का सबसे महत्वपूर्ण आधार बन चुका है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने महिला विकास से महिला नेतृत्व वाले विकास के विजन को धरातल पर उतारकर देश की आधी आबादी को नई शक्ति और सम्मान प्रदान किया है। शोभा पटेल ने कहा कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अनेक दूरदर्शी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। आज महिलाएं केवल लाभार्थी ही नहीं बल्कि देश की प्रगति की मुख्य धुरी बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र सरकार ने अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। तीन करोड़ महिलाओं को "लखपति दीदी" बनाने के लक्ष्य के साथ स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दी जा रही है। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देते हुए महिलाओं को "नमो ड्रोन दीदी" योजना के तहत ड्रोन पायलट के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे उनकी आय और सामाजिक प्रभाव दोनों में वृद्धि हो रही है। भाजपा नेत्री ने कहा कि डनकतं ल्वरंदं के तहत अब तक करोड़ों महिलाओं को बिना किसी गारंटर के ऋण उपलब्ध कराया गया है। इस योजना के माध्यम से लाखों महिलाएं उद्यमी बनकर न केवल आत्मनिर्भर हो रही हैं बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर रही हैं। शोभा पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा नीतीश कुमार से आग्रह किया कि मुद्रा योजना के तहत जिन लाभार्थियों को ऋण मिला है, उनकी सूची पारदर्शिता के लिए प्रत्येक बैंक के मुख्य द्वार पर चार फीट×चार फीट के बोर्ड पर प्रदर्शित की जाए। इससे योजनाओं की वास्तविक स्थिति जनता के सामने आएगी और पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि इससे यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि किन लोगों को वास्तविक लाभ मिला है और योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की अनियमितता की संभावना भी समाप्त होगी।●

वेतन ठुकराने वाले सांसदों को सलाम

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

देश की राजनीति में आज जब अक्सर पद, वेतन और सुविधाओं की चर्चा होती है, ऐसे समय में नवीन जिंदल और बिमोल अकोइजम जैसे जनप्रतिनिधियों ने सांसद का वेतन ठुकराकर एक ऐसा उदाहरण पेश किया है, जिसने पूरे देश को सोचने पर मजबूर कर दिया है। मैं इन दोनों सांसदों को तहेदिल से हार्दिक बधाई देता हूँ। उन्होंने साबित कर दिया कि राजनीति केवल सुविधा और वेतन पाने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का पवित्र संकल्प है। आज जरूरत है कि देश के हर सांसद और विधायक अपने अंतर्मन से एक सवाल पूछें-क्या राजनीति केवल सत्ता, वेतन और सरकारी सुविधाओं के लिए है या फिर यह देश और समाज की सेवा का महान अवसर है? अगर भारत के सभी सांसद और विधायक इसी भावना से काम करने लगें, अगर वे सत्ता को सेवा और पद को जिम्मेदारी समझें, तो वह दिन दूर नहीं जब हमारा महान राष्ट्र भारत सचमुच स्वर्ग के समान बन जाएगा। यह केवल दो सांसदों का निर्णय नहीं है, बल्कि यह पूरे देश की राजनीति को आईना दिखाने वाला साहसिक कदम है। डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि, "राजनीति में वही लोग सफल और सम्मानित होते हैं, जो अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हैं। आज देश को ऐसे ही त्याग और सेवा भाव से भरे जनप्रतिनिधियों की आवश्यकता है।" ऐसे राष्ट्रभक्त सांसदों को देश की जनता की ओर से पुनः हार्दिक बधाई और नमन।●

आंख में ग्लूकोमा का होम्योपैथिक में है कारगर दवा : शोभा पटेल

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा नेत्री शोभा पटेल ने कहा कि आखं में ग्लूकोमा खतरनाक बीमारी है। इस बीमारी से आखं के रोशनी समाप्त हो जाती है। शोभा पटेल ने कहा कि आखं में ग्लूकोमा का होम्योपैथिक में हैं कारगर दवा है। उन्होंने कहा कि सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ० लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा है कि ग्लूकोमा आंख को पुरी तरह नष्ट कर देती है। बीमारी के शुरुआत में ग्लूकोमा पूर्ण तरह ठीक हो सकती है। होम्योपैथिक में लक्षणों के आधार पर दवा दी जाती है। बीमारी का लक्षणों में धुंधली दिखाई देना, दूर की चीज नहीं दिखाई देना, रोशनी की चारों ओर एक ज्योति दिखाई देना। धनुष के रंग दिखाई पड़ना, रोग बढ़ने पर निकट में भी धुंधली देखना। इस रोग में तनाव या टेंशन बढ़ जाता है।

रेटिना में रक्त स्राव ऑप्टिकल डिस्क में छेद होकर आंख नष्ट होने की संभावना बढ़ जाती है। वर्षों बाद अचानक रोग बढ़कर आंख नष्ट हो जाती है। शुरू से लक्षणानुसार होम्योपैथी दवा सेवन करें तो पूर्ण रूप से आरोग्य हो जाते हैं।

लक्षणानुसार होम्योपैथिक दवा सेवन करें :-

1. आंख में दर्द, पानी गिरना, रोशनी के चारों तरफ धनुष का रंग दिखाई पड़ना, अंदर जलन आदि होने पर दवा का नाम आस्टियम 6 सबसे बेहतर और नहीं उपलब्ध होने पर 12 या 30 तीन बार रोज लेना चाहिए।

2. दूसरा आंख के अंदर दर्द, अंधेरा दिखना, दाहिना आंख में एक तरफ की रोशनी दिखाई पड़ना। दवा का नाम कोमोक्लेडिया 6/12/30। कोई एक दवा एक बूंद तीन बार रोज।

3. चेहरा लाल, जलन, आंख में दर्द, सिर में रहकर चिलकना दवा का नाम बेलाडोना 6 /12 /30 कोई एक दवा तीन बार रोज लेना।

4. अस्वच्छ दृष्टि, ललाट में दर्द, स्नायविक दर्द दवा का नाम सिड्रन 6/12/30/ कोई एक दवा एक बूंद तीन बार रोज।

5. दृष्टिहीनता, आंखों में दर्द, रोगी चुपचाप पड़ा रहता है। दवा का नाम है जेल्सीमियम 6/12/30 इसमें कोई भी एक, तीन बार रोज दवा से ठीक हो जाता है।

6. आंख के सामने विभिन्न प्रकार के रंग दिखाई पड़ते हैं। बत्ती के चारों तरफ ज्योति दिखाई देना। आंख के ऑपरेशन के बाद इस दवा से विशेष फायदा होता है। दवा का नाम फास्फोरस 30 एक बूंद तीन बार रोज।

कोई भी दवा चिकित्सा के सलाह से इस्तेमाल करें।●

राष्ट्रभक्तों का परम लक्ष्य
समर्थ भारत

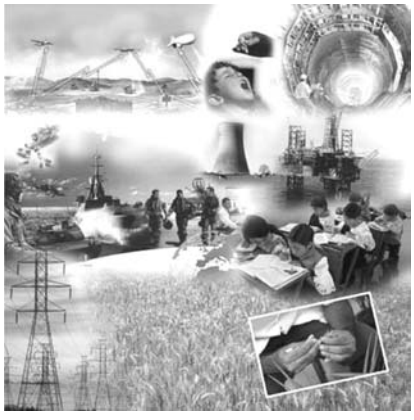

● **प्रो० रामजीवन साहु**

भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत ही मृदु और हृदयस्पर्शी घोष वाक्य है ''वसुधैव कुटुम्ब कम''। यह घोष वाक्य अनेक दृष्टिकोण से लाभदायक और महत्वपूर्ण प्रमाणित हुए हैं। भारत सोने की चिड़ियां कहलाना एवं विश्व गुरु कहलाना इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

वर्तमान काल में राष्ट्रभक्तों के परम लक्ष्य समर्थ भारत है, परन्तु आज सम्पूर्ण विश्व के देशों में आधुनिकत्तम तकनिकी उपक्रम के होड़ में लगा हुआ है। इन तकनीकियों के आधार पर किसी भी देश को सबल और समर्थ राष्ट्र बनना असम्भव है। समर्थ राष्ट्र बनने के लिए मुख्य पांच आयाम हैं। आध्यात्म भी कहता है कि इस मानव शरीर का निर्माण पांच तत्वों से मिलकर बना है। कविवर गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी रामचरितमानस में वर्णन किये हैं कि ''क्षिति जल पावक गगन समीरा, पंच रत्न यह अधम शरीरा''। ठीक उसी प्रकार समर्थ राष्ट्र बनाने के लिए पांच आयाम हैं :-

☞ **प्रथम स्वदेशी भाव :-** हर व्यक्ति के मन में स्वदेशी भाव जगना चाहिए। किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए उस देश के जो संसाधन हैं, उनका सदुपयोग करते हुए व्यक्ति को अपने विकास के मार्गों को प्रशस्त करना चाहिए। आर्थिक और सांस्कृतिक सभी आयामों में हमें स्वयं के पैरों पर खड़े होना चाहिए। आत्मनिर्भरता के कमी में दूसरों के ऊपर हमारी निर्भरता बढ़ जायेगी एवं हम असुरक्षा का शिकार बने रहेगें। इतना ही नहीं रक्षा और प्रतिरक्षा के साधनों के लिए दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता अधिक हो जाएगी। स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग में लाने से उस देश के व्यक्तियों की आय बढ़ेगी साथ ही अपने देश की आर्थिक शक्ति बढ़ेगी।

☞ **द्वितीय कर्त्तव्य बोध :-** सामान्यत: व्यक्ति अपने मौलिक अधिकारों के प्रति अधिक सजग रहते हैं, लेकिन नागरिक कर्त्तव्यों से अनभिज्ञ रहते हैं। किसी भी देश की आंतरिक शक्ति का आंकलन उस देश में रहने वाले नागरिकों की देश के प्रति निष्ठा के आधार पर अंदाजा लगाया जा सकता है।

प्रत्येक देश के नागरिकों का कर्त्तव्य है कि अपने देश के संविधान, प्रतीक एवं राष्ट्रीयता का हार्दिक सम्मान करे। देश के समकक्ष उपस्थित विपरीत परिस्थितियों में सकारात्मक और रचनात्मक बने रहना एवं उपस्थित चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने में सहज सामूहिक प्रयत्नों को प्रेरित करना भी हमारे नागरिक कर्त्तव्यों का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

☞ **तृतीय पर्यावरण संरक्षण :-** हमारे ऋषि-मुनि आज के वैज्ञानिक के समान हैं। जिस तरह आज के वैज्ञानिक मानव जीवन को सुखमय बनाने के लिए भांति-भांति के आविष्कार कर रहे हैं, वही कार्य अति प्राचीन काल में ऋषि-मुनि करते थे। पर्यावरण के सम्बन्ध में ऋषि-मुनियों ने पहले से ही उसके सुरक्षा के सम्बन्ध उन्होंने पेड़-पौधे का पूजन करना और उसमें जल चढ़ाने की विधि बताये थे। आज पर्यावरण विश्व के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, मिट्टी प्रदूषण आज वैश्विक चर्चा के विषय हैं। प्रदूषण रहित पर्यावरण बनाने के लिए कुछ कार्य करना चाहिए। बिजली और जल का संयम से उपयोग करना चाहिए। कचरा निर्धारित स्थानों पर ही डालना चाहिए। प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें। वृक्षारोपण और संरक्षण का कार्य करें। व्यक्तिगत वाहनों की अपेक्षा सार्वजनिक वाहनों का इस्तेमाल करना चाहिए।

☞ **चतुर्थ सामाजिक समरसता :-** देश को समर्थ बनाने के लिए सामाजिक समरसता परम आवश्यक है। प्राचीन काल में भारत में समरस समाज था, तभी तो सोने का चिड़ियां भारत कहलाता था वरना यह सम्भव नहीं था। यहां जाति भेद नहीं था। आप सभी लोग जानते हैं कि कुछ ब्रह्मण, क्षेत्रिय, वैश्य और अन्य जातियों के गोत्र काश्यप गोत्र है।

इसका अर्थ है वे सभी एक ही कुल के हैं, इसलिए सामाजिक समरसता के लिए करणीय अग्रलिखित हैं :- गरीब, धनवान और सभी व्यक्तियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए। समाज के सभी व्यक्तियों को मंदिर, जलस्रोतों, श्मशान एवं सार्वजनिक स्थानों पर समान रूप से जाने का नियम हो। मित्रमंडली में गाँव के सभी लोगों को आयुनुसार सम्मल्लित करना चाहिए।

☞ **पंचम् कुटुम्ब प्रबोधन :-** भारत में परिवार समाज का सबसे छोटी इकाई है। प्रारंभिक काल में भारत में संयुक्त परिवार होता था और सभी लोग चिंतामुक्त जीवन व्यतीत करते थे। घर में कमरा के आगे ओसारा (बरामदा) होता था, जो प्रेम और मधुरता का प्रतीक था। संयुक्त परिवार में दादा-दादी, चाचा-चाची, काका-काकी, माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी और पुत्र-पुत्री होते थे, फिर भी बड़े आनंद के साथ रहते थे। आज एकल परिवार है। इसमें पति-पत्नी और पुत्र-पुत्री एक साथ रहते हैं, फिर भी आपस में वह प्रेम नहीं है, जो संयुक्त परिवार में रहा करता है। भारत को समर्थ बनाने के लिए इन कार्यों करना चाहिए, जो अग्रवत हैं :- हमारा घर आदर्श घर हो, घर में स्त्री-पुरुष सभी का समान सम्मान मिलना चाहिए। घर में यज्ञ, संस्कार, उत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम और किसी प्रकार के अनुष्ठान सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाना चाहिए। अपने परिवार के गौरवपूर्ण इतिहास, परम्परा और किसी प्रकार की उच्च कोटि के प्रचलन की जानकारी परिवार के सभी सदस्यों को जानकारी देना चाहिए।

उपर्युक्त विचारों को जब प्रत्येक भारतीय गंभीरतापूर्वक पालन करेंगे, तो निश्चित ही समर्थ भारत बन जायेगा।●

कला-संस्कृति विभाग के आयोजन में गूंजी सम्राट जरासंध की सौर गाथा

● अमित कुमार/अनिता सिंह/रजनीश कांत झा

नालंदा राजगीर मगध के नालंदा राजगीर मगध के सबसे प्राचीन वंश के संस्थापक वृद्धि थे भगत सम्राट चक्रवर्ती जरासंध ने भारत का एकीकरण के लिए 275 राजा को बंदी बनाएं इतिहास गवाह है कि उनकी वंशजों ने 5000 वर्षों तक मगध प्रशासन का उल्लेख मिलता है, मगध साम्राज्य राशन जी से दुनिया लोहा मानती है ,जरासंध भगवान की भुजाओं में 10000 हाथी का बाल था, महाभारत चंद्रवंशियों का इतिहास रहा है। गौरव पांडव चंद्रवंशी थे। जरासंध की जन्म दिवस पर जेठान पर मनाया जाता है, छठ पर भी जरासंध का ही देन है। जब इन्होंने 84 लाख देवताओं को राजगीर में उतारा था, तभी से मालामास मेला का आयोजन होने लगा। भारत देश का नाम भी भरत के नाम से भारत बना। वह भी चंद्रवंशी थे। उनके पूर्व का नाम आर्यावर्त कई नाम से जाना जाता है, जिन्होंने अपना पराक्रम से भगवान श्री कृष्ण को 17 बार युद्ध में हराया और भगवान कृष्ण को भागना पड़ा, जिसे उन्हें रणछोड़ की उपाधि दी गई। ब्रदर वंश ईसा पूर्व छठी शताब्दी में ही समाप्त हो चुका था पुराने में वृद्धि वंश के 16 से 32 शासको का उल्लेख मिलता है।

बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ० प्रेम कुमार

ने कहा कि जरासंध स्मारक निर्माण से मगध के इतिहास को समुचित सम्मान मिला है या हम सबके लिए अनुकरणीय है महाराज जरासंध नहीं द्वापर युग में सबसे शक्तिशाली प्रतापी शूरवीर दानवीर और शिव भक्त योद्धा जो भारत के 275 राजा को बंदी बनाकर अपनी शौर्य का परिचय देते हुए भारत का एकीकरण किया। भारत के ऐतिहासिक मगध की पावन धरती राजगीर में जरासंध स्मारक की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर जरासंध महोत्सव के भव्य आयोजन के अपार भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन बड़ी गाड़ी को आवाजाही पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दी थी। कार्यक्रम में पुलिस-प्रशासन, डीएसपी-दरोगा भारी मात्रा में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। अपर वीर को संबोधित करते हुए लोगों को इनसे प्रेरणा लेने की के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कला संस्कृति विभाग एवं नालंदा जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ० प्रेम कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए वहां पहुंचते हैं उन्होंने जरासंध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। दीप प्रज्वलित करते हुए प्रेम कुमार (अध्यक्ष, बिहार विधानसभा), डॉ० भीम सिंह (राज्यसभा सांसद), डॉ० रामबली सिंह चंद्रवंशी (पूर्व एमएलसी), प्रमोद चंद्रवंशी (पूर्व सदस्य अति पिछड़ा आयोग), अरुण कुमार सदा (अति पिछड़ा आयोग, अध्यक्ष), श्याम (उपाध्यक्ष, भाजपा नेता), मनोज चंद्रवंशी (समाजसेवी), अमित सिंह चंद्रवंशी, रणविजय रोशन चंद्रवंशी ने संयुक्त रूप से विधिवत उद्घाटन किया। जरासंधाम पर्वत समिति अध्यक्ष श्याम किशोर भारती एवं उपाध्यक्ष सह भाजपा नेता मनोज चंद्रवंशी के नेतृत्व में उक्त कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

राज्यसभा सांसद डॉ० भीम सिंह

चंद्रवंशी ने कहा कि यह समाज पढ़ाई और लड़ाई के बिना कुछ नहीं हासिल कर सकता। डॉ० भीमराव अंबेडकर ने कहा था-ज्ञान के लिए पढ़ो, अधिकार के लिए लड़ो। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार के योजनाओं को लोगों को जानकारी दी और उसका लाभ उठाने पर बल दिया, राजनीति में भी अपना किस्मत आजमाने को कहा। चाणक्य एवं सम्राट अशोक ने छोटे-छोटे गणतंत्र को एकत्रित करने के लिए सैकड़ो राजाओं को बंदी बनाया, लेकिन सबसे पहले जरासंध ने एकीकरण के लिए भारत का निर्माण किया। उन्होंने कहा पूरे कि बल से, गदा से, तलवार से प्रत्यक्ष आक्रमण से नहीं जीता जा सकता। जरासंध को बल से नहीं जीता जा सकता, उन्होंने छल से बूढ़ा ब्राह्मण के भेष बनाकर श्री कृष्ण युद्ध ने ललकारा और छल के माध्यम से युद्ध किया। विखंडित भारत को एकता के सूत्र में बांधने का काम भगवान जरासंध ने किया। विकास के रास्ते पर चलने की बात कही गई। पहले खेती किसानी से हो सकता है, दूसरा पढ़ाई वाला तरीका पारिवारिक विकास तक रुक जाता है। हमको सामाजिक विकास करना, सामाजिक काम करना होगा। एकता बंद होकर संघर्ष करना और एक राजनीतिक शक्ति बढ़ानी चाहिए। व्यापार से भी आगे बढ़े, केंद्र और राज्य सरकार कितने तरह की योजना चला रही है। चंद्रवंशी समाज को राजनीतिक रूप से संगठित होना चाहिए।

प्रोफेसर डॉ० रामबली सिंह ने चंद्रवंशी ने कहा कि जरासंध किसी एक जाति के नहीं बल्कि संपूर्ण प्रजा के राजा थे। इस महोत्सव में न केवल ऐतिहासिक स्मृति को ताजा किया बाल्कि राजगीर के पर्यटन विकास की नई संभावनाओं को भी उजागर किया। उन्होंने कहा कि जरासंध का संविधान कहता है कि सबका मन बराबर है। सबसे बड़ी आबादी अति पिछड़ा 40 से 45 प्रतिशत की हो या कार्यक्रम में 50 से 1 लाख तक लोगों की उपस्थिति होनी चाहिए। कार्यक्रम दो तीन दिनों तक चलना चाहिए। एक संपूर्ण देश के लोगों के लिए सभी जातियों की भागीदारी होनी चाहिए। राजा किसी एक जाति का नहीं होता। मगध के गौरवशाली शासक उनके नाम से जाना जाता है।

पूर्व अति पिछड़ा आयोग के सदस्य प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने राजगीर में स्टेडियम का नाम जरासंध के नाम पर रखने की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्ति व्यक्त किया और बताया कि 2005 के पूर्व 23000 करोड़ बजट वाला बिहार अब 3.48 लाख करोड़ तक पहुंच चुका है। कार्यक्रम में कई प्रमुख नेता हैं-पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, बिहार सरकार में मंत्री श्री श्रवण कुमार, जिन्होंने जरासंध को संपूर्ण प्रजा का राजा बताया। इस महोत्सव में राजगीर के पर्यटन विकास के लिए कई संभावनाओं को उजागर किया। द्वापर युग के महान योद्धा, तेज शासक राजगीर जरासंध का स्मारक पहली वर्षगांठ में समारोह का आयोजन हुआ। सम्राट जरासंध पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोया था।

इस कार्यक्रम में डिग्री कॉलेज की छात्र-छात्राओं ने मनमोहक पेंटिंग प्रदर्शनी लगाई। बिहार विद्यालय की छात्राओं के लिए स्वागत गान और साम्राज्य शासक की जीवन पर आधारित नित्य नाटक की प्रस्तुति कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मंत्री श्रवन कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज में जरासंध से जुड़ा ऐतिहासिक स्मारक बनाकर फिर से उन्हें जीवित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि राजगीर के ऐतिहासिक धरोहर के साथ-साथ यहां पर्यटन विकास के लिए सीएम नीतीश कुमार ने बड़ा काम किया और आगे भी करते रहेंगे। इस मौके पर सदस्य अति पिछड़ा आयोग अरुण कुमार वर्मा, भाजपा नेता नित्यानंद, डॉ० धर्मेंद्र कुमार, महासभा के प्रदेश अध्यक्ष, कृष्ण कुमार चंद्रवंशी, रणविजय रोशन, सनोज चंद्रवंशी, शिवनाथ चंद्रवंशी, पिंटू चंद्रवंशी, सौरभ कुमार, लवकुश कुमार, नवीन कुमार मंटू, अनुज कुमार, समाजसेवी अमित सिंह चंद्रवंशी, सत्येंद्र कुमार, अजय कुमार बेगिन, पहलाद कुमार, सुनील सिंह, डीलर भीम सिंह, मुन्ना सिंह, युवा नेता लवकुश, रवि शंकर, पूर्व अध्यक्ष नवादा, अमित सिंह मंगल, सभापति चिरादेवी, डॉ० प्रवीण सिंह, भगवत प्रसाद, भगवान सिंह, मिलन सिंह सहित हजारों हजार की संख्या में उक्त समारोह में मौजूद थे। उद्घोषक निहारिका ने मधुर गीत प्रस्तुत कर सभी के मन को मोह लिया।●

कर्तव्य, संवेदनशीलता और नवाचार का संगम
थानाध्यक्ष पंकज कुमार सैनी की कार्यशैली बनी मिशाल

● **मिथिलेश कुमार**

नवादा जिले के वारिसलीगंज थाना क्षेत्र में विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों के साथ समन्वय स्थापित कर एक सकारात्मक पुलिसिंग मॉडल प्रस्तुत करने का कार्य थानाध्यक्ष पंकज कुमार सैनी द्वारा लगातार किया जा रहा है। उनकी कार्यशैली पारंपरिक पुलिसिंग से आगे बढ़कर जनसहभागिता, जागरूकता और विश्वास निर्माण पर आधारित है, जो क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा के नए आयाम स्थापित कर रही है।

☞ **मजबूत विधि-व्यवस्था, सतत निगरानी** :- थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पंकज कुमार सैनी द्वारा निरंतर गश्ती, संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी और त्वरित कार्रवाई की नीति अपनाई गई है। अपराध नियंत्रण के साथ-साथ छोटी-छोटी घटनाओं पर भी सजगता बरतते हुए वे संभावित विवादों को प्रारंभिक स्तर पर ही सुलझाने का प्रयास करते हैं, जिससे बड़े विवादों की संभावना कम हो जाती है।

☞ **पुलिस-पब्लिक संबंधों को मिला नया आयाम** :- थानाध्यक्ष सैनी की सबसे बड़ी विशेषता उनका आमजन से संवाद स्थापित करने का तरीका है। वे नियमित रूप से स्थानीय जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों एवं ग्रामीण चौकीदारों के साथ बैठक कर क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा करते हैं। इससे न केवल सूचनाओं का आदान-प्रदान बेहतर होता है, बल्कि जनता और पुलिस के बीच विश्वास भी मजबूत होता है। उनकी पहल पर थाना परिसर को आमजन के लिए सहज और सहयोगी माहौल में परिवर्तित किया गया है, जिससे लोग अपनी समस्याओं को खुलकर सामने रख पा रहे हैं।

☞ **त्योहारों में शांति और सौहार्द का वातावरण** :- होली, दुर्गा पूजा, मुहर्रम, दीपावली

जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के लिए विशेष रणनीति तैयार की जाती है। शांति समिति की बैठकों के माध्यम से सभी समुदायों के लोगों को एक मंच पर लाकर आपसी समन्वय स्थापित किया जाता है। त्योहारों के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन में योगदान देने वाले चौकीदारों, स्वयंसेवकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाता है, जिससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और लोगों का उत्साह बढ़ता है।

☞ **ऑपरेशन मुस्कान' से लौट रही खुशियां** :- थानाध्यक्ष के नेतृत्व में 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान के तहत खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन को बरामद कर उन्हें उनके वास्तविक मालिकों को लौटाया जा रहा है। यह पहल न केवल लोगों के चेहरे पर मुस्कान लौटाने का कार्य कर रही है, बल्कि पुलिस के प्रति विश्वास को भी नई ऊंचाई दे रही है।

☞ **साइबर अपराध पर सख्ती, जागरूकता पर जोर** :- डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए पंकज कुमार सैनी द्वारा इस दिशा में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। साइबर ठगी के मामलों में त्वरित कार्रवाई के साथ-साथ सोशल मीडिया एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को सतर्क किया जा रहा है। सरल भाषा में दिए जाने वाले उनके संदेश आम लोगों तक आसानी से पहुंचते हैं और उन्हें सतर्क रहने के लिए प्रेरित करते हैं।

☞ **रचनात्मक पुलिसिंग का अनूठा उदाहरण** :- थानाध्यक्ष सैनी की कार्यशैली में रचनात्मकता भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सकारात्मक उपयोग कर समाज को जागरूक करने, पुलिस की छवि को बेहतर बनाने और आमजन के साथ संवाद स्थापित करने का कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही, वे थाना स्तर पर स्वच्छता, अनुशासन और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान देते हैं, जिससे एक आदर्श कार्यसंस्कृति विकसित हो रही है।

☞ **मानवीय दृष्टिकोण और त्वरित समाधान** :- पंकज कुमार सैनी का मानना है कि पुलिसिंग केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के हर वर्ग के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की भावना से जुड़ी हुई है। वे पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और उनके समाधान के लिए त्वरित पहल करते हैं, जिससे आमजन में सुरक्षा और भरोसे की भावना मजबूत होती है।

☞ **स्थानीय स्तर पर उभरता एक मॉडल** :- वारिसलीगंज थाना क्षेत्र में उनकी पहल से जो पुलिस-पब्लिक समन्वय, विधि-व्यवस्था की मजबूती और सामाजिक सहभागिता का मॉडल विकसित हो रहा है,नया प्रयोग में चलो गावं की ओर जैसे कार्यक्रमों का संचालन कर अपने स्तर से लोगों की समस्याओं का समाधान करना भी शामिल है।हर समय कुछ न कुछ नया करने का जज्बा इन्हें औरो से अलग बनाती है। इनके द्वारा लगातार सुधारात्मक और सकारात्मक कार्य किये जा रहे हैं लेकिन साईबर अपराध एवं अवैध बालू उठाव एवं वारिसलीगंज बाजार में यातायात की व्यवस्था चुनौती भी है। बाबजूद श्री सैनी हार मानने वालों में नही दिखते हैं। अमलोगों में इनके प्रति सम्मान का भाव भी दिखता है जो बेहतर कल का धोतक है।●

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना में कथित भ्रष्टाचार

नवादा की सैकड़ों महिलाएं वर्षों से न्याय के लिए भटक रही

● रजनीश कांत झा

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी ''प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना'' (च्डम्ळ्च) नवादा जिले में जनकल्याणकारी योजना के बजाय पीड़ितों के लिए अभिशाप बनती जा रही है। पिछले चार वर्षों से जिले की सैकड़ों महिलाएं इस योजना में कथित अनियमितताओं और अवैध वसूली के आरोपों को लेकर न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। पीड़ित महिलाओं ने कई दस्तावेज और साक्ष्य उपलब्ध कराते हुए आरोप लगाया है कि योजना के क्रियान्वयन में भारी स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है। मामले में सबसे गंभीर आरोप जिला उद्योग केंद्र नवादा के अधिकारियों की भूमिका को लेकर लगाए जा रहे हैं। बताया जाता है कि उद्योग विभाग के महाप्रबंधक द्वारा पूर्व में अपने ही कार्यालय की जांच रिपोर्ट को गलत ठहराते हुए कथित रूप से आरोपित लोगों का समर्थन किया गया, जिससे पीड़ित महिलाओं में भारी नाराजगी है। महिलाओं का कहना है कि योजना के तहत ऋण स्वीकृति और अन्य प्रक्रियाओं में बिचौलियों के माध्यम से अवैध पैसे की मांग की गई तथा गरीब और अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को विशेष रूप से परेशान किया गया। इस मामले को उस समय तूल मिला जब नवादा के तत्कालीन सांसद ''चंदन सिंह'' ने इसे गंभीरता से उठाया। उन्होंने

अपने संसदीय क्षेत्र के भ्रमण के दौरान महिलाओं की शिकायतों के आधार पर जिला पदाधिकारी को पत्र लिखकर योजना में हो रही कथित अवैध उगाही और अनियमितताओं की जांच की मांग की थी। हालांकि, आरोप है कि यह पत्र जिला प्रशासन के स्तर पर लंबे समय तक कार्रवाई के बिना ही लंबित रहा। इसके बाद सांसद ने मामले को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाते हुए भारत सरकार के विभिन्न विभागों को कई पत्र भेजे। इनमें ''निर्मला सीतारमण'' (केंद्रीय वित्त मंत्री) और ''नरेंद्र मोदी'' (प्रधानमंत्री) को भी पत्र लिखकर पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई। इसके अतिरिक्त पंजाब नेशनल बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक, पटना तथा बिहार सरकार के उद्योग विभाग को भी इस संबंध में विस्तृत शिकायत भेजी गई थी। इसी क्रम में नवादा की वर्तमान विधायक ''विभा देवी'' ने भी मामले को गंभीर मानते हुए 25 सितंबर 2023 को पत्र लिखकर उच्चस्तरीय जांच कराने का आग्रह किया था। उन्होंने अपने पत्र में आरोप लगाया था कि योजना के लाभार्थियों, विशेषकर गरीब और दलित महिलाओं के साथ अन्याय हो रहा है और उन्हें योजना का लाभ देने के बजाय परेशान किया जा रहा है। इधर पीड़ित महिलाओं का आरोप है कि कई अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा जांच की मांग किए जाने के बावजूद जिला स्तर पर मामले को दबाने का प्रयास किया गया। महिलाओं का कहना है कि उनके पास अवैध वसूली और अनियमितताओं से जुड़े कई दस्तावेज और प्रमाण मौजूद हैं, जिन्हें संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया गया, लेकिन अब तक किसी ठोस कार्रवाई की जानकारी नहीं दी गई है। पीड़ित महिलाओं ने सरकार से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा दोषी अधिकारियों और बिचौलियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि योजना का वास्तविक लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंच सके। फिलहाल सैकड़ों महिलाएं न्याय की उम्मीद में प्रशासनिक कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं।●

संत टेरेसा इंग्लिश स्कूल का 16वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न

● मिथिलेश कुमार

वारिसलीगंज नवादा शिक्षा के साथ संस्कार और प्रतिभा के समन्वय का अद्भुत नजारा उस समय देखने को मिला जब संत टेरेसा इंग्लिश स्कूल का 16वां वार्षिकोत्सव समारोह नगर परिषद क्षेत्र स्थित दरियापुर रोड में विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह धूमधाम एवं भव्यता के साथ आयोजित किया गया। रंग-बिरंगी रोशनी, आकर्षक मंच सज्जा और उत्साह से लबरेज बच्चों की प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को उत्सव में तब्दील कर दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधान पार्षद प्रो. नवलकिशोर यादव, नागेंद्र शर्मा एवं थानाध्यक्ष पंकज कुमार सैनी तथा विद्यालय के निदेशक अनूप थॉमस ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में स्वागत गान की प्रस्तुति से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जिसके बाद छात्र-छात्राओं ने नृत्य, समूह गीत, लघु नाटक, देशभक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नन्हे बच्चों की आकर्षक वेशभूषा और आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुति पर अभिभावक झूम उठे

और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा प्रांगण गूंजता रहा। मुख्य अतिथि प्रो. नवलकिशोर यादव ने अपने संबोधन में विद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि संत टेरेसा इंग्लिश स्कूल ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को तराशने का सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि मात्र 16 वर्षों में विद्यालय ने जिस तरह शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन और संस्कार के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है, वह सराहनीय है। सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त करना विद्यालय परिवार की बड़ी उपलब्धि है, जो क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का बेहतर अवसर प्रदान कर रही है। नागेंद्र शर्मा एवं थानाध्यक्ष पंकज कुमार सैनी ने भी बच्चों की प्रस्तुति की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को मंच मिलता है और उनका सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन के प्रयासों को सराहते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। समारोह में अभिभावकों, शिक्षकों एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों की बड़ी भागीदारी रही। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर मेलवीन पॉल सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षिकायें सहित सैकड़ो की संख्या में अविभावक मौजूद थे।●

जैविक खेती से समृद्ध होंगे ग्रामीण : अरविंद

● मिथिलेश कुमार/मनीष कमलिया

ग्राम निर्माण मंडल, सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा द्वारा शुक्रवार को महुडर पंचायत के झरनवा गांव में एक भव्य किसान मेला-सह- प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। डी.के.ए. ऑस्ट्रिया के सहयोग से संचालित 'जैविक पद्धति से सब्जी खेती परियोजना' के तहत आयोजित इस मेले में क्षेत्र के सैकड़ों किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए ग्राम निर्माण मंडल के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार ने बताया कि यह परियोजना महुडर और पहाड़पुर पंचायत के 10 गांवों (दनियां, रानीगदर, झरनमा, करमाटांड़, भिखोमोह, रजवरिया, झिलार, कपसिया) के 400 किसानों के जीवन में बदलाव ला रही है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य किसानों को रसायन मुक्त खेती से जोड़कर उनकी आय और मिट्टी की सेहत सुधारना है। मेले में लाभुक किसानों ने अपने-अपने खेतों में उपजाई गई जैविक सब्जियों और उत्पादों का

स्टाल लगाया। किसानों ने एक-दूसरे के उत्पादों को देखकर तकनीक और पैदावार बढ़ाने के गुर सीखे। बेहतर उत्पादन करने वाले किसानों को कृषि औजारों से पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। परियोजना समन्वयक धीरेंद्र कुमार मन्नू ने बताया कि सितंबर 2025 में करमाटांड़ में शुरू की गई साप्ताहिक हाट की नींव अब रंग ला रही है, जिससे किसानों को उनके उत्पादों का सही मूल्य बाजार गांव में ही मिल रहा है। कृषि वैज्ञानिक अंगद कुमार ने किसानों को जैविक खाद तैयार करने और कीट प्रबंधन की विस्तार से जानकारी दी। वहीं डॉ. भारत भूषण शर्मा ने 'स्वस्थ जीवन के लिए जैविक पद्धति' को अपनाने पर जोर देते हुए किसानों की सराहना की। इस अवसर पर परियोजना क्षेत्र के 115 सक्रिय किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सफल किसानों के बीच कृषि यंत्रों का वितरण किया गया, जिससे उनके चेहरे खिल उठे।●

कन्या इंटर विद्यालय स्थापना स्वीकृति की मांग

● रजनीश कांत झा

नवादा जिले के नारदीगंज प्रखंड अंतर्गत परमा पंचायत के परमा गावं में कन्या इंटर विद्यालय स्थापित किये जाने को लेकर जिलाधिकारी को आवेदन देकर मांग किया गया है। परमा पैक्स प्रतिनिधि प्रमोद कुशवाहा के द्वारा दिए गए आवेदन में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रा० शि० एवं सर्व शिक्षा अभियान (नवादा) पत्रांक :- SS/AAST/157, दिनांक 28/01/2026 के आलोक में पंछेका गाँव में कन्या इंटर विद्यालय की स्थापना हेतु प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नारदीगंज को स्थल निरीक्षण का आदेश दिया गया है। इस विषय को लेकर कहा को परमा गाँव पंचायत का मुख्यालय है और यह बहुत बड़ी आबादी वाला बस्ती है। इस गाँव में दलित, महादलित की आबादी बहुत अधिक संख्या में है, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पिछड़ा गाँव है. इस गाँव के गरीब बच्चियों को दुसरे विद्यालय में पठन-पाठन के लिए 7-8 KM की दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे बच्चियों को विभिन्न प्रकार की कठिनाई होती है। इस गावं में पांच वार्ड और मतदान के लिए चार बुथ है। यहाँ एक हरिजन प्राथमिक विद्यालय और एक मध्य विद्यालय है इस गावं की जनसंख्या लगभग आठ हजार है। इस पंचायत के इंटर विद्यालय सभरी में है जो परमा गाँव से 6 से 7 किलोमीटर की दुरी पर है और आवागमन की कोई सुबिधा नही है। परमा ग्राम में कन्या इंटर विद्यालय का भवन निर्माण हेतु लगभग 6 एकड़ सरकारी जमीन उपलब्ध है, जिसका खाता संख्या 304 प्लौट संख्या 3009 है। इसी पंचायत के ग्राम संदोहरा का टोला पंछेका ग्राम में कन्या इंटर विद्यालय की मांग किया गया है जबकि यह एक ही वार्ड का टोला है और इस टोला से उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, सभरी की दूरी महज 1 km से भी कम है। इसलिए दलित, महादलित, अतिपिछडा अदि की आबादी को देख कर परमा गाँव में कन्या इंटर विद्यालय की स्थापना की जाने को लेकर मांग किया है। आवेदन में सैकड़ो ग्रामीणों के हस्ताक्षर भी हैं।●

विकास योजनाओं और रोजगार पर सीएम का बड़ा संदेश

● मो० सईद

समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गया जिले के टनकुप्पा प्रखंड के मायापुर में जनसंवाद कार्यक्रम के जरिए विकास, रोजगार और महिला सशक्तिकरण को लेकर बड़ा रोडमैप पेश किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आने वाले पांच वर्षों में बिहार देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा और विकास की रफ्तार और तेज की जाएगी। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री ने गया जिले के लिए करीब 744 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने मोटे अनाज (मिलेट्स) को बढ़ावा देने के लिए स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निरीक्षण कर किसानों को दी जा रही ट्रेनिंग का जायजा लिया। जीविका दीदियों और अन्य विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहे।

☞ **रोजगार, महिला सशक्तिकरण और डेयरी पर फोकस :-** मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में एक करोड़ युवाओं को रोजगार और नौकरी उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि 5.75 लाख महिलाओं को 10-10 हजार रुपये की सहायता दी गई है, आगे रोजगार बढ़ाने के लिए 2 लाख रुपये तक की सहायता योजना लाई जाएगी। डेयरी सेक्टर को मजबूत करने के लिए बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि 1614 गांवों में दुग्ध उत्पादन समितियों का गठन होगा। पंचायत स्तर पर सुधा दूध बिक्री केंद्र खोले जाएंगे।

☞ **शिक्षा, स्वास्थ्य और इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा प्लान :-** मुख्यमंत्री ने आगामी योजनाओं का खाका पेश करते हुए बताया कि हर प्रखंड में आदर्श विद्यालय और डिग्री कॉलेज बनाए जाएंगे। सरकारी डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर रोक लगेगी। पांच नए एक्सप्रेस-वे

और ग्रामीण सड़कों का विस्तार होगा। पटना में स्पोर्ट्स सिटी का विकास किया जाएगा। शिक्षा क्षेत्र में सुधार का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि अब तक 5.24 लाख शिक्षक बहाल किए जा चुके हैं और 45 हजार नए शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया जारी है।

☞ **विकास बनाम पिछली स्थिति पर सियासी संदेश :-** अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने 2005 से पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय विकास कार्य नहीं के बराबर थे और लोगों में डर का माहौल था। आज राज्य में कानून का राज, बेहतर सड़क, बिजली और शिक्षा व्यवस्था स्थापित हुई है। सामाजिक सौहार्द पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पहले हिंदू-मुस्लिम विवाद होते थे, लेकिन अब राज्य में शांति और भाईचारे का माहौल है।

☞ **सुरक्षा के बीच हुआ कार्यक्रम, बड़ी संख्या में जुटे लोग :-** मायापुर स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस परिसर को कार्यक्रम के दौरान पूरी तरह सुरक्षा घेरे में रखा गया। आईजी और एसएसपी, डीएम समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। बड़ी संख्या में जीविका दीदियां और ग्रामीण कार्यक्रम में शामिल हुए।

☞ **पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन :-** इसी दौरान आमस प्रखंड की बड़की चिलमी पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया, जिससे स्थानीय लोगों को अब सरकारी सेवाएं अपने पंचायत स्तर पर ही उपलब्ध होंगी। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार, जल संसाधन विभाग और संसदीय कार्य विभाग मंत्री विजय चौधरी आदि मौजूद थे। ●

पंचायत समिति की बैठक आयोजित

● अब्दुल कैय्यूम

अररिया जिले के पालासी प्रखंड मुख्यालय स्थित सभा भवन में गत दो मार्च को पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख चिंता देवी ने की। बैठक में पीएम आवास, मनरेगा, अंचल,जनवितरण प्रणाली, बाल विकास परियोजना, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य,कृषि, बिजली, बीपीडीपी योजना के चयन पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सब से पहले पीएम आवास पर चर्चा की गई। इस क्रम में मुखिया रागिब ने पंचायतों में लाभुकों का नाम कटने के मुद्दा उठाया गया। पीएम आवास की दूसरी किश्त भुगतान नही होने का मुद्दा उठाया गया। बैठक में मनरेगा योजना की समीक्षा के क्रम में पलासी में मनरेगा योजना के तहत काम नही होने का मुद्दा उठाया गया। इस क्रम में पीओ अख्तर आलम ने इस पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पलासी में हंड्रेड परसेंट मेंडेज होने का कारण नया योजना नही किया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि पुराना योजना पर कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने मनरेगा योजना के नाम चयन की भी विस्तृत जानकारी दी। अंचल की समीक्षा के क्रम में मुखिया रागिब ने हल्का कर्मचारी के ऊपर रैयतों से अबैध उगाही का मुद्दा उठाया। उन्होंने म्युटेशन के नाम पर उगाही भी आरोप लगाया। मुखिया रागिब ने बासगीत पर्चा बनाने में भी अनियमितता बरतने का आरोप लगाया। बैठक मे कलियागंज व पलासी बाजार में अतिक्रमण का मुद्दा उठाया गया। साथ ही साथ दोनों बाजारों का अतिक्रमण को जल्द से जल्द हटाने का मुद्दा उठाया गया।

बैठक में कृषि विभाग पर चर्चा करते हुए मुखिया प्रभुचंद विश्वास ने खाद की कालाबाजारी का मुद्दा उठाया। इस क्रम में उनलोगों ने खाद बीज व पीएम किसान योजना के चयन में भारी अनियमितता का आरोप लगाया। बैठक में स्वास्थ्य योजना की समीक्षा के क्रम में मुखिया मोहम्मद रागिब ने पलासी अस्पताल में महिला चिकित्सक की कमी का मुद्दाया उठाया गया। बिजली विभाग की समीक्षा के क्रम में पलासी के चौरी पंचायत, धनगामा में बिजली बांस तार पर गुजरने का मुद्दा उठाया गया। उप प्रमुख प्रतिनिधि ने दिघली में जर्जर तार का मुद्दा उठाया। बाल विकास योजना की समीक्षा के क्रम में भवन के अभाव में भाड़े पर संचालित हो रहा हैं। बैठक में आंगनबाड़ी भवनों की स्तिथि का मुद्दा उठाया गया। बैठक में आईसीडीएस भवनों का निर्माण पर चर्चा की गई। साथ ही साथ बैठक मे प्रखंड में रिक्ति का भी मुद्दा उठाया। बैठक में कुजरी के प्रभारी मुखिया शोएब आलम ने जेई रविकांत झा पर एस्टीमेट नही देने का मुद्दा उठाया। बैठक में भवनहीन विद्यालयों की स्तिथि की जानकारी डाटा ऑपरेटर अनमोल कुमार दिया गया।

बैठक में प्रमुख चिंता देवी, बीडीओ आदित्य प्रकाश, बीपीआरओ अखिलेश कुमार, प्रभारी चिकित्सक जहांगीर आलम, पीओ मोहम्मद अख्तर आलम, एमओ कुमोद सिंह, आरओ विदिशा सिंह, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी प्रिंस कुमार, मुखिया संघ अध्यक्ष रूबी शोएब, मुखिया मोहम्मद रागिब, मुखिया वीरेंद्र पासवान, राम प्रसाद चौधरी, राम कृपाल विश्वास,मुखिया मुसर्रत जहां, मुखिया कृपानंद सिंह सरदार, अली हैदर उर्फ डम्पी, मुखिया प्रतिनिधि पंकज मंडल, समद अली, मोहम्मद नासिर, पंसस सिबतेंन, प्रखंड अल्प संख्यक कल्याण पदाधिकारी कन्हैया कुमार, एलएस उषा कुमारी, सोनाली कुमारी, पंसस अरुण विश्वास आदि मौजूद हैं। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

पलासी और सिकटी प्रखंड में 9 पुलों का शिलान्यास

● अब्दुल कैय्यूम

अररिया जिले के पलासी एवं सिकटी प्रखंड में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत विकास कार्यों को नई गति मिली। सांसद प्रदीप कुमार सिंह, विधायक मुर्शीद आलम, व प्रदीप कुमार मंडल ने पलासी व सिकटी के स्थानों पर बनने वाले कुल 9 पुलों का शिलान्यास किया। जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलने की उम्मीद है। पलासी प्रखंड में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पलासी से सोहंदर जाने वाली सड़क के बीच पांच प्रमुख स्थानों पर बनने वाले पुलों का भी शिलान्यास किया गया। इस कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष आफताब अजीम उर्फ पप्पू, जोकीहाट विधायक मुर्शिद आलम सहित कई जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कार्यों का शुभारंभ किया।

इस क्रम में सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत करीब 1 करोड़ 85 लाख की लागत से मजलिसपुर चौक पर, चांदीपुर के समीप मुख्य सड़क पर करीब 2 करोड़ 63 लाख की लागत से दो पुलिया, बिहारी के समीप करीब 1करोड़ 28 लाख की लागत से एक पुलिया व काशिबाड़ी के समीप मुख्य सड़क के समीप 01 करोड़ 23 लाख की लागत से पांच पुलिया का निर्माण किया जयगा। जिस का शिलान्यास उन्होंने विधायक, जीप अध्यक्ष के साथ मिल कर संयुक्त रूप से किया हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में क्षेत्र के सभी बचे पुल पुलिया व सड़को का शिलान्यास: किया जयगा। इस मौके पर उन्होंने विधायक मुर्शीद आलम को धमकी दिये जाने की निंदा करते हुए कहा कि धमकी देने वाले शीघ्र सलाखों के भीतर होंगे। सिकटी प्रखंड में टप्पू टोला से खोरागाछ जाने वाली सड़क के बीच चार प्रमुख स्थानों पर बनने वाले पुलों का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक माननीय विजय कुमार मंडल जी सहित भारतीय जनता पार्टी के कई प्रमुख कार्यकर्ता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इन पुलों के निर्माण से बरसात के दिनों में होने वाली आवागमन की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी तथा क्षेत्र के गांवों का संपर्क मुख्य सड़कों से और अधिक मजबूत होगा। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार से जुड़े कार्यों में भी काफी सुविधा मिलेगी। अवसर पर सांसद प्रतिनिधि संजय कुमार झा, राजा मिश्रा, जुबेर आलम, अजहर मुर्शीद, अबु जर आलम, संजय ठाकुर आदि मौजूद थे।●

जोकीहाट विधानसभा की गूंज सदन में उठी

● अब्दुल कैय्यूम

अररिया जिला के जोकीहाट के एआईएमआईएम विधायक मुर्शीद आलम ने बिहार विधानसभा सत्र के दौरान जोकीहाट से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाकर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। जोकीहाट विधायक मोहम्मद मुर्शीद आलम ने विधानसभा सत्र के दौरान जोकीहाट व सीमांचल में शिक्षा के क्षेत्र को बेहतर बनाने के लिये सीमांचल के अररिया में बीएड कॉलेज खोलने की मांग की हैं। उन्होंने कहा कि सीमांचल में बीएड कॉलेज नही रहने के कारण छात्रों को डेढ़ लाख से अधिक रुपया देकड अन्य राज्यो से बीएड करना पड़ता हैं। जिस कारण क्षेत्र के छात्रों को काफी दिक्कत उठानी पड़ती हैं। उन्होंने जोकीहाट में डिग्री कॉलेज का मुद्दा उठाया। उन्होंने सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि जोकीहाट 26 ग्राम पंचायत व एक नगर पंचायत का प्रखंड हैं। इस के बावजूद यहां डिग्री कॉलेज की सुविधा नही रहने से छात्र व छात्रों को अन्यत्र जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करना पड़ता हैं उन्होंने सत्र के दौरान कहा कि जोकीहाट उच्च विद्यालय में 11 एकड़ 85 डिसमिल जमीन हैं जबकि उदाहट उच्च विद्यालय में 13 एकड़ जमीन हैं। विधायक मुर्शीद आलम ने सरकार से शीघ्र जोकीहाट हाट में डिग्री कॉलेज खोलने की मांग की हैं। साथ ही साथ उन्होंने तत्काल जोकीहाट उच्च विद्यालय में डिग्री की पढ़ाई शुरू करने की गुहार लगाई हैं। जोकीहाट विधायक मुर्शीद आलम ने 2018 व 2023 में बहाल अतिथि शिक्षकों के पीड़ा को भी सदन में उठाते हुए उनलोगों को दोबारा पुनर्नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने की मांग उठाई हैं। विधायक मुर्शीद आलम ने विधानसभा सत्र के दौरान क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को सदन के सामने रखकर सरकार का ध्यान आकृष कराया हैं।

विधायक मुर्शीद आलम ने जोकीहाट के उदाहट उप स्वास्थ्य केंद्र को छह बेड वाली पीएचसी में अपग्रेड करने की मांग उठाई ताकि क्षेत्र लोगो को स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। विधायक श्री आलम ने जोकीहाट में नए रजीस्ट्री भवन बनाने तथा पेचौली पंचायत के सियामपुर मुशहरा घाट पर पुल बनाने की की मांग सदन में उठाई। जोकीहाट विधायक मुर्शीद आलम ने कहा कि जोकीहाट का संपूर्ण विकास ही उनका लक्ष्य हैं। कहा कि जनता की समस्याओं से किसी प्रकार का समझौता नही किया जयगा। विधायक द्वारा क्षेत्र की समस्याओं को लगातार सैदान में उठाये जाने से लोगो में विकास की नई उमीद जग गयी हैं।●

विधायक मुर्शीद आलम से मांगी गई रंगदारी

● **अब्दुल कैय्यूम**

जिले के जोकीहाट के एआईएमआईएम विधायक मोहम्मद मुर्शिद आलम से बीते शुक्रवार की रात्रि अंजान मोबाइल नंबर से पांच लाख रुपये रंगदारी मांगने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में जोकीहाट विधायक मुर्शिद आलम के आवेदन पर पलासी थाना में मामला दर्ज किया गया है। इस बाबत विधायक मुर्शीद आलम ने बताया कि बीते 06 मार्च शुक्रवार को दिन के 10.13 एवं 10.14 बजे मेरे मोबाइल नम्बर पर के ह्वाट्एप पर 254774321648 नम्बर से मिस कॉल आया। अंजान नम्बर होने के कारण मैंने रीसिव नहीं किया। पुनः रात्रि 10.15 बजे शुक्रवार को उक्त नम्बर से फोन आया। जब मैंने फोन रीसिव किया, तो फोन करने वाला बोला कि मैं कनाडा से जिशान अख्तर बोल रहा हूं, मुझे पांच लाख रुपये दो। साथ ही कई धमकी भी दिया। फिर रात्रि 11.29 एवं 11.32 पर उनका ह्वाट्एप पर फोन आया। जिसमें पांच लाख रुपये दो या असलाहा दो, नहीं तो अंजाम भुगतन कके लिए तैयार रहो। विधायक मुर्शिद आलम ने बताया कि उनसे हुई बातचीत का मेरे पास कॉल रेकॉड मौजूद है। उन्होंने बताया कि इस मामले की सारी जानकारी अररिया एसपी को दी गयी हैं।

☞ **विधायक मुर्शीद आलम से रंगदारी मांगने के मामले का किया गया उद्भेदनः एसपी :-** जोकीहाट विधायक को धमकी देने के मामलों को गंभीरता से लेते हुए अररिया एसपी जितेंद्र कुमार ने उद्भेदन कर लिया। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को जानकारी देते हुए बताया की जिले के जोकीहाट विधायक मुर्शीद आलम को धमकी देकर पांच लाख रुपया रंगदारी मांगने वाला कथित नाबालिग को पुलिस ने विधि विरुद्ध किया हैं। नाबालिग नालंदा जिले का रहने वाला बताया गया हैं। एसपी जितेंद्र कुमार ने बताया कि बिधायक मुर्शीद आलम को एक नाबालिग लॉरेंस विश्नोई गैंग का गैंगेस्टर बताते हुए व्हाट्सएप पर पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई। इस को लेकर विधायक ने पलासी थाना में एक केस दर्ज कराया था। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस मामले की अनुसंधान में लग गयी। अंत में पुलिस को सफलता हाथ लगी ओर धमकी देने वाला नाबालिग को विधि विरुद्ध किया। एसपी जितेंद्र कुमार ने बताया कि यह पहले भी कई बड़े बड़े नेताओं को धमकी दिया हैं। एसपी ने कहा मामले की छानबीन की जा रही हैं। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेलः- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

समृद्धि यात्रा के दौरान मिली करोड़ों रुपये की सौगात

● अब्दुल कैय्यूम

समृद्धि यात्रा के तीसरे चरण में 11 मार्च को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अररिया पहुचे। इस दौरान उन्होंने अररिया जिले को 546 करोड़ रुपया के विकास योजनाओं की सौगात दी। इस क्रम में उन्होंने 157 करोड़ की लागत से 60 योजनाओं का उद्घाटन किया वही 331 करोड़ रुपया की लागत से बनने वाली छह योजनाओं का शिलान्यास:,तथा 58 करोड़ की लागत से बनने वाली दो योजनाओं की शुरुआत की। सीएम नीतीश कुमार ने सब से पहले अररिया के नए पुलिस केंद्र स्थित पुलिस लाइन में आवासीय व गैर आवासीय भवनों के विधुतीकरण कार्य के शिलापट का अनावरण कर उदघाटन किया। इस के बाद उन्हीने रिमोट के माध्यम से विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास: किया। सीएम नीतीश कुमार ने अररिया कॉलेज परिसर में आयोजित एक महती सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक आपसी सोहाद्र को बनाये रखने के लिये उन्होंने कब्रिस्तानों के घेरावन्दी के बाद वर्ष 2016 से 60 साल पुराने मंदिरों की भी घेराबंदी की। उन्होंने ने सभा को संबोधित करते हुए 2005 से पहले बिहार की हालात के बारे में कहते हुए कहा कि पहले बिहार की स्तिथि काफी खराब थी। लोग सड़कों पर अकेले जाने से डरते थे। बहु बेटियों का शाम में घर से निकलना मुश्किल था। लीगो में भय व डर का माहौल था। लेकिन अब हालात बदल चुका हैं। चारो और कानून का राज हैं। सभी लोग बेखोफ होकर सड़को पर चलते हैं। उन्होंने कहा कि आज बिहार स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी आगे बढ़ा हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं में व्यापक सुधार हुआ हैं। पीएचसी में प्रतिदिन 11600 मरीज आ रहे हैं। पहले छह मेडिकल कॉलेज था अब हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनेगा। उन्होंने कहा कि अररिया के 09 सीएचसी को विशिष्ट व विशिष्ट सदर अस्पताल को अतिविशिष्ट अस्पताल बनाया जयगा।

सीएम नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में कृषि रोड मेप की चर्चा करते हुए कहा कि आज रजत में अनाज, फल व मछली का उत्पादन बढ़ा हैं। सीएम ने कहा कि आज बिहार बिजली के क्षेत्र में आत्म निर्भर हैं। 2018 में ही हर घर बिजली पहुचा दिया गया हैं। अब सरकार ने सभी घरेलू उपभोगताओं को 125 यूनिट बिजली फ्री मिल रही हैं। 50 हजार घरों में अब सोलर लाइट लगाया जा रहा हैं। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में बड़े पैमाने पर शिक्षक की बहाली की गई हैं। वर्तमान में सरकारी शिक्षकों की संख्यां 5 लाख 24 हजार ही गयी हैं। जल्द ही 45 हजार शिक्षकों की बहाली की जायेगी। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार मे चारो ओर सड़क, पुल, पुलिया, सहित अन्य विकास योजनाओं का जाल विछाया गया हैं। सात निश्चय योजना के तहत हर घर नल का जल, शौचालय व अन्य योजनाओं जी सुविधा मुहैया कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार मुहैया कराने का प्रयास लगातार कर रही हैं। अब तक 10 लॉक युवाओं को नौकरी,तथा लो लाख रोजगार बढ़ा कर 40 लाखकर दिया गया हैं। सीएम ने कहा कि आने वाले पांच वर्षो में एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य हैं। सीएम नीतीश कुमार ने अररिया के विकास का चर्चा करते हुए कहा कि जिले में पॉलीटैक्निक कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, जीएनएम कॉलेज, पारा मेडिकल संस्थान कीस्थापना की गई हैं।

कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पहले नीतीश जी के अब उनके मार्गदर्शन में बिहार का विकास होगा। उन्होंने कहा कि अररिया के फारबिसगंज में 150 एकड़ जमीन में हवाई अड्डा बनेगा। उन्होंने कहा कि आज नीतीश बाबू के द्वारा किये गए विकास कार्यो को भूलना मुश्किल हैं। कहा कि आज हर क्षेत्र शिक्षा, स्वास्थ्य,सड़क, बिजली में काम किये हैं। उन्होंने कहा कि 2005 से पहले 17 लाख घरों में बिजली कनेक्शन था लेकिन आज 2. 16 करोड़ घरों में कनेक्शन हैं। कहा कि पछले सात माह से 88 प्रतिशत परिवारों का बिजली बिल शून्य आ रहा हैं। जो हमारी सरकार की उपलब्धि हैं। इस के अलावे कार्यक्रम को मंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री लेशी सिंह, मंत्रि लखेन्द्र कुमार रोशन, पूर्व मंत्री विजय कुमार मंडल ने संबोधित किया। इस दौरान सीएम ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया। जिन विभागों का स्टॉल लगाए गए थे उन में महिला बाल विकास निगम, आईसीडीएस, समाज कल्याण, डीआरसी, मत्स्य विभाग, डीआरडीए, जीविका, एससीएसटी कल्याण विभाग, कृषि विभाग आदि शामिल हैं।●

235 करोड़ की 122 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास

● **धर्मेन्द्र सिंह**

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के तीसरे चरण के तहत बुधवार को किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड स्थित कृषि मैदान में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जिले के लिए 235 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 122 विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा सहित कई मंत्री और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।मुख्यमंत्री के आगमन पर मंत्री डॉ० दिलीप कुमार जायसवाल स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। बड़ी संख्या में लोग जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समृद्धि यात्रा का उद्देश्य राज्य में चल रही विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और आम लोगों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका समाधान करना है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में बिहार में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ है। राज्य में डेढ़ लाख किलोमीटर से

अधिक सड़कों का निर्माण कराया गया है और अधिकांश घरों तक बिजली पहुंचाई गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य बिहार को आत्मनिर्भर बनाना है तथा कृषि रोडमैप के तहत खेती, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन के क्षेत्र में भी तेजी से काम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। आने वाले समय में एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि बिहार लोक सेवा आयोग के माध्यम से 45 हजार नए पदों पर बहाली की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

☞ **235 करोड़ की योजनाओं की घोषणा :-** जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान जिले के लिए 122 योजनाओं को स्वीकृति दी गई, जिनमें 73 योजनाओं का शिलान्यास और 49 योजनाओं का उद्घाटन शामिल है। इन योजनाओं पर 235 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की जाएगी। योजनाओं में सड़क निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति और अन्य आधारभूत विकास कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने ठाकुरगंज में पावर ग्रिड का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि इसके चालू होने से क्षेत्र के लोगों को 24 घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित होगी और वोल्टेज की समस्या से राहत मिलेगी। साथ ही राज्य में 50 लाख घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने की योजना पर भी काम किया जा रहा है।

☞ **स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती :-** समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने जिले के विभिन्न प्रखंडों में बनने वाले 17 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भवनों का शिलान्यास किया। इन भवनों के निर्माण पर लगभग 7 करोड़ 28 लाख रुपये की लागत आएगी। सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने बताया कि इन केंद्रों का निर्माण प्री-फैब्रिकेटेड तकनीक से किया जाएगा और प्रत्येक भवन का निर्मित क्षेत्रफल लगभग 126 वर्गमीटर होगा। इन केंद्रों के निर्माण से ग्रामीण

क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्ध ता मजबूत होगी और लोगों को अपने ही क्षेत्र में जांच, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण तथा गैर संचारी रोगों की जांच जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी।

☞ **जीविका दीदियों के कार्यों की सराहना** :- मुख्यमंत्री ने ठाकुरगंज के चुरली स्थित पावर सब स्टेशन परिसर में लगाए गए जीविका स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान जीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित विभिन्न आजीविका गतिविधियों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसकी मुख्यमंत्री ने सराहना की। उन्होंने किशनगंज सदर प्रखंड में संचालित "शगुन जीविका दीदी का सिलाई घर" का भी शुभारंभ किया। इस केंद्र के माध्यम से लगभग 1400 जीविका दीदियों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा और यहां आंगनबाड़ी केंद्रों तथा आवासीय विद्यालयों के बच्चों के लिए पोशाक तैयार किए जाएंगे। इस अवसर पर जीविका स्वयं सहायता समूहों को बैंक लिंकेज के तहत 2 अरब 42 करोड़ 64 लाख रुपये तथा सामुदायिक निवेश निधि के रूप में 21 करोड़ 23 लाख रुपये की राशि के डमी

चेक भी प्रदान किए गए।

☞ **विकास कार्यों की दी जानकारी** :- मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2005 के बाद राज्य में कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है और विकास की गति तेज हुई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और पुल-पुलियों के निर्माण से राज्य के दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंच आसान हुई है। उन्होंने बताया कि किशनगंज में इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक संस्थान, महिला आईटीआई, जीएनएम और पारा मेडिकल संस्थान स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा ठाकुरगंज बाइपास, दो पावर सब स्टेशन, किशनगंज-बहादुरगंज फोरलेन सड़क तथा कनकई और महानंदा नदी पर पुल निर्माण जैसी योजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में किशनगंज में औद्योगिक क्षेत्र विकसित कर नए उद्योग लगाए जाएंगे, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में आम लोग उपस्थित रहे।मुख्यमंत्री के इस दौरे से सीमांचल क्षेत्र के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

माता गुजरी यूनिवर्सिटी का पहला दीक्षांत समारोह

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज स्थित माता गुजरी यूनिवर्सिटी में पहला दीक्षांत समारोह बड़े उत्साह और गरिमा के साथ आयोजित किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर मेडिकल, नर्सिंग और फार्मेसी संकाय के कुल 1198 स्नातक विद्यार्थियों को औपचारिक रूप से डिग्रियां प्रदान की गईं। डिग्री प्राप्त करने के बाद छात्रों और उनके अभिभावकों के चेहरों पर खुशी और गर्व साफ झलक रहा था। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक रूप से अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर और रजिस्ट्रार डॉ. इच्छित भारत सहित अन्य पदाधिकारियों ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी उपस्थित रहे। उनके साथ बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार और उद्योग व पथ निर्माण मंत्री डॉ० दिलीप कुमार जायसवाल भी समारोह

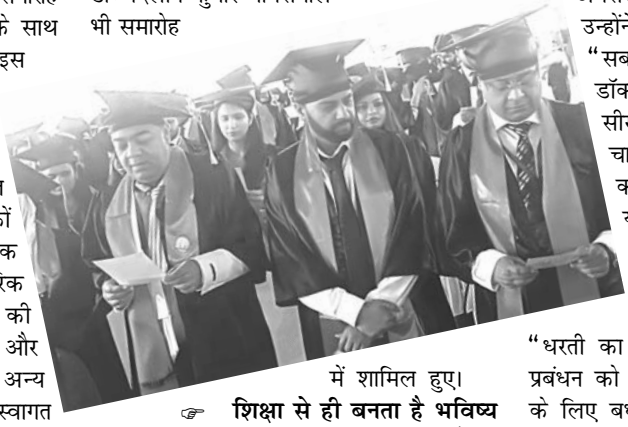

में शामिल हुए।

☞ **शिक्षा से ही बनता है भविष्य** :- अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि किशनगंज जैसे दूरस्थ क्षेत्र में विश्वविद्यालय की स्थापना कर अल्पसंख्यक और स्थानीय छात्रों को उच्च शिक्षा का अवसर देना अत्यंत सराहनीय पहल है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा, "सबसे अधिक पढ़ने वाला बच्चा ही डॉक्टर और इंजीनियर बनता है। जीवन में सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होनी चाहिए।" उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र का जिक्र करते हुए बताया कि आयुष्मान कार्ड योजना के तहत पहले बिहार में लगभग 50 हजार कार्ड बने थे, जबकि अब यह संख्या बढ़कर 2 करोड़ से अधिक हो चुकी है। उन्होंने डॉक्टरों को "धरती का भगवान" बताते हुए विश्वविद्यालय प्रबंधन को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए बधाई दी।

☞ **शिक्षा बजट और योजनाओं का जिक्र** :- शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने अपने संबोधन में बिहार में शिक्षा क्षेत्र में आए बदलावों की चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य का शिक्षा बजट अब 68 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि पहले बिहार में केवल 5 विश्वविद्यालय थे, जबकि आज उनकी संख्या बढ़कर 15 हो गई है। राज्य में 76 हजार से अधिक स्कूल, 5 लाख 75 हजार से अधिक शिक्षक और लगभग 1 करोड़ 76 लाख छात्र-छात्राएं शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में 1 करोड़ 3 लाख से अधिक बच्चों को प्रतिदिन मध्याह्न भोजन दिया जा रहा है। साथ ही मुख्यमंत्री की साइकिल योजना और पोशाक योजना के कारण खासकर

लड़कियों की शिक्षा को बड़ा बढ़ावा मिला है।

☞ **महिलाओं की शिक्षा में बड़ा बदलाव :-** शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्ष 2001 में बिहार में महिलाओं की साक्षरता दर केवल 34 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर लगभग 74 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने इसे सरकार की योजनाओं और समाज में बढ़ती जागरूकता का परिणाम बताया।

☞ **स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से मिली मदद :-** उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे लाखों छात्र लाभान्वित हुए हैं। साथ ही राज्य में करीब 2500 प्राध्यापकों की नियुक्ति की जा चुकी है और भविष्य में हर ब्लॉक में मॉडल स्कूल और डिग्री कॉलेज खोलने की योजना है। छात्रों को नई तकनीकों के प्रति सजग रहने की सलाह देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है और ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जो इससे अछूता रहेगा। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे नई तकनीकों को अपनाकर अपने कौशल को विकसित करें।

☞ **संघर्षों से बनी राह :-** उद्योग एवं पथ निर्माण मंत्री डॉ० दिलीप कुमार जायसवाल ने अपने पुराने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब वर्ष 1990 में मेडिकल कॉलेज खोलने की पहल हुई थी, तब देश में केवल आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु में ही निजी मेडिकल कॉलेज थे। उस समय कई लोगों को यह विश्वास नहीं था कि बिहार जैसे राज्य में यह संभव हो पाएगा, लेकिन लगातार प्रयासों के बाद आज इसका परिणाम सामने है।

☞ **खुशियों से भरा रहा समारोह :-** दीक्षांत समारोह के दौरान डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। कई छात्रों ने अपने माता-पिता और शिक्षकों के साथ इस उपलब्धि का जश्न मनाया। समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक और विश्वविद्यालय के अधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में छात्रों को मेहनत, सेवा और समाज के विकास में योगदान देने का संदेश दिया गया।●

संघर्ष, साहस और सफलता की कहानी

जूही दास ने पाया UPSC में 649वाँ रैंक

● **धर्मेन्द्र सिंह**

बिहार के सीमावर्ती जिले किशनगंज की बेटी जूही दास ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) 2025 की सिविल सेवा परीक्षा में 649वीं रैंक हासिल कर न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। यह सफलता केवल एक परीक्षा में हासिल की गई उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह संघर्ष, धैर्य और अटूट संकल्प की प्रेरक कहानी भी है। शहर के खगड़ा प्रेमपुल क्षेत्र की रहने वाली जूही दास एक साधारण परिवार से आती हैं। उनके पिता स्वर्गीय निवारण दास घर के पास ही मोटर पार्ट्स की एक छोटी दुकान चलाते थे, जबकि उनकी मां अन्निका दास न्यायमित्र के रूप में कार्यरत हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद परिवार ने हमेशा जूही की पढ़ाई को प्राथमिकता दी और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जूही भी शुरू

से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं और अपनी मेहनत के दम पर उन्होंने देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाने वाली UPSC में सफलता हासिल की। जूही की सफलता की सबसे भावुक और प्रेरक बात यह है कि उन्होंने जीवन के बेहद कठिन दौर में भी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया। उनके साक्षात्कार से महज दस दिन पहले, 13 फरवरी को उनके पिता का बीमारी के कारण निधन हो गया। घर में शोक का माहौल था और परिवार अंतिम संस्कार तथा श्राद्ध कर्म की रस्मों में व्यस्त था। लेकिन पिता के सपने को साकार करने के लिए जूही ने अपने आंसुओं को रोकते हुए हिम्मत दिखाई और 24 फरवरी को दिल्ली में आयोजित UPSC साक्षात्कार में शामिल हुई। इस कठिन परिस्थिति में भी उनका आत्मविश्वास और संकल्प अडिग रहा, जिसका परिणाम आज उनकी सफलता के रूप में सामने आया है। जूही को यह सफलता चौथे प्रयास में मिली है। इससे पहले वह अपने दूसरे और तीसरे प्रयास में साक्षात्कार तक पहुंच चुकी थीं, लेकिन अंतिम सूची में उनका नाम शामिल नहीं हो पाया था। लगातार असफलताओं के बावजूद उन्होंने

हार नहीं मानी और अपनी तैयारी जारी रखी। चौथे प्रयास में उनकी मेहनत रंग लाई और उन्होंने 649वीं रैंक हासिल कर अपने सपने को साकार कर लिया। शैक्षणिक पृष्ठभूमि की बात करें तो जूही ने वर्ष 2015 में बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल से 9.4 सीजीपीए के साथ मैट्रिक की परीक्षा पास की। इसके बाद वर्ष 2017 में चौतन्य, विशाखापट्टनम से 92 प्रतिशत अंकों के साथ इंटरमीडिएट उत्तीर्ण किया। आगे की पढ़ाई उन्होंने कोलकाता से बीटेक कर पूरी की। दिलचस्प बात यह है कि जूही ने UPSC की तैयारी के लिए किसी बड़े कोचिंग संस्थान का सहारा नहीं लिया। वह मुख्य रूप से सेल्फ स्टडी पर भरोसा करती थीं और जरूरत पड़ने पर कुछ संस्थानों से ऑनलाइन नोट्स मंगवाकर पढ़ाई करती थीं। उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो सीमित संसाधन भी बाधा नहीं बनते। जूही बताती हैं कि उन्हें UPSC की तैयारी करने की सबसे बड़ी प्रेरणा अपनी मां से मिली। उनके मार्गदर्शकों सपन कुमार दास और सुशोभन दास ने भी उनकी तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जूही

के अनुसार, इस रैंक के आधार पर उन्हें भारतीय पुलिस सेवा (IPS) या भारतीय राजस्व सेवा (IRS) मिलने की संभावना है। जूही की इस उपलब्धि से पूरे किशनगंज जिले में खुशी और गर्व का माहौल है। परिजनों, मित्रों, शिक्षकों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जूही की सफलता जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी और यह संदेश देगी कि छोटे शहरों और सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने पूरे किए जा सकते हैं। विशेषज्ञों और शिक्षकों का मानना है कि UPSC जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि लगातार मेहनत, धैर्य और सही दिशा में प्रयास से मिलती है। जूही दास की कहानी इसी बात का उदाहरण है। आज जूही दास की सफलता किशनगंज के लिए गर्व का क्षण बन चुकी है। उनका संघर्ष और साहस यह संदेश देता है कि विपरीत परिस्थितियां चाहे जितनी कठिन क्यों न हों, यदि मन में दृढ़ संकल्प हो तो हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। आने वाले समय में जूही की यह प्रेरक कहानी जिले के हजारों युवाओं और छात्राओं के लिए उम्मीद और प्रेरणा का स्रोत बनेगी।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेलः- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

सदर अस्पताल में सुरक्षा गार्ड तैनाती घोटाला

● **धर्मेन्द्र सिंह**

सदर अस्पताल में सुरक्षा गार्डों की तैनाती और भुगतान में बड़े पैमाने पर अनियमितता का मामला सामने आया है। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जो सुरक्षा गार्ड एक साल पहले ही नौकरी छोड़कर जा चुके थे, उनकी उपस्थिति दो दिन पहले तक रजिस्टर में दर्ज की जा रही थी और उनके नाम पर भुगतान भी किया जा रहा था। जांच टीम की रिपोर्ट के अनुसार सदर अस्पताल में तैनात रही सुरक्षा गार्ड रितु कुमारी और रतन कुमार को नौकरी छोड़े एक वर्ष से अधिक समय हो चुका है।इसके बावजूद आउटसोर्सिंग एजेंसी लगातार उनकी उपस्थिति दर्ज कर उन्हें ड्यूटी पर दिखाती रही। हालिया जांच में यह तथ्य सामने आने के बाद पूरे मामले में बड़े फर्जीवाड़े की आशंका और गहरा गई है।

☞ **कागज पर 47 गार्ड, अस्पताल में दिखे 9-10 :-** दरअसल, सुरक्षा गार्डों की तैनाती में अनियमितता को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इमाम अली चिंटू ने जिलाधिकारी से शिकायत की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कागजों में 47 सुरक्षा कर्मियों की तैनाती दिखाई जा रही है, जबकि वास्तविकता में अस्पताल परिसर में मुश्किल से 9 से 10 गार्ड ही ड्यूटी करते नजर आते हैं। शिकायत के बाद डीएम के निर्देश पर गठित जांच टीम ने जब उपस्थिति रजिस्टर और भुगतान से जुड़े दस्तावेजों की जांच की तो कई चौंकाने वाली अनियमितताएं सामने आई।

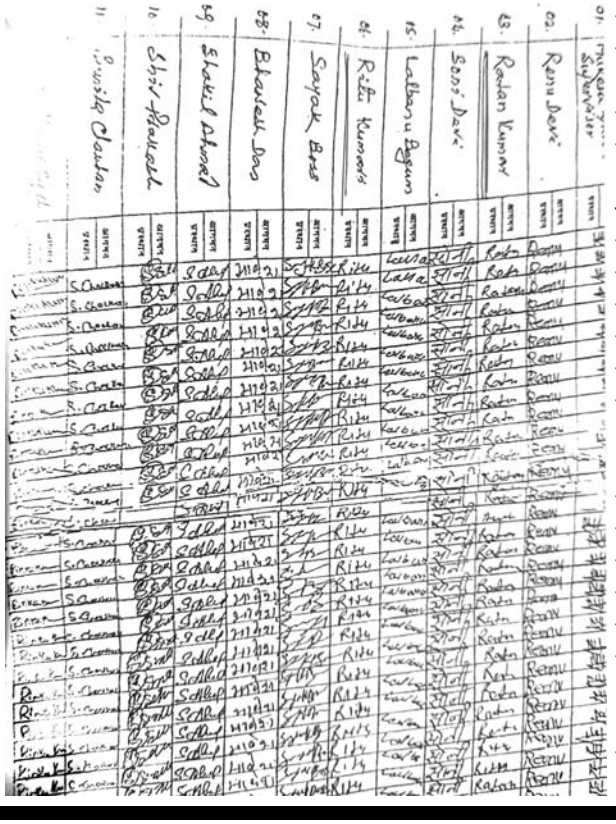

☞ **एक्स-सर्विसमैन बताकर की गई तैनाती, प्रमाण नहीं :-** जांच में यह भी सामने आया कि आउटसोर्सिंग एजेंसी द्वारा जिन सुरक्षा कर्मियों को एक्स-सर्विसमैन बताया गया है, उनमें से अधिकांश वास्तव में पूर्व सैनिक नहीं हैं। एजेंसी इस संबंध में कोई वैध प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत नहीं कर सकी।

☞ **श्रेणी बदलकर किया गया अतिरिक्त भुगतान :-** जांच रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि कई सेमी-स्किल्ड गार्डों को स्किल्ड श्रेणी का भुगतान किया गया, जबकि एक गार्ड को सुपरवाइजर के बराबर वेतन दिया गया। इससे अतिरिक्त भुगतान होने की आशंका जताई जा रही है।

☞ **सीसीटीवी फुटेज भी नहीं मिला :-** मामले की पुष्टि के लिए जब सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई तो

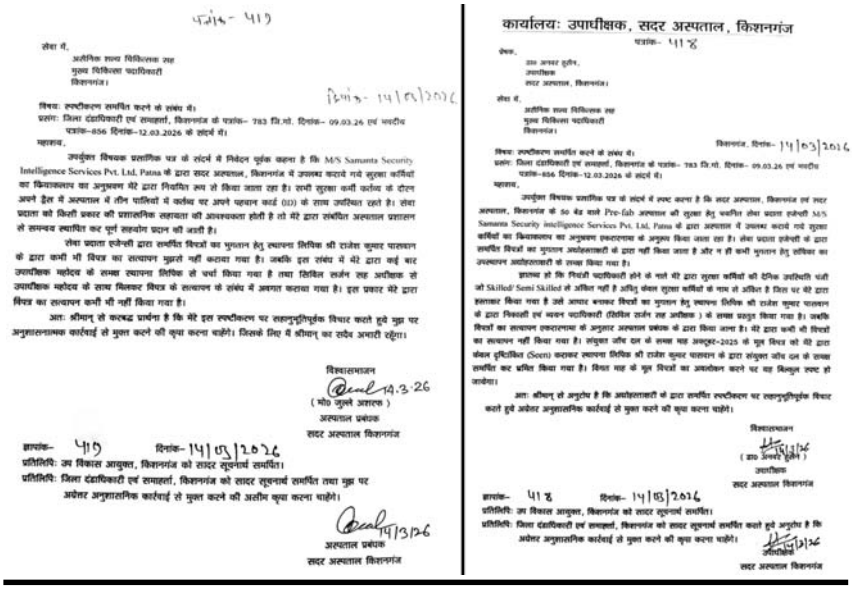

पता चला कि अस्पताल में चार महीने से अधिक पुराना फुटेज उपलब्ध ही नहीं है और केवल 11 दिनों का ही डेटा सुरक्षित रखा गया है। इससे वास्तविक उपस्थिति की पुष्टि करना मुश्किल हो गया है।

☞ **तीन सदस्यीय टीम करेगी, अतिरिक्त भुगतान का आकलन :-** सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने बताया कि फर्जी उपस्थिति और भुगतान की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की गई है, जो आउटसोर्सिंग एजेंसी को हुए अतिरिक्त भुगतान का आकलन करेगी। साथ ही सदर अस्पताल के उपाधीक्षक और अस्पताल प्रबंधक से स्पष्टीकरण भी मांगा गया है।

☞ **अधिकारियों ने दी सफाई :-** इस मामले में सदर अस्पताल के अस्पताल प्रबंधक मो. जुल्ले अशरफ ने अपने स्पष्टीकरण में कहा है कि सेवा प्रदाता एजेंसी द्वारा प्रस्तुत बिलों का सत्यापन उनसे कभी नहीं कराया गया और स्थापना लिपिक द्वारा ही भुगतान से संबंधित प्रक्रिया पूरी की जाती रही। वहीं उपाधीक्षक डॉ. अनवर हुसैन ने भी स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि उनके द्वारा केवल दैनिक उपस्थिति पंजी पर हस्ताक्षर किए जाते थे, जबकि भुगतान से संबंधित बिलों का सत्यापन अस्पताल प्रबंधक द्वारा किया जाना था। फिलहाल मामले की जांच जारी है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।●

अवैध खनन पर सख्ती, 1332 छापेमारी में 288 वाहन जब्त

● **धर्मेन्द्र सिंह**

जिलाधिकारी विशाल राज और पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में खनन से प्राप्त राजस्व तथा अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता, अनुमंडल पदाधिकारी और खनिज विकास पदाधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान बताया गया कि ईंट भट्ठा मद से ध173.86 लाख, बालू मद से 1891.09 लाख रूपये, कार्य विभाग से 1484.47 लाख रूपये तथा अवैध खनन, परिवहन व भंडारण से 12 मार्च 2026 तक 445.35 लाख रूपये की वसूली की गई है। अवैध खनन के विरुद्ध अब तक 1332 छापेमारी की गई, जिसमें 288 वाहनों को जब्त किया गया तथा 12 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इस माह जब्त वाहनों के विरुद्ध 27.11 लाख रूपये की दंड राशि अधिरोपित की गई है। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 171 ईंट भट्ठों की रॉयल्टी जिला खनन कार्यालय को प्राप्त थी, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 150 ईंट भट्ठा मालिकों ने रॉयल्टी जमा की है। शेष 21 भट्ठा मालिकों को शीघ्र रॉयल्टी जमा कराने का निर्देश दिया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कुल वार्षिक राजस्व लक्ष्य

ध4909.22 लाख निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन विभागों से अब तक प्रतिवेदन प्राप्त नहीं हुआ है, वे तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। सभी प्राप्त प्रतिवेदनों को संकलित कर फरवरी माह तक की रिपोर्ट संध्या तक कम्पाइल कर भेजने तथा क्लस्टर-वार प्रतिवेदन तैयार करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान नीलाम पत्र से जुड़े 17 मामलों की भी समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस निर्गत करने, दफा-7 की कार्रवाई और वारंट निर्गत करने की अद्यतन स्थिति से अविलंब अवगत कराने का निर्देश दिया। बेलवा घाट तथा पोठिया प्रखंड के पहाड़कट्टा क्षेत्र में महानंदा नदी में हो रहे अवैध खनन पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। इस पर अवैध खनन रोकने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने तथा संभावित मार्गों की पहचान कर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने अवैध खनन के मामलों में खनन विकास पदाधिकारी को प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश देते हुए कहा कि खनन माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अवैध खनन में संलिप्त लोगों की सूची तैयार कर पुलिस के साथ साझा करने को भी कहा। समीक्षा के दौरान पुल निगम, एनएचएआई और बुडको के कोई भी प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित नहीं पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए संबंधित विभागों से स्पष्टीकरण मांगे जाने का निर्देश दिया। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत कुमार, खनिज विकास पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।●

भवन निर्माण विभाग की निविदा प्रक्रिया पर फिर उठे सवाल

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज में भवन निर्माण विभाग की निविदा प्रक्रिया एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। विभाग पर पहले कार्य करा लेने और बाद में औपचारिकता पूरी करने के लिए उसी कार्य का टेंडर निकालने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में कई संवेदकों ने जिलाधिकारी को आवेदन देकर निविदा प्रक्रिया में अनियमितता की शिकायत की है। संवेदक ओसामा रेजा, मकतूब सहित अन्य ने आरोप लगाया है कि विभाग में अक्सर पहले कार्य करा लिया जाता है और बाद में टेंडर निकालकर प्रक्रिया पूरी की जाती है। इससे विभाग के चहेते संवेदकों को पहले ही काम मिल जाता है, जबकि अन्य संवेदकों को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर तक नहीं मिल पाता। बताया गया कि भवन निर्माण विभाग की ओर से निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 37/2025-26 जारी की गई है। इसके तहत न्यायिक पदाधिकारी कॉलोनी डुमरिया में एडीजे वन व टू तथा पीओ क्वार्टर की रंगाई-पुताई और जीर्णोद्धार का कार्य प्रस्तावित है। इसके अलावा व्यवहार न्यायालय किशनगंज में सीजेएम कोर्ट के जीर्णोद्धार, रूफ ट्रीटमेंट और रिकॉर्ड रूम में स्टील रैक लगाने का कार्य भी शामिल है। साथ ही प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आवास एवं परिसर के जीर्णोद्धार तथा चहारदीवारी निर्माण का कार्य भी इसी निविदा में शामिल किया गया है। संवेदकों का आरोप है कि इन कार्यों में से कई काम पहले ही करा लिए गए हैं और बाद में निविदा निकालकर प्रक्रिया पूरी की जा रही है। उनका यह भी कहना है कि जब अन्य संवेदक टेंडर में भाग लेने के लिए बीओक्यू लेने पहुंचते हैं तो विभाग की ओर से उन्हें बीओक्यू उपलब्ध नहीं कराया जाता और बार-बार कार्यालय का चक्कर लगवाकर टालमटोल की जाती है। संवेदकों ने आशंका जताई है कि पूरी निविदा प्रक्रिया में किसी खास संवेदक को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से घालमेल किया जा सकता है। मामले के गरमाने के बाद विभाग ने निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि 06 मार्च से बढ़ाकर 24 मार्च कर दी है। गौरतलब है कि इससे पहले भी समाहरणालय परिसर में गार्ड रूम, जीर्णोद्धार कार्य तथा ऑफिसर कॉलोनी की चहारदीवारी निर्माण सहित करीब एक दर्जन मामलों में काम पूरा होने के बाद टेंडर निकालने के आरोप सामने आ चुके हैं। इस संबंध में भवन निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता कमलेश कुमार ने कहा कि उनके पास अब तक किसी प्रकार की शिकायत नहीं आई है। उन्होंने कहा कि यदि कोई शिकायत मिलती है तो मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कभी-कभी दबाव में कुछ कार्य पहले करा दिए जाते हैं और बाद में उसकी प्रक्रिया पूरी की जाती है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि किशनगंज में भवन निर्माण विभाग की टेंडर प्रक्रिया में नियम-कानूनों का सही तरीके से पालन नहीं किया जाता है, जिससे पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।●

सेवा में,
जिलाधिकारी महोदय,
किशनगंज, बिहार।

बिहार सरकार
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल किशनगंज

भवदीय,
(हस्ताक्षर)
मकतूब
दिनांक: 07.03.2026
स्थान: किशनगंज

भवदीय,
(हस्ताक्षर)
ओसामा रेजा
दिनांक: 07.03.2026
स्थान: किशनगंज

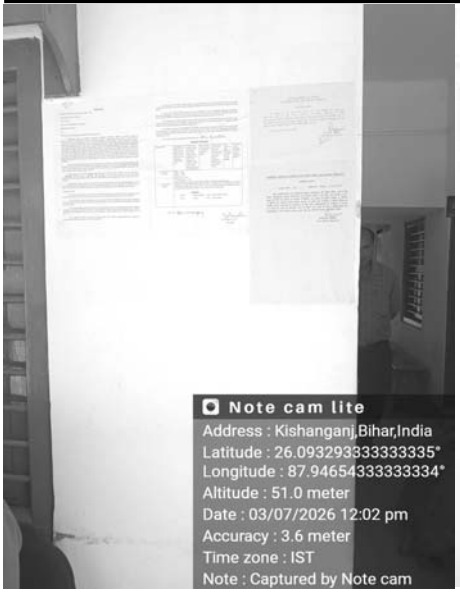

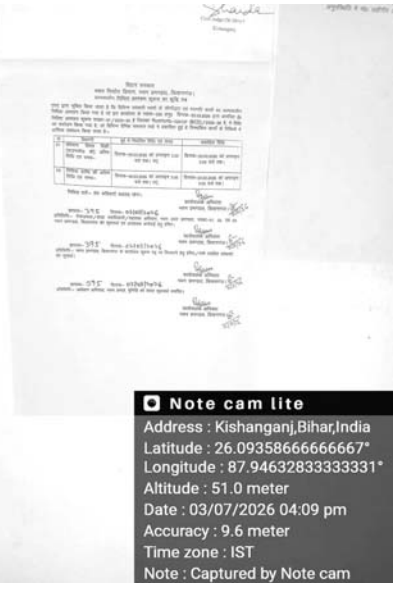

डीआईजी के मार्गदर्शन और पुलिस कप्तानों की रणनीति ने पेश की मिसाल

● रवि रंजन मिश्र

पूर्वी और पश्चिमी चंपारण सहित बगहा पुलिस जिले में होली का त्योहार पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। इस बार त्योहार के दौरान सुरक्षा की कमान सीधे तौर पर जिले के तेजतर्रार पुलिस कप्तानों के हाथों में रही, जिन्हें चंपारण रेंज के डीआईजी हरकिशोर राय का मजबूत मार्गदर्शन प्राप्त था। डीआईजी हरकिशोर राय ने पूरे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पहले ही खाका तैयार कर लिया था और उनके प्रभावी पर्यवेक्षण के कारण ही तीनों पुलिस जिलों में पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। 'मोतिहारी के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता का लोहा मनवाया है। उन्होंने जिले में शांति बनाए रखने के लिए खुद मोर्चा संभाला और अपराधियों व हुड़दंगियों के मन में पुलिस का खौफ पैदा किया। एसपी स्वर्ण प्रभात की सटीक रणनीति और तकनीक आधारित निगरानी के कारण मोतिहारी के संवेदनशील इलाकों में भी उत्साह का माहौल रहा और कहीं से भी विवाद की कोई सूचना नहीं मिली। उनकी सक्रियता

ने जिले के पुलिस बल में एक नई ऊर्जा का संचार किया', जिससे जवान चिलचिलाती धूप में भी मुस्तैदी से डटे रहे। 'वहीं बेतिया में पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए। डॉ. सुमन ने अपनी सौम्य लेकिन सख्त कार्यशैली से यह सुनिश्चित किया कि रंगों का त्योहार बिना किसी बाधा के संपन्न हो। बेतिया के चप्पे-चप्पे पर उनकी पैनी नजर रही और उन्होंने सुरक्षा के साथ-साथ आम जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित किया। उनकी योजनाबद्ध कार्यप्रणाली का ही नतीजा था कि लोग बिना किसी डर के सड़कों पर निकले और भाईचारे के साथ होली मनाई'। 'बगहा के एसपी रामानंद कौशल की सक्रियता ने भी इस अभियान को सफल बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। डीआईजी हरकिशोर राय के निर्देशों का पालन करते हुए तीनों पुलिस अधीक्षकों ने असामाजिक तत्वों पर पहले ही निरोधात्मक कार्रवाई कर दी थी। अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय और जमीनी स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग का ही परिणाम रहा कि जिला प्रशासन किसी भी अनहोनी को रोकने में पूरी तरह सफल रहा'। पुलिस की इस मुस्तैदी और कप्तानों के बेहतरीन नेतृत्व की सराहना पूरे चंपारण में हो रही है।●

एक सच्चे और अच्छे अधिकारी को केवल सच का सलाम

● रवि रंजन मिश्र

बिहार पुलिस सेवा के एक ऐसे अधिकारी, जिन्होंने अपनी एक विशिष्ट पहचान शनिडर और निष्पक्ष पुलिसिंग के दम पर बनाई है। जब बात बिहार के उन पुलिस अधिकारियों की होती है, जिन्होंने अपनी कार्यशैली से यह साबित किया है कि 'पद' से बड़ा 'कर्तव्य' होता है, तो हर किशोर राय जी का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है।

❖ **प्रमुख गौरवपूर्ण उपलब्धियाँ और योगदान:-**

☞ **2011 बैच का कर्मठ आईपीएस :-** हर किशोर राय जी अपनी कार्यकुशलता और प्रशासनिक समझ के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने बिहार के कई संवेदनशील जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य करते हुए कानून-व्यवस्था की जो नजीर पेश की, वह आज भी एक उदाहरण है।

☞ **अपराध और अपराधियों पर अंकुश :-** उन्हें एक ऐसे अधिकारी के रूप में जाना जाता है जो अपनी तैनाती वाले क्षेत्रों में अपराधियों को पनाह नहीं देते। उनकी छापेमारी और त्वरित कार्रवाई की शैली ने कई बड़े गिरोहों की कमर तोड़ दी।

☞ **जन-सुलभ पुलिसिंग :-** कड़क मिजाज

के बावजूद, हर किशोर राय जी आम जनता की समस्याओं के प्रति बेहद संवेदनशील रहे हैं। उन्होंने हमेशा यह सुनिश्चित किया कि कोई भी फरियादी उनके पास से निराश न लौटे। उनका यह मानवीय दृष्टिकोण पुलिस-जनता के बीच की दूरियों को कम करने में सहायक रहा है।

☞ **साफ-सुथरी छवि :-** पुलिस सेवा में रहकर, जहाँ कई बार राजनीतिक और अन्य दबाव होते हैं, वहाँ अपनी निष्पक्ष छवि को बरकरार रखना एक बड़ी चुनौती होती है। हर किशोर राय जी ने हमेशा 'कानून का राज' को ही सर्वोपरि रखा है।

☞ **टीम का कुशल नेतृत्व :-** वे अपने अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों के लिए एक बेहतरीन लीडर हैं। वे अपनी टीम को फ्रंट पर रहकर निर्देश देने और उनकी हौसला-अफजाई करने के लिए जाने जाते हैं।

'पुलिसिंग का असली सार केवल अपराधियों को सजा दिलाना नहीं, बल्कि उस समाज को निडर बनाना है, जहाँ हर नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस करे।' हर किशोर राय जी की कार्यशैली इसी दर्शन का प्रमाण है।

❖ **संक्षिप्त आंकड़े :-**

☞ **पहचान :-** 2011 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी।

☞ **विशेषता :-** सख्त अनुशासन, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता, निष्पक्ष कार्यशैली, मानवीय दृष्टिकोण।

☞ **योगदान :-** संगठनात्मक सुधार, अपराध नियंत्रण, संवेदनशील क्षेत्रों में शांति स्थापना।

☞ **विरासत :-** एक ऐसे अधिकारी के रूप में जिन्होंने 'ईमानदार पुलिसिंग' की साख को और मजबूत किया।

हर किशोर राय जैसे अधिकारी न केवल बिहार पुलिस का गौरव हैं, बल्कि वे उस नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं जो वर्दी को एक 'मिशन' मानकर सेवा करना चाहती है। ●

वाल्मीकिनगर एयापोर्ट विकास के लिए टेंडर जारी

● रवि रंजन मिश्र

बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने कहा कि एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने वाल्मीकिनगर एयरपोर्ट के विकास और उन्नयन यानि अपग्रेडेशन के लिए ईपीसी मोड पर ई-टेंडर जारी किया है। यह टेंडर मौजूदा एयरपोर्ट को कोड-2बी श्रेणी के विमानों के संचालन के अनुरूप विकसित करने के लिए जारी किया गया है। परियोजना की अनुमानित लागत 38.64 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। निर्माण कार्य की अवधि 11 महीने तय की गई है। एएआई द्वारा जारी टेंडर के अनुसार परियोजना के तहत प्री-फैब्रिकेटेड स्टील स्ट्रक्चर टर्मिनल भवन, प्री-इंजीनियर्ड एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर, प्री-इंजीनियर्ड फायर स्टेशन तथा अन्य संबंधित बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य वाल्मीकिनगर एयरपोर्ट को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना और क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मजबूत बनाना है। उपमुख्यमंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राज्य में हवाई संपर्क और आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है. अभी हाल में ही मुजफ्फरपुर में निर्माणाधीन हवाईअड्डे के रनवे के निर्माण के लिए भी 43 करोड़ 13 लाख रुपये की टेंडर जारी किया गया है। और अब एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा वाल्मिकी नगर एयरपोर्ट के विकास और उन्नयन के लिए टेंडर जारी किया गया है। उन्होंने कहा-वाल्मीकिनगर एयरपोर्ट के विकास से बेतिया, मोतिहारी, गोपालगंज समेत उत्तर बिहार और सीमावर्ती क्षेत्रों में हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए ये बड़ा कदम है. इससे क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी इस महत्वपूर्ण परियोजना के बारे में जनता को अपडेट किया और इसके विवरण को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग पर साझा किया।●

लेडी सिंघम अंदाज में कार्रवाई : एसडीएम

● रवि रंजन मिश्र

बगहा अनुमंडल में घरेलू गैस की कालाबाजारी के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। अनुमंडल पदाधिकारी (SDM) श्रीमती चांदनी कुमारी के नेतृत्व में होटलों और रेस्टोरेंटों में छापेमारी अभियान चलाया गया। इस संयुक्त कार्रवाई में प्रखंड आपूर्ति निरीक्षक बगहा-1 श्रीमती प्रतिमा कुमारी भी मौजूद रहीं। छापेमारी के दौरान कई दुकानों और होटलों में घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध उपयोग पाया गया। जांच में बगहा-1 क्षेत्र से 6 तथा बगहा-2 क्षेत्र से 11, कुल 17 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। जब्त किए गए सिलेंडरों की कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें रूबी गैस एजेंसी को जिम्मेनामा बनाकर सौंप दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी चांदनी कुमारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन दुकानदारों द्वारा घरेलू गैस सिलेंडर का अवैध उपयोग किया जा रहा है, उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बगहा अनुमंडल में उनकी यह सख्त कार्रवाई प्रशासनिक हलकों के साथ-साथ आम लोगों के बीच भी चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एसडीएम चांदनी कुमारी के पदभार संभालने के बाद से बगहा अनुमंडल में प्रशासनिक सक्रियता और पारदर्शिता स्पष्ट रूप से बढ़ी है।उनकी कार्यशैली को लोग "लेडी सिंघम मॉडल" की तरह देख रहे हैं, जहां कानून के उल्लंघन पर तुरंत और सख्त कार्रवाई की जा रही है। घरेलू गैस की कालाबाजारी पर की गई यह कार्रवाई आम उपभोक्ताओं के हित में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। प्रशासन ने संकेत दिया है कि आगे भी ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे, ताकि गरीब और आम उपभोक्ताओं के लिए निर्धारित घरेलू गैस का दुरुपयोग न हो सके।●

बेतिया एस.पी. ने थानाध्यक्षों का किया तबादला

● रवि रंजन मिश्र

पश्चिम चम्पारण के बेतिया में अपराध नियंत्रण और विधि व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक शौर्य सुमन ने जिले के पुलिस महकमे में महत्वपूर्ण फेरबदल किया है। चम्पारण क्षेत्र के पुलिस उप-महानिरीक्षक के अनुमोदन के बाद जारी इस सूची में कई थानाध्यक्षों और पुलिस पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस फेरबदल के तहत 2024 बैच के प्रशिक्षु सहायक पुलिस अधीक्षक कार्तिकेयन ए.के. को योगापट्टी थाने का थानाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक सन्नी दयाल को मैनाटांड़ थाने की कमान दी गई है। इसी क्रम में पुलिस निरीक्षक धीरज कुमार को नगर थाने का थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, वहीं नगर थाने के पूर्व थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह को प्रभारी तकनीकी शाखा के साथ-साथ योगापट्टी अंचल के पर्यवेक्षी पदाधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अन्य प्रमुख बदलावों में अभिराम सिंह को योगापट्टी से हटाकर पुलिस केंद्र भेजा गया है और उनकी जगह ध्रुव नारायण को योगापट्टी का अपर थानाध्यक्ष बनाया गया है। जगदीशपुर थाने की जिम्मेदारी अब निशी कुमारी को मिली है, जबकि पूर्व थानाध्यक्षा सौरभ कुमार को पुलिस केंद्र स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके अलावा मैनाटांड़ के थानाध्यक्ष शंभु शरण गुप्ता को भी हटाकर पुलिस केंद्र, बेतिया भेजा गया है। एसपी शौर्य सुमन द्वारा किए गए इस बड़े बदलाव को जिले में सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने और कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।●

पदस्थापन

पुलिस अधीक्षक, प० चम्पारण बेतिया के द्वारा अपराध नियंत्रण एवं विधि व्यवस्था के दृष्टिकोण से बेहतर उपयोगिता के आधार पर पुलिस उप-महानिरीक्षक महोदय, चंपारण क्षेत्र बेतिया के अनुमोदन उपरांत थानाध्यक्षों का किया गया पदस्थापन :-

क्रम सं०	पुलिस पदाधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापन	नव पदस्थापन
01	श्री कार्तिकेयन ए०के०, भा०पु०से० (2024 बैच) परिक्ष्यमान सहायक पुलिस अधीक्षक	पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, पश्चिम चम्पारण बेतिया।	थानाध्यक्ष, योगापट्टी थाना।
02	श्री सन्नी दयाल, परिक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक (65 वी बैच)	पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, पश्चिम चम्पारण बेतिया।	थानाध्यक्ष, मैनाटांड थाना।
03	पु०नि० धीरज कुमार	पर्यवेक्षी पदाधिकारी, योगापट्टी अंचल।	पु०नि०-सह-थानाध्यक्ष, नगर थाना।
04	पु०नि० मनोज कुमार सिंह	पु०नि०-सह-थानाध्यक्ष, नगर थाना।	प्रभारी तकनीकी शाखा, प० चम्पारण बेतिया। अतिरिक्त प्रभार- पर्यवेक्षी पदाधिकारी, योगापट्टी अंचल।
05	पु०नि० अभिराम सिंह	थानाध्यक्ष, योगापट्टी थाना।	पुलिस केन्द्र, बेतिया।
06	पु०नि० ध्रुव नारायण	पुलिस केन्द्र, बेतिया।	अपर थानाध्यक्ष, योगापट्टी थाना।
07	पु०अ०नि० सौरभ कुमार	थानाध्यक्ष, जगदीशपुर थाना।	पुलिस केन्द्र, बेतिया।
08	पु०अ०नि० निशी कुमारी	महिला थाना।	थानाध्यक्ष, जगदीशपुर थाना।
09	पु०अ०नि० शंभु शरण गुप्ता	थानाध्यक्ष, मैनाटांड थाना।	पुलिस केन्द्र, बेतिया।

बेतिया पुलिस अपराध नियंत्रण एवं विधि व्यवस्था संधारण में सर्वोत्कृष्ट के लिए सदैव तत्पर।

BettiahPoliceWC bettiahpolice @Bettiah_Police

उप विकास आयुक्त ने किया राधेश्याम उच्च विद्यालय का निरीक्षण

● रवि रंजन मिश्र

उप विकास आयुक्त द्वारा राधेश्याम उच्च विद्यालय परसौनी प्रखंड बगहा 1 में औचक निरीक्षण के दौरान पाया गया कि विद्यालय संचालन की स्थिति संतोष पूर्ण नहीं है, विद्यालय में गंदगी पाई गई निरीक्षण के दौरान पाया गया कि स्मार्ट क्लास संचालित नहीं है तथा पुस्तकालय की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है, इस हेतु उप विकास आयुक्त द्वारा प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण पूछते हुए वेतन अवरुद्ध करने का निर्देश दिया गया, इस परिसर में स्थित राजकीय मध्य विद्यालय परसौनी का भी निरीक्षण किया गया, वहां भी स्वच्छता का अभाव पाया गया तथा प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया गया, दोनों विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया गया कि डस्टबिन का प्रयोग किया जाए जिससे गंदगी नहीं फैले।●

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में एसआईटी की बड़ी कार्रवाई

● रवि रंजन मिश्र

बगहा में 9 मार्च 2026 को धनहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक नाबालिग बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घटना की गंभीरता और मामले की संदिग्धता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, बगहा के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया था। इस विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश सीमा के पास स्थित बरवा शिव मंदिर के समीप से मुख्य आरोपी गोपाल राम को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला है और उसने पुलिस के समक्ष अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। फिलहाल पुलिस अधिकारियों और एफएसएल (FSL) की टीम आरोपी के विरुद्ध वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने में लगी है ताकि मामले को मजबूती से अदालत में पेश किया जा सके। पुलिस प्रशासन का कहना है कि आरोपी के खिलाफ जल्द ही आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल की जाएगी और त्वरित विचारण (स्पीडी ट्रायल) के माध्यम से उसे कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी।●

विशेष निगरानी विभाग की बड़ी कार्रवाई

● रवि रंजन मिश्र

पश्चिम चंपारण के बेतिया में शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ विशेष निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। जिला शिक्षा परियोजना, बेतिया के सहायक अभियंता रोशन कुमार को 5 लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है कि 57 लाख रुपये के एक टेंडर में 10 प्रतिशत कमीशन की मांग की गई थी। आरोप है कि विभिन्न विद्यालयों में पंप लगाने और जीर्णोद्धार कार्यों के बिल पारित करने के एवज में रिश्वत मांगी जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद विशेष निगरानी गोपनीय टीम ने जांच की, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक बिंदेश्वर प्रसाद और सुधीर कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर जाल बिछाया गया। पूर्व निर्धारित योजना के तहत आरोपी को 5 लाख रुपए और एक स्मार्ट वॉच के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद विधिसम्मत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस घटना से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है और जिला शिक्षा कार्यालय के बाहर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने विभागीय कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की। बता दे कि कुछ दिन पूर्व इसी शिक्षा कार्यालय से जुड़े एक शिक्षा पदाधिकारी रजनीकांत प्रवीण के आवास पर छापेमारी में करोड़ों रुपए बरामद हुए थे।●

पुलिस अधीक्षक ने की अपराध गोष्ठी

● रवि रंजन मिश्र

चम्पारण के बेतिया पुलिस केंद्र स्थित पुलिस सभागार में पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस बैठक में पुलिस उपाधीक्षक (साइबर क्राइम), सदर-01 एवं नरकटियागंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित सभी अंचल निरीक्षक और थानाध्यक्ष शामिल हुए। समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कांडों के पर्यवेक्षण में तेजी लाने और थाना क्षेत्रों में दिन व रात की गश्ती को अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतत वाहन जांच अभियान चलाया जाए और विशेषकर वाहन चोरी के मामलों का जल्द से जल्द उद्भेदन किया जाए। बैठक में शराब तस्करों के खिलाफ अभियान को और तेज करने तथा विभिन्न मामलों में फरार चल रहे वारंटी अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी के लिए विशेष रणनीति बनाने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक ने पासपोर्ट और चरित्र सत्यापन, सूचना का अधिकार तथा प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त जनशिकायतों के आवेदनों का त्वरित निष्पादन करने का आदेश दिया। पुलिस अधीक्षक ने सभी थानाध्यक्षों को हिदायत दी कि वे अपने क्षेत्रों की जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य करें ताकि अपराध नियंत्रण में आमजन का सहयोग मिल सके।●

साइबर ठगी के मामले में दो शातिर अपराधी गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक संगठित ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। जानकारी अनुसार पुलिस ने 3 लाख 9 हजार 922 रुपये की साइबर ठगी के मामले में दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 98 हजार रुपये नकद, एक कार, 11 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक वाई-फाई राउटर, दो इलेक्ट्रॉनिक मशीन, एक एलसीडी, दो एटीएम कार्ड, एक आधार कार्ड, एक पर्स और ठगी की रकम निकालते समय पहनी गई शर्ट बरामद की गई है। दरअसल, यह मामला 9 सितंबर 2025 का है। जानकारी अनुसार आरा नगर थाना क्षेत्र के अबरपुल निवासी सुबोध कुमार ने भोजपुर साइबर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित के अनुसार, उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल

आया, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को निर्वाचन विभाग का अधिकारी बताया और बीएलओ से संबंधित कार्य की जानकारी मांगी। इसके बाद ओटीपी हासिल कर अलग-अलग किस्तों में उनके बैंक खाते से 3,09,922 रुपये की अवैध निकासी कर ली गई। शिकायत के बाद भोजपुर साइबर थाना में सनहा दर्ज कर जांच शुरू की गई और बाद में कांड संख्या 54/25 के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर साइबर थाना प्रभारी सह डीएसपी स्नेह सेतु के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने मनी ट्रेल, केवाईसी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया। जांच में सामने आया कि अपराधियों ने बैंक खातों से जुड़े मोबाइल नंबर पोर्ट कराए थे और यूपीआई के माध्यम से एटीएम से पैसे निकाले जा रहे थे। डीएसपी ने बताया कि आरोपी बार-बार मोबाइल नंबर और आईएमईआई बदलते थे, लेकिन तकनीकी निगरानी के जरिए उनकी लोकेशन ट्रेस कर नवादा जिले से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हिसुआ थाना क्षेत्र के मंझवे गांव निवासी विकास कुमार और विशाल कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि वे खुद को कृषि या निर्वाचन विभाग का अधिकारी बताकर लोगों को कॉल करते थे और सिम पोर्ट कराकर ठगी की रकम निकालते थे। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है।●

लाइट फुट ओवर ब्रिज का काम फिर रुका

● गुड्डू कुमार सिंह

दानापुर-पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेलखंड पर स्थित आरा जंक्शन के पूर्वी रेलवे गुमटी के ऊपर प्रस्तावित लाइट फुट ओवर ब्रिज के निर्माण पर एक बार फिर ग्रहण लगता नजर आ रहा है। रेलवे द्वारा इस पुल को 4 जनवरी 2026 से चालू करने का लक्ष्य तय किया गया था, जिसके तहत निर्माण कार्य भी शुरू किया गया था। लेकिन अचानक काम रोक दिए जाने से न सिर्फ निर्माण प्रक्रिया ठप पड़ गई है, बल्कि स्थानीय लोगों की उम्मीदों पर भी पानी फिर गया है। यह रेलखंड बेहद व्यस्त माना जाता है, जहां से सैकड़ों की संख्या में रेलगाड़ियां दिन-रात गुजरती हैं। गुमटी के बंद रहने और फुट ओवर ब्रिज का निर्माण अधूरा होने के कारण लोग मजबूरी में रेलवे ट्रैक पार कर आने-जाने को विवश हैं। हर दिन बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं जान जोखिम में डालकर पटरी पार करते नजर आते हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है। इस समस्या से सैकड़ों गांवों की हजारों की आबादी सीधे तौर पर प्रभावित हो रही है। लोगों का कहना है कि फुट ओवर ब्रिज का काम शुरू होते ही उन्हें उम्मीद जगी थी कि अब जल्द ही सुरक्षित रास्ता मिल जाएगा और रोजमर्रा की परेशानी खत्म होगी।

लेकिन एक बार फिर काम रुक जाने से लोगों में गहरा आक्रोश है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मजबूरी में उन्हें खतरा मोल लेकर रेलवे ट्रैक पार करना पड़ता है।●

व्यस्त पुलिस अधीक्षक के कर्तव्यनिष्ठ अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी

● बिन्ध्याचल सिंह

'जस दुल्ह तस बने बराता' उपयुक्त वाक्य बक्सर जिला में स्थित डुभा गॉव निवासी गायक श्री गायत्री कुमार ठाकुर ने अपनी प्रोग्राम के दौरान षिव-विवाह प्रसंग में अक्सर कहते थे। परन्तु उद्धत वाक्य जिला पुलिस प्रषासन बक्सर पर भी सटीक बैठती है। प्रिय पाठकगण जानकारी के लिये बताते चले कि ब्यूरो, केवल सच बक्सर वर्ष-2024 से पुलिस अधीक्षक बक्सर से मिलने के लिये कार्य दिवस में कार्यालय पर दस्तक देते आ रहे है परन्तु पुलिस अधीक्षक की व्यस्तता की वजह से खबर लिखे जाने तक मुलकात नही हुई है। पुलिस अधीक्षक बक्सर से कार्य अवधि में मिलने के लिये अपनी प्रेस का कार्ड उपस्थित जवान के माध्यम से पुलिस अधीक्षक महोदय तक पहुॅचा दी जाती है, परन्तु प्रतिनिधि के पास इस की प्रमाण नही है कि कार्ड महोदय तक पहुॅची या नही। परन्तु इतना विश्वास है कि विगत 10-12 वर्षो से ऐसा कोई जवान नही मिले जो महोदय तक कार्ड नही पहुॅचाये हो। वैसे पुलिस अधीक्षक महोदय को व्हास्ट्एप के माध्यम से भी मिलने की इच्छा जाहिर की जा चुकी है। जानकारी के लिये बताते चले कि प्रतिनिधि न्यूनतम 10 मिनट से अधिकतम 25 मिनट से ज्यादा समय तक इंतजार नही कर सके है। 29 अगस्त 2024 से खबर लिखे जाने तक पुलिस अधीक्षक से मुलकात नही हो पायी है। जबकि 29 अगस्त, 14 सितम्बर, 09 अक्टुबर वही वर्ष-2025 में 22जनवरी, 10 नवम्बर 15 दिसम्बर को कार्यालय पर दस्तक दे चुके है फिर भी पुलिस अधीक्षक से मुलकात न हो सकी। जबकि पदाधिकारी महोदय की उपस्थिति थी और व्यस्त थे। वैसे केवल सच प्रतिनिधि से पुलिस अधीक्षक से अभी तक केवल दो बार ही मुलकात हो सकी है। पहला- जब बक्सर की पदभार सम्भालने के बाद, शिष्टाचार मुलकात हुई है जबकि दूसरा-प्रेसवर्ता में।

पुलिस अधीक्षक से विभित्र कांडो से सम्बन्धित मिलने की कोशिश की जा रही है :-

❖ पुलिस उप महानिरीक्षक का कार्यालय, शाहाबाद क्षेत्र, डिहरी ऑन-सोन का ज्ञापांक-3088, जिसमें पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, बक्सर के कई ज्ञापांक और पत्रांक है :-

☞ आर्दश नगर थाना, बक्सर के कांड संख्या-473/2025

❖ चन्दन के पेड़ की चोरी से सम्बन्धित जानकारी :-

☞ कांड संख्या-5793007340663/2024

☞ कांड संख्या-5795007240444/2024

ऐसे कई जानकारी थी परन्तु अफसोस पुलिस अधीक्षक व्यस्त रहते है। अनुमंण्डल पुलिस पदाधिकारी बक्सर की कर्तब्यनिष्ठता की बात की जाय तो जिला पुलिस प्रषासन बक्सर के इतिहास में प्रथम अनुमंण्डल पुलिस पदाधिकारी है जिसके कार्यकाल में चोरो ने चन्दन की लकडी ही नही बल्कि पुरे पेड ही चोरा कर ले गये। जानकारी के लिये बताते चले कि अनुमंण्डल पुलिस पदाधिकारी, बक्सर गौरव पाण्डेय जबकि पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य हैं।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

प्रदेश भाजपा ने किया विजयी प्रत्याशियों को सम्मानित

● गुड्डी साव

प्रदेश भाजपा द्वारा 8 मार्च को प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू की अध्यक्षता में चिरौंदी रांची स्थित गीतांजलि बैंक्वेट हॉल में नव निर्वाचित निकाय जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रांची, मेदिनीनगर और आदित्यपुर नगर निगम के विजयी महापौर, लोहरदगा,गुमला,मिहिजाम और चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष, खूंटी, लातेहार, डोमचांच, जामताड़ा, महगामा नगर पंचायत के अध्यक्ष सहित 387 पार्षद गण शामिल हुए जिसमें बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री एवम सांसद अरुण सिंह प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ,पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित पार्टी के सांसद विधायकगण ने अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री सहित सभी नेतागण ने हॉल में पुष्प वर्षा कर जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया। 8 मार्च को महिला दिवस के अवसर पर सभी मंचस्थ नेतागण ने महिला जन प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं और बधाई भी दी। मंच संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने और धन्यवाद ज्ञापन रांची पूर्वी जिला अध्यक्ष धीरज महतो ने किया। अतिथियों का स्वागत विवेकानंद सिंह,जितेंद्र वर्मा,सुनील साहू, बलराम सिंह, सागर उरांव, हरिकृष्ण प्रधान, नरेंद्र सिंह, सरिता मुर्मू, संजीव बावला, मनीर उरांव, अमित तिवारी, वंशी यादव आदि ने किया।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू ने सभी जनप्रतिनिधियों को जीत की बधाई शुभकामनाएं दी। साहू ने कहा कि सभी जन प्रतिनिधि पार्टी के विचारों, नीतियों, कार्यक्रमों को जन तक पहुंचाने हेतु, गरीब, झुग्गी झोपड़ियों तक विकास की योजनाओं को शत प्रतिशत पहुंचाने के लिए अपने अपने नगर निकाय के नरेंद्र मोदी बने। झारखंड में संपन्न निकाय चुनाव भाजपा के संघर्षों और न्यायालय के दबाओं का परिणाम है अन्यथा राज्य सरकार निकाय चुनाव कराना ही नहीं चाहती थी। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव के परिणाम भाजपा के पक्ष में हैं। और आगे भी यह जीत का सिलसिला रुकना नहीं चाहिए।

आदिवासी, दलित, महिला, युवा विरोधी सरकार को हटाकर ही हम चौन से बैठेंगे। झारखंड में नया सबेरा लाना अभी बाकी है। निकाय चुनाव परिणाम ने अंगड़ाई ली है। कहा कि आज झारखंड में चाहे बुनियादी सुविधाओं के विकास हों या गरीब कल्याण की योजनाएं सभी मोदी सरकार की देन है। हेमंत सरकार

केवल लूट भ्रष्टाचार और घोटालों में व्यस्त है। अपराधियों का मनोबल सिर चढ़कर बोल रहा है। व्यापारियों की दिन दहाड़े हत्याएं हो रही। आम खास कोई सुरक्षित नहीं है। निकाय चुनाव में भी अधिकारियों, पुलिस प्रशासन के बल पर भाजपा के जीते हुए प्रत्याशियों को हराया है उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि भाजपा का राज्य सरकार के खिलाफ संघर्ष और तेज होगा। पार्टी सड़क से सदन तक चुप नहीं बैठेगी। राष्ट्रीय महामंत्री सांसद अरुण सिंह ने कहा कि निकाय चुनाव में नगरीय क्षेत्र की जनता ने राज्य सरकार को करारी चोट दी है। जनता भाजपा समर्थित उम्मीदवारों के पक्ष में खड़ी रही। और पार्टी चुनाव चिन्ह और निकाय चुनाव होते तो राज्य की सत्ताधारी ठगबंधन का सूफडा साफ हो जाता।

राज्य सरकार ने डर के कारण दलीय आधार पर चुनाव नहीं कराए। देश भर में मेयर के चुनाव दलीय आधार पर होते हैं लेकिन झारखंड में डरी सहमी सरकार हिम्मत नहीं जुटा पाई। पुलिस प्रशासन के दुरूपयोग के लिए बैलेट से चुनाव कराए। झारखंड में अगली सरकार भाजपा की बनेगी। जनता भ्रष्ट निकम्मी हेमंत सरकार से ऊब चुकी है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की जनता भी कमल खिलाने को तैयार हैं। झारखंड के कार्यकर्ताओं का प्रयास बंगाल में भी शुभ परिणाम लेकर आएगा। कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है,पार्टी के पास विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। हमें जनता के विश्वास को सेवा के बल पर बार बार जीतना है। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि निकाय चुनाव के नव निर्वाचित जन प्रतिनिधि गवर्नेंस का नया मॉडल खड़ा करें।विकास को तेजी से धरातल पर उतारें। कहा कि जनप्रतिनिधियों का यह प्रयास विकास का नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। भारत के भविष्य को सुनिश्चित करेगा। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा। अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने बधाई शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुमला, लोहरदगा, खूंटी जैसे क्षेत्रों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की जीत भाजपा के मजबूत जनाधार का परिणाम है। कार्यकर्ताओं के प्रयास ने सुखद परिणाम दिए हैं। उन्होंने जनता का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री संजय सेठ, मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल, विधायक सीपी सिंह, उज्जवल दास सहित पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यदुनाथ पांडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, आरती कुजूर, दीपक बंका, हेमंत दास सहित प्रदेश पदाधिकारी जिलाध्यक्ष गण उपस्थित थे।●

झारखण्ड पुलिस को सौंपे गये 1485 आधुनिक वाहन

● गुड्डी साव

राज्य में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने 13 मार्च को झारखंड विधानसभा परिसर, रांची में आयोजित एक समारोह में झारखंड पुलिस को कुल 1,485 आधुनिक वाहनों का वितरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों में स्थापित होने वाले 12 नए थानों का ऑनलाइन शिलान्यास भी किया। उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर इन नए थानों की आधारशिला रखी और हरी झंडी दिखाकर पुलिस के लिए आवंटित वाहनों को रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न श्रेणियों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक शांति, कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारी पुलिस की है। इन्हें सुदृढ़ करने के लिए आधुनिक वाहनों का यह लोकार्पण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज होगा। उन्होंने कहा कि नए वाहनों की उपलब्धता से पुलिस बल की गतिशीलता, प्रतिक्रिया क्षमता और क्षेत्रीय निगरानी में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण संभव हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अपराध नियंत्रण, नागरिक सुरक्षा और पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन आधुनिक वाहनों और नए थानों की उपलब्धता से पुलिस की कार्यक्षमता, प्रतिक्रिया समय तथा क्षेत्रीय निगरानी तंत्र में गुणात्मक सुधार होगा, जिससे आम जनता को त्वरित एवं विश्वसनीय सुरक्षा सेवाएं सुनिश्चित की जा सकेंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में राज्य में बेहतर निगरानी व्यवस्था विकसित होगी और अपराधी अपराध करने से पहले सौ बार सोचने को मजबूर होंगे।

राज्य गठन के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में आधुनिक वाहनों का बेड़ा झारखंड पुलिस को एक साथ उपलब्ध कराया जा रहा है। यह 25 वर्ष पूरे कर चुके झारखंड के सफर में पुलिस आधुनिकीकरण की दिशा में एक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक से लैस वाहनों और संसाधनों के माध्यम से पुलिस विभाग अपने कार्य के नए आयामों को छूने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में घटित घटनाओं को लेकर झारखंड पुलिस ने कई मामलों में त्वरित एवं सार्थक कार्रवाई की है, जिससे जनता का विश्वास मजबूत हुआ है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने हाल ही में घटित एक जघन्य घटना का उदाहरण देते हुए कहा कि धुर्वा थाना क्षेत्र अंतर्गत दो नाबालिग बच्चों के अपहरण के मामले में झारखंड पुलिस की तत्परता और ईमानदार प्रयासों के परिणामस्वरूप बच्चों को शीघ्रता से बरामद किया गया तथा अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय बच्चा चोर गिरोह का पर्दाफाश भी किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे उदाहरण यह दर्शाते हैं कि झारखंड पुलिस नई तकनीक और नवाचार के साथ अपराध रोकथाम की दिशा में प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से अपेक्षा की कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सकारात्मक सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पुलिस के साथ-साथ हम सभी नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि समाज में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर

अंकुश लगाने के लिए जागरूकता बढ़ाएं, समय पर सूचना दें तथा पुलिस के साथ समन्वित सहयोग स्थापित करें। उन्होंने कहा कि जनता और पुलिस के बीच विश्वास, संवाद तथा सहयोग की कड़ी जितनी मजबूत होगी, राज्य की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था उतनी ही सुदृढ़ होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि वे निष्ठा, ईमानदारी तथा संवेदनशीलता के साथ राज्य की सेवा में अपना योगदान देंगे। समारोह में उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वे निष्ठा, संवेदनशीलता और तत्परता के साथ जनसेवा को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करें तथा कमजोर और वंचित वर्गों की सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दें।

झारखंड पुलिस के लिए राज्य सरकार द्वारा कुल 1255 पेट्रोलिंग वाहन और 1697 दोपहिया वाहनों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन स्वीकृत वाहनों में से प्रथम चरण में 636 पेट्रोलिंग वाहन तथा 849 दोपहिया वाहन विभिन्न जिलों एवं पुलिस थानों को आवंटित किए जा रहे हैं। यह आधुनिक वाहन बेड़ा गश्ती, क्विक रिस्पॉन्स, ग्रामीण क्षेत्रों में गश्त, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी और आपराधिक गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।●

नवचेतना नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ

● गुड्डी साव

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड और प्रभात खबर की संयुक्त पहल से समाज को नशे की बुराई से मुक्त करने तथा लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 11 मार्च, को नवचेतना अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना, युवाओं को इसके दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना तथा एक स्वस्थ एवं नशामुक्त वातावरण के निर्माण के लिए लोगों को प्रेरित करना है। इस अवसर पर सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह, निदेशक वित्त पवन कुमार मिश्रा, निदेशक मानव संसाधन हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक तकनीकी संचालन चंद्र शेखर तिवारी, निदेशक योजना एवं परियोजना अनुप हंजुरा, प्रभात खबर ग्रुप के कार्यकारी निदेशक आर. के. दत्ता, उपाध्यक्ष विजय बहादूर एवं सीनियर रेजिडेंट एडिटर विजय पाठक ने हरी झंडी दिखाकर नवचेतना रथ को रवाना किया। यह रथ झारखंड के विभिन्न गांवों में जाकर नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने का कार्य करेगा।

कार्यक्रम में सीसीएल के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीएमडी, सीसीएल ने नशे के विरुद्ध सभी को शपथ दिलाई और उपस्थित लोगों, विशेषकर महिलाओं से, नशे के खिलाफ इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएमडी, सीसीएल निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि समाज को नशे की बुराई से मुक्त करने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा किसी भी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि एक गलत और घातक रास्ता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा में नशे का कहीं कोई स्थान नहीं है, इसलिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर इस बुराई के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। वहीं, प्रभात खबर के कार्यकारी निदेशक आर. के. दत्ता ने कहा कि सीसीएल के साथ नशे के खिलाफ शुरू किया गया "नवचेतना" अभियान एक सराहनीय पहल है। सीसीएल के साथ मिलकर शुरू किया गया यह प्रयास निश्चित रूप से समाज में जागरूकता फैलाने और युवाओं को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं, सीसी एंड पीआर विभाग के विभागाध्यक्ष श्री आलोक कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के अंतर्गत सीसीएल नशे से प्रभावित गांवों में विशेष जागरूकता शिविर, मेडिकल कैंप आयोजित करेगी। इसके साथ ही स्कूलों, कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में भी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। पॉडकास्ट के माध्यम से विशेषज्ञों द्वारा नशापान की बुराइयों तथा इसे छोड़ने के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। पेंटिंग प्रतियोगिता जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे जागरूकता फैल सके।

सीसीएल और प्रभात खबर ग्रुप द्वारा शुरू किया गया यह अभियान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो लोगों को जागरूक कर नशामुक्त समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा। सीसीएल अपने सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह के नेतृत्व में कोयला खनन के साथ-साथ सीएसआर, कल्याण, खेल एवं अन्य सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से श्रमिकों, ग्रामीणों एवं हितधारकों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।●

राष्ट्रपति के अपमान को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश

● गुड्डी साव

भा दिवासी समाज की बेटी महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ हुआ ममता बनर्जी का व्यवहार बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण। भाजपा एसटी मोर्चा राँची महानगर द्वारा 8 मार्च को फिरायालाल चौक पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन कर टीएमसी सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अपमान पर टीएमसी सरकार की कड़ी आलोचना की। इस अवसर पर एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने कहा कि देश की राष्ट्रपति के साथ हुआ व्यवहार बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। यह न केवल देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान है, बल्कि पूरे आदिवासी समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य भी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल

सम्मेलन में शामिल होने सिलीगुड़ी के फांसीदेवा पहुंची थीं, लेकिन तय प्रोटोकॉल के बावजूद पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से मुख्यमंत्री या कोई मंत्री कार्यक्रम में मौजूद नहीं था। इतना ही नहीं, कार्यक्रम स्थल भी छोटा होने के कारण बड़ी संख्या में लोग सम्मेलन में शामिल नहीं हो सके, जिस पर राष्ट्रपति ने भी नाराजगी जताई। समीर उरांव ने कहा कि यह घटना टीएमसी सरकार की मानसिकता को दर्शाती है, जो आदिवासी समाज के सम्मान और देश की संवैधानिक मर्यादाओं की लगातार अनदेखी कर रही है। भाजपा इस तरह के अपमान को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगी और राज्य सरकार से इस पर जवाब और माफी की मांग करती है। इस विरोध प्रदर्शन में आरती कुजूर, अशोक बड़ाइक, रवि मुंडा, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, राजू सिंह, संजय टोप्पो, अजीत कच्छप, नरेश पाहन, संजीव चौधरी, बालसाय महतो, गुंधरा उरांव, आनंद वर्मा, अशोक मिश्रा, रणधीर सिंह, कुंदन सिंह, सुभाष अग्रवाल, राम लगन राम, शंकर करमाली सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।●

सीएम सोरेन ने दी महिला दिवस की शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में 9 मार्च को झारखंड विधानसभा की महिला सदस्यों ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी सदस्यों को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उपस्थित सभी महिला सदस्यों को सम्मानित किया और राज्य के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अनेक योजनाएँ संचालित कर रही है। इस दौरान विधानसभा की महिला सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दीं और राज्य में महिलाओं के उत्थान, सुरक्षा तथा सशक्तिकरण से संबंधित विषयों पर अपने सुझाव साझा किए।● **रिपोर्ट :-गुड्डी साव**

सीएमपीडीआई ने प्रशिक्षुओं को प्रदान किया प्रमाण-पत्र

सीएमपीडीआई अपने सीएसआर पहल के अंतर्गत 12 मार्च को झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम में सोलर पैनल इंस्टॉलेशन एवं मेंटेनेंस टेक्नीशियन प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले 50 प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किया। मुख्य अतिथि सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक एचआरडी/सीएसआर डॉ0 शिशिर दत्ता ने प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया। मौके पर सीएमपीडीआई की ओर से सुश्री सफीना परवीन एवं शैलेश, झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम के ट्रेनिंग इंचार्ज मंगल टोप्पो, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी आशुतोष मिश्रा, फेकल्टी कमलकांत एवं कुमार अविनाश तथा एनटीपीसी बरकागांव आईटीआई के प्राचार्य मिथलेश कुमार उपाध्याय उपस्थित थे। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सोलर पैनल इंस्टॉलेशन, सिस्टम मेंटेनेंस, सुरक्षा प्रोटोकॉल और सोलर सिस्टम के व्यावहारिक अनुप्रयोग जैसे आवश्यक कौशल प्रदान करना है, ताकि वे आम्मनिर्भर बन सकें।● **रिपोर्ट :-गुड्डी साव**

बाहा पर्व में सम्मानित हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन

● गुड्डी साव

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सपरिवार 5 मार्च को अपने पैतृक गांव नेमरा में आयोजित 'बाहा पर्व' में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ग्रामीणों के साथ नेमरा गांव स्थित जाहेर थान पहुंचे। मुख्यमंत्री वहां पारम्परिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों की सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति की कामना भी किए। परंपरा के अनुरूप पूजन कार्य गांव के नाइके बाबा पाहन चौतन टुडू एवं कुडम नाइके बाबा उप पाहन छोटू बेसरा ने संपन्न कराया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन नेमरा के ग्रामीणों के साथ 'बाहा पूजा' के लिए अपने निवास स्थान से पदयात्रा करते हुए जाहेर थान पहुंचे। हेमन्त सोरेन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'बाहा पर्व' में शामिल होने अपने पैतृक गांव नेमरा पहुंचे। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर नेमरा सहित आस-पास क्षेत्र के लोग काफी उत्साहित नजर आए। संस्कृति के अनुरूप नेमरा के ग्रामीण ढोल-नगाड़ा एवं मांदर बजाते हुए मुख्यमंत्री के साथ जाहेर थान पहुंचे। मौके पर मुख्यमंत्री ने स्वयं मांदर बजाकर ग्रामीणों का उत्साहवर्द्धन किया। मौके पर उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया। मुख्यमंत्री अपनी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन सहित सपरिवार दो दिवसीय दौरे पर नेमरा पहुंचे। मुख्यमंत्री के आगमन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में आस-पास क्षेत्र के लोग नेमरा गांव पहुंचे तथा मुख्यमंत्री से मुलाकात की। मुख्यमंत्री भी आत्मीयता के साथ लोगों से मिले एवं उनकी बातों को सुना। मौके पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को 'बाहा पर्व' की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।●

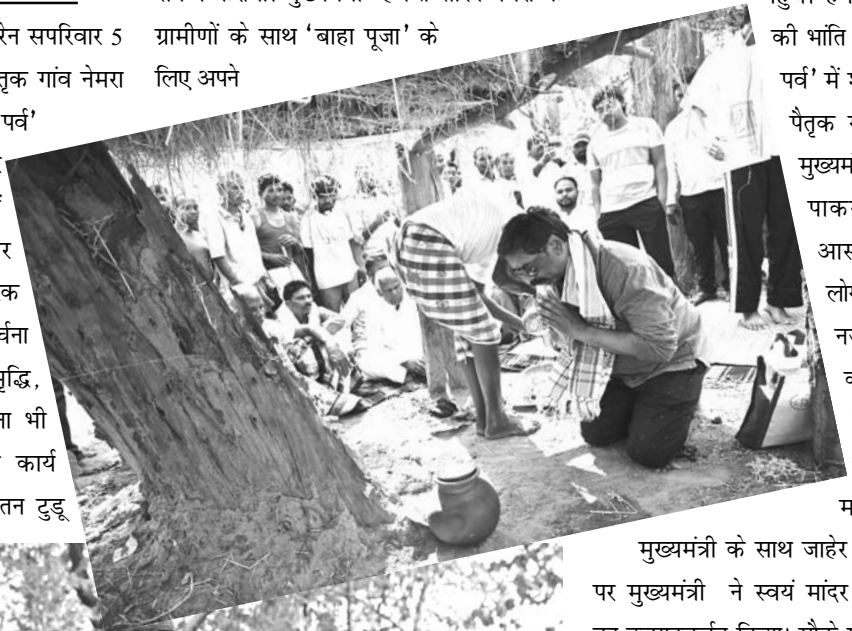

बच्चों के उज्जवल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

यूनिसेफ, यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेंस फंड संयुक्त राष्ट्र की एक प्रमुख एजेंसी है, जो दुनिया के 190 से अधिक देशों में बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और सुरक्षा के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। वर्ष 1946 में स्थापित यह संस्था विशेष रूप से उन बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रयासरत है, जो अभाव और कठिन परिस्थितियों में जीवन जी रहे हैं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए 12 मार्च को विधानसभा में अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो की अध्यक्षता में यूनिसेफ से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई । इस बैठक में सभी सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और राज्य में कुपोषण से प्रभावित बच्चों की स्थिति पर गंभीर एवं सार्थक चर्चा की। बैठक के दौरान इस बात पर विशेष बल दिया गया कि कुपोषण केवल स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य और समाज के विकास से जुड़ा एक महत्वपूर्ण विषय है। इसलिए आवश्यक है कि सरकार, समाज और विभिन्न संस्थाएँ मिलकर ऐसे प्रभावी कदम उठाएँ, जिससे हर बच्चे को समुचित पोषण, बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य मिल सके। यह बैठक राज्य के बच्चों को कुपोषण से मुक्त कर स्वस्थ, सशक्त और उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। ● **रिपोर्ट :-गुड्डी साव**

किसान मेले में शामिल हुए विस. अध्यक्ष

14 से 16 मार्च तक बिरसा कृषि विश्वविद्यालय राँची में आयोजित एग्रोटेक किसान मेला किसानों और कृषि वैज्ञानिकों के लिए ज्ञान, नवाचार और प्रेरणा का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरा। इस भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रवींद्रनाथ महतो की उपस्थिति रही । उन्होंने मेले में लगाई गई पशुपालन से संबंधित प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन किया। मेले में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, कृषक परामर्श सेवा, पौधा संरक्षण, फसल सुधार, उद्यान प्रदर्शनी, पशु स्वास्थ्य, कृषि वैज्ञानिक पद्धति प्रदर्शनी, पशु उत्पादन एवं विविधीकरण जैसे अनेक विषयों पर आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक स्टॉल लगाए गए थे, जहां किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक खेती की तकनीकों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति सहित कई अधिकारी, वैज्ञानिक और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर उत्कृष्ट उत्पादन करने वाले किसानों को रवींद्रनाथ महतो के द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। यह मेला किसानों के लिए नई तकनीकों को सीखने, अनुभव साझा करने और कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने का एक प्रेरणादायक मंच सिद्ध हुआ। ● **रिपोर्ट :-गुड्डी साव**

सेवानिवृत कर्मियों के लिए बिल ट्रैकिंग सिस्टम शुरू

● **गुड्डी साव**

सीएमपीडीआई ने सेवानिवृत्त कर्मियों के बिलों की प्रोसेसिंग में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए 10 मार्च को रांची स्थित अपने मुख्यालय में कार्यपालकों के लिए अंशदायी सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा योजना सीपीआरएमएस और गैर-कार्यपालकों के लिए अंशदायी सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा योजना (सीपीआरएमएस एनई) के लिए बिल ट्रैकिंग सिस्टम शुरू किया। सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक चौधरी शिवराज सिंह, निदेशक तकनीकी ईएस राजीव कुमार सिन्हा, निदेशक तकनीकी सीआरडी आरडीएंडटी

नृपेन्द्र नाथ, सीएमपीडीआई एवं सीसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार तथा अन्य वरीय अधिकारियों की उपस्थिति में इस सिस्टम का उद्घाटन किया। इस सिस्टम के माध्यम से, सेवानिवृत्त कर्मी कहीं से भी अपने बिलों की प्रगति पर हर चरण में नजर रख सकते हैं। यह सिस्टम पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर स्वचालित एसएमएस अलर्ट भी भेजता है, जिससे बिल प्रोसेसिंग के बारे में स्पष्ट और समय पर अद्यतन जानकारी मिलती है। प्रबंधन की यह पहल सीएमपीडीआई की परिचालन दक्षता और सेवानिवृत्ति के बाद भी अपने कर्मियों को सहयोग देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।●

झारखण्ड नगर निकाय चुनाव
जीत-हार के बीच बदलती शहर की सियासत

● भारती मिश्रा

3 साल के लंबे इतजार के बाद झारखंड की जनता को उनके महापौर और वार्ड पार्षद मिल ही गए दरअसल झारखंड में नगर निगम चुनाव इसलिए रुके थे क्योंकि OBC आरक्षण लागू करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश "ट्रिपल टेस्ट" की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई थी। झारखंड के हालिया नगर निगम चुनावों ने राज्य की राजनीति में कई नए संकेत दिए हैं। आमतौर पर नगर निकाय चुनावों को सीमित दायरे और स्थानीय राजनीति माना जाता है, लेकिन इस बार के नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया कि राज्य की शहरी राजनीति में भी राजनीतिक दलों की रणनीति, स्थानीय नेतृत्व और मतदाताओं की अपेक्षाएँ तेजी से बदल रही हैं। इस बार का नगर निकाय चुनाव गैर दलीय होते हुए दलगत राजनीति में बदल गया जहां सभी प्रमुख दलों ने अपने उम्मीदवार को समर्थन दिया था और नामांकन प्रक्रिया से लेकर के अपने पार्टी के समर्थित उम्मीदवार की जीत तक जी तोड़ पसीना बहाते नजर आए। राजधानी राँची से लेकर औद्योगिक शहरों और उभरते नगर क्षेत्रों जैसे मानगो, गिरिडीह और हजारीबाग, चास, धनबाद तक कई चुनावी मुकाबले बेहद दिलचस्प रहे। इन चुनावों ने यह भी संकेत दिया कि झारखंड की शहरी राजनीति अब पहले से अधिक प्रतिस्पर्धी और बहुस्तरीय हो चुकी है।

☞ **राजधानी रांची: पहचान और प्रतिष्ठा की लड़ाई** :- राजधानी राँची का मेयर चुनाव इस बार सबसे अधिक चर्चा में रहा। यहाँ मुकाबला था खलखो बनाम खलखो का रहा। रोशनी खलखो और रमा खलखो। दोनों उम्मीदवारों का एक ही उपनाम होने के कारण यह मुकाबला सामाजिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर चर्चा का विषय बन गया। चुनाव प्रचार के दौरान शहर के बुनियादी मुद्दे सड़क, ट्रैफिक, जलापूर्ति और कचरा प्रबंधन मुख्य एजेंडा बने रहे। रोशनी खलखो की जीत को कई विश्लेषक राजधानी में संगठनात्मक ताकत और चुनावी रणनीति की सफलता के रूप में देख रहे हैं, तो कही यह भी कहा जा रहा है कि जीत के आंकड़े में फासला ज्यादा नहीं था। यह परिणाम यह भी बताता है कि शहरी मतदाता अब उम्मीदवार की छवि और कार्यक्षमता को गंभीरता से आंकने लगे हैं।

☞ **मानगो नगर निगम: मंत्री परिवार की परीक्षा** :- जमशेदपुर के निकट स्थित मानगो नगर निगम का चुनाव भी राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। यहाँ मेयर पद के लिए पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की पत्नी सुधा गुप्ता की जीत को एक बड़ी राजनीतिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। इसे मंत्री परिवार की राजनीतिक प्रतिष्ठा से भी जोड़ा गया। यह भी देखा गया कि प्रभावशाली राजनीतिक परिवार अभी भी स्थानीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, हालांकि चुनावी मुकाबला काफी प्रतिस्पर्धी रहा।

रोशनी खलको
मेयर, रांची

☞ **गिरिडीह और हजारीबाग: स्थानीय नेतृत्व का उभार** :- उत्तर और मध्य झारखंड के शहरों, गिरिडीह और हजारीबाग में चुनाव परिणामों ने एक अलग तस्वीर पेश की। यहाँ कई जगहों पर स्थानीय चेहरों और निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इन शहरों में मतदाताओं ने स्पष्ट रूप से स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता दी। जल निकासी, सड़क निर्माण, कचरा प्रबंधन और शहरी परिवहन जैसी समस्याएँ चुनावी बहस के केंद्र में रहीं।

☞ **चास में स्थानीय राजनीति एवं व्यक्तिगत छवि की जीत** :- झारखंड के नगर निकाय चुनाव में चास नगर निगम का परिणाम राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यहाँ मेयर पद पर निर्दलीय उम्मीदवार भोलू पासवान की जीत ने यह साबित कर दिया कि स्थानीय राजनीति में व्यक्तिगत छवि और जमीनी संपर्क अभी भी सबसे बड़ी ताकत है। यह का मतगणना भी दिल धड़कन बढ़ाने वाला रहा जा गिनती के शुरुआत में पीछे चल रहे उम्मीदवार भोलू पासवान ने बाजी पलटे हुए शानदार जीत हासिल की भोलू पासवान 2015 में भी शानदार जीत हासिल कर चास के महापौर रहे हैं।

☞ **धनबाद में सिंह मेंशन की वापसी** :- धनबाद का मेयर चुनाव राज्य की राजनीति में सबसे चर्चित मुकाबलों में से एक रहा। कोयलांचल क्षेत्र की पहचान वाले धनबाद में इस बार पूर्व विधायक और सिंह मेंशन परिवार के प्रमुख नेता सजीव सिंह ने निर्दलीय या बागी स्थिति में जीत हासिल की, जिससे शहर और आसपास के क्षेत्रों की राजनीति में हलचल मच गई। यह चुनाव केवल स्थानीय निकाय चुनाव नहीं था; यह इस बात का संकेत भी था कि शहरी मतदाता अब पारंपरिक दलों से ज्यादा स्थानीय नेतृत्व, व्यक्तिगत पहचान और विकास एजेंडा को महत्व दे रहे हैं।

☞ **बदलती शहरी राजनीति** :- झारखंड के नगर निकाय चुनाव में कई मुद्दे हावी रहे जिसे लेकर मतदाता नाराज भी नजर आए जैसे अतिक्रमण और मतदाता सूची में गड़बड़ी। शहरी मतदाता अब पहले से अधिक जागरूक और सक्रिय हो गया है। शहरों में तेजी से बढ़ती आबादी, बुनियादी सुविधाओं पर बढ़ता दबाव और प्रशासनिक चुनौतियों ने नगर निकायों की भूमिका को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। ऐसे में मतदाता अब ऐसे प्रतिनिधियों को चुनना चाहते हैं जो स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए ठोस योजना प्रस्तुत कर सकें।

☞ **राजनीतिक दलों के लिए सबक** :- इन चुनावों से राज्य के प्रमुख राजनीतिक दलों के सामने कई महत्वपूर्ण संदेश सामने आए हैं। शहरी क्षेत्रों में मजबूत संगठन का निर्माण आवश्यक है। स्थानीय नेतृत्व को आगे लाने की जरूरत है। विकास और बुनियादी सुविधाओं को चुनावी एजेंडा बनाना अनिवार्य है। केवल बड़े राजनीतिक मुद्दों के आधार पर शहरी चुनाव जीतना अब आसान नहीं रहा। नगर निकाय चुनावों के परिणामों को अक्सर राज्य की व्यापक राजनीतिक दिशा का संकेत माना जाता है।

संजीव सिंह
महापौर, धनबाद

सुधा गुप्ता
महापौर, मांगो

भोलू पासवान
महापौर, चास

झारखंड के इन चुनावों ने भी यही संकेत दिया है कि शहरी क्षेत्रों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और अधिक तेज होने वाली है। आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों में इन परिणामों का प्रभाव देखने को मिल सकता है, क्योंकि राजनीतिक दल अब शहरी मतदाताओं की अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर अपनी रणनीति तैयार करेंगे।

☞ **निष्कर्ष** :- झारखंड के नगर निगम चुनाव 2026 गैर दलीय होते हुए भी दलगत बन गया। साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया है कि राज्य की शहरी राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर रही है। स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवारों की व्यक्तिगत पहचान और राजनीतिक दलों की रणनीति इन तीनों का संतुलन ही चुनाव परिणामों को तय कर रहा है। यह चुनाव केवल नगर निकायों के प्रतिनिधियों के चयन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह झारखंड की बदलती राजनीतिक संस्कृति और मतदाताओं की नई सोच का भी संकेत है।●

झारखण्ड बजट 2026-27

सरकार के विकास के बड़े दावे, विपक्ष ने बताया घोषणाओं का पुलिंदा

● **भारती मिश्रा**

झारखंड विधानसभा में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने 24 फरवरी 2026 को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया यह उनके कार्यकाल का दूसरा बजट था। इस बजट का नाम अबुआ दिसोम बजट रखा गया है। इस बजट को पेश करते हुए वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर अपने संबोधन में इस बजट को ग्रामीण विकास पर विशेष प्राथमिकता के साथ समावेशी विकास और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने वाला बजट बताया। राज्य सरकार ने इस बार 1,58,560 करोड़ का बजट पेश किया है, जो पिछले वर्ष के बजट से अधिक है। 2025 26 के लिए लगभग 1,45,400 हजार करोड़ का बजट पेश किया गया था। इस बार 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यानी कुल बजट में लगभग 13 हजार करोड़ की बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी संकेत देती है कि सरकार राज्य में बुनियादी ढांचे और सामाजिक योजनाओं पर खर्च बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

❖ **इस बजट की खास बात** :-

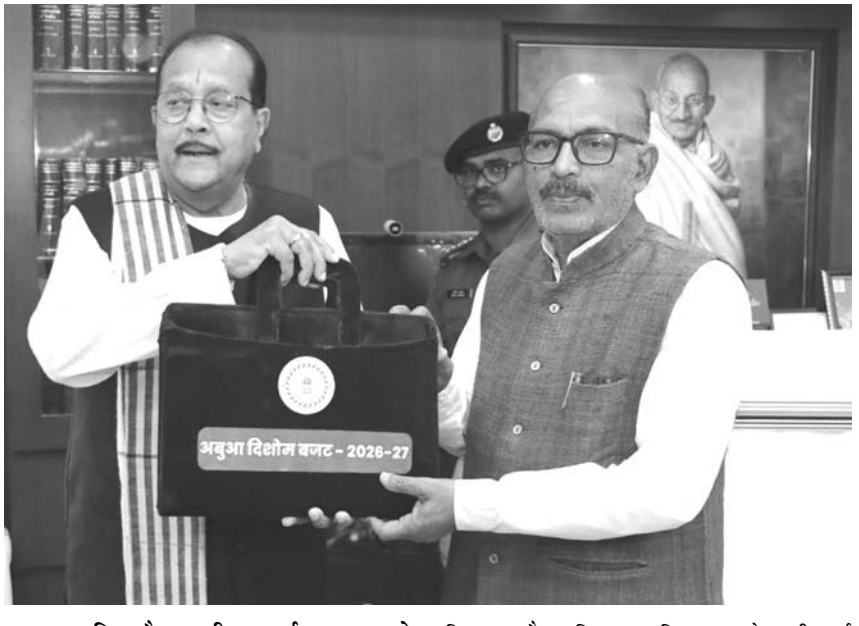

☞ **कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्राथमिकता** :- इस बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर विशेष जोर दिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार ने कृषि, ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी कई पहल की घोषणा की है। जैसे फसल भंडारण के लिए कोल्ड स्टोरेज, खेती-बाड़ी को और सशक्त बनाने के लिए सिंचाई और कृषि सहायता, सिंचाई

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े बदलाव की तैयारी

● भारती मिश्रा

झारखंड के लोकप्रिय स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री इरफान अंसारी अनोखे अंदाज में साइकल पर सवार हो कर खाद्य आपूर्ति और आपदा प्रबंधन विभाग का वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत करने के लिए सदन में कदम रखा और सभी स्वास्थ्य, पर्यावरण और सादगी का संदेश दिया। मंत्री ने स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति और आपदा प्रबंधन विभाग के लिए कुल 12,736 करोड़ रूपये का बजट प्रस्तुत किया। झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में इस बार का बजट कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राज्य के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री इरफान अंसारी ने अपनी दूरदर्शी सोच के साथ झारखंड विधानसभा सभा में बजट प्रस्तुत करते हुए स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार और सुधार के लिए कई बड़ी घोषणाएं कीं। राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में इसे राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा देने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

☞ **स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा निवेश :-** सरकार ने स्वास्थ्य विभाग के लिए लगभग 7,990 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है। इसके अलावा खाद्य आपूर्ति विभाग के लिए 2,887 करोड़ रूपये और आपदा प्रबंधन विभाग के लिए 1,859 करोड़ रूपये का बजट प्रस्तावित किया गया है। इस तरह सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह स्वास्थ्य सेवाओं, भोजन सुरक्षा और आपदा से निपटने की क्षमता को मजबूत करने को प्राथमिकता दे रही है।

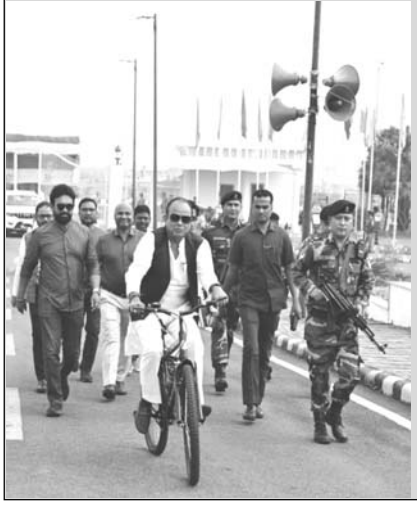

☞ **मेडिकल शिक्षा को विस्तार देने की योजना :-**

इस बजट की सबसे बड़ी घोषणाओं में 8 नए मेडिकल कॉलेज खोलने की योजना शामिल है। पहले चरण में जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, खूंटी और सरायकेला खरसावां में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। इसके बाद दूसरे चरण में गोड्डा, साहेबगंज और लातेहार को शामिल किया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह योजना सफलतापूर्वक लागू होती है तो इससे राज्य में डॉक्टरों की कमी कम होगी और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बेहतर होगी।

☞ **पहली मेडिकल यूनिवर्सिटी और रिम्स -2 की योजना :-** मंत्री इरफान अंसारी ने झारखंड की पहली मेडिकल यूनिवर्सिटी स्थापित करने की घोषणा भी की है, जिसे चिकित्सा शिक्षा और शोध के क्षेत्र में बड़ा कदम माना जा रहा है। इसके साथ ही राजेन्द्र (राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) के विस्तार के रूप में रिम्स -2 बनाने की योजना सामने आई है, जिसे एशिया के सबसे बड़े अस्पतालों में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह परियोजना साकार होती है, तो राँची पूर्वी भारत का एक प्रमुख चिकित्सा केंद्र बन सकता है। इस बजट में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की समय पर पहचान और जांच के लिए लगभग ध्200 करोड़ का विशेष प्रावधान भी किया गया है। सरकार का उद्देश्य है कि राज्य के लोगों को कैंसर जांच की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि बीमारी का शुरुआती चरण में ही पता चल सके और समय पर इलाज संभव हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल राज्य में कैंसर से लड़ाई को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

☞ **मंत्री की सक्रियता और विजन :-** पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी राज्य के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने को लेकर लगातार सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। बजट में बड़े पैमाने पर मेडिकल कॉलेजों की घोषणा और चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की योजना को उनके विजन का हिस्सा माना जा रहा है। कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि यदि इन योजनाओं को समय पर लागू किया जाता है, तो यह झारखंड के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक दीर्घकालिक बदलाव की शुरुआत साबित हो सकता है।

☞ **सामाजिक और राजनीतिक संदेश :-** अपने संबोधन में मंत्री ने झारखंड आंदोलन के प्रमुख नेता शिबू सोरेन के सपनों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बजट आदिवासी, दलित और वंचित वर्गों के उत्थान की दिशा में एक कदम है। वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार इसे सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के एजेंडे से जोड़कर देख रही है।

☞ **निष्कर्ष :-** कुल मिलाकर यह बजट झारखंड के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप प्रस्तुत करता है। हालांकि इन घोषणाओं की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि योजनाओं को जमीन पर कितनी तेजी और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता है। फिर भी, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की पहल ने राज्य में बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था की उम्मीदों को जरूर मजबूत किया है।●

परियोजना को तकनीकी सहायता से जोड़ना, गांवों में सड़क और बिजली कनेक्टिविटी दुरुस्तीकरण के लिए निवेश बढ़ाना, महिला किसानों को ऋण, प्रशिक्षण और छोटे उद्यम के लिए प्रोत्साहन देने की योजना। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर का खास उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है, खासकर महिला किसानों को आर्थिक अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें आगे बढ़ना।

सौंदर्यकरण और पर्यटन विकास पर विशेष ध्यान :- प्राकृतिक सौंदर्य और संसाधन से ओत - प्रोत झारखंड के लिए बजट 2026-27 में सबसे खास बात ये है कि यहां के पर्यटन स्थलों और शहरों के सौंदर्यकरण पर विशेष जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सरेन की सरकार ने झरनों और प्राकृतिक स्थलों को विकसित करने की योजना बनाई है। जिसमें में दशम फॉल और जोहा फॉल पर ग्लास ब्रिज, हुंडरू फॉल में रोपवे

तथा पतरातु घाटी में स्काईवॉक और पर्यटन सुविधाएँ शामिल हैं। सरकार का उद्देश्य इन परियोजनाओं के माध्यम से पर्यटन बढ़ावा देना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करना है।

☞ **स्वास्थ्य क्षेत्र में कैंसर के इलाज पर खास पहल** :- झारखंड बजट 2026-27 में स्वास्थ्य क्षेत्र में 200 करोड़ का प्रावधान किया है जिसमें कैंसर उपचार और रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया गया है। राज्य सभी बड़े अस्पतालों में कैंसर के परीक्षण के लिए उपकरण लगाने का प्रावधान है, खासकर महिलाओं में स्तन कैंसर की परीक्षण के लिए सभी जिला अस्पतालों में उपकरण लगाने की भी योजना है। इस बजट में सरकार का प्राथमिकता कैंसर की रोकथाम, जांच और उपचार सुविधाओं को मजबूत करना ताकि स्वास्थ्य सेवाएँ अधिक सुलभ हो सकें।

☞ **शिक्षा के क्षेत्र में नए विद्यालय और विश्वविद्यालय खोलने की योजना** :- झारखंड बजट 2026ख27 में शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए नए संस्थान और गुणवत्तापूर्ण स्कूलों पर जोर दिया गया है। जिसमें की सरकार ने 100 नए सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, बी.आर. अंबेडकर के नाम पर चतरा में एक नए विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा है। साथ ही दूरदराज क्षेत्रों की छात्राओं के लिए पांच नए बालिका आवासीय विद्यालय खोलने की योजना भी शामिल है, ताकि शिक्षा की पहुँच और गुणवत्ता दोनों में सुधार हो सके। शहीद सैनिकों के आश्रित बच्चों के लिए भी आवासीय विद्यालय खोलने की योजना है।

☞ **सामाजिक कल्याण** :- महिला सशक्तिकरण, छात्रवृत्ति, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए बजट में पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। सरकार का कहना है कि बजट का लक्ष्य राज्य के आदिवासी, ग्रामीण और कमजोर वर्गों को मुख्यधारा के विकास से जोड़ना है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसे पारदर्शी और समावेशी बजट बताते हुए कहा कि इसमें महिलाओं, युवाओं और किसानों के लिए विशेष योजनाएँ शामिल हैं। झारखंड सरकार ग्रामीण विकास, सामाजिक कल्याण योजनाओं के जरिए अपने जनाधार को मजबूत करना चाहती है। महिलाओं और गरीब वर्गों के लिए भी योजनाएँ पहले से ही चल रही है जो राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी हैं। ऐसे में यह बजट सरकार की सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक रणनीति दोनों को दर्शाता है।

☞ **विपक्ष का आरोप** :- 2026-27 का बजट पेश किए जाने के साथ ही राज्य की राजनीति में नई बहस शुरू हो गई है जहां सरकार इसे सामाजिक न्याय और विकास का बजट बता रहा है, वहीं विपक्ष ने इसे दिशाहीन और घोषणाओं का पुलिंदा बता रही है। विपक्षी दलों ने बजट को

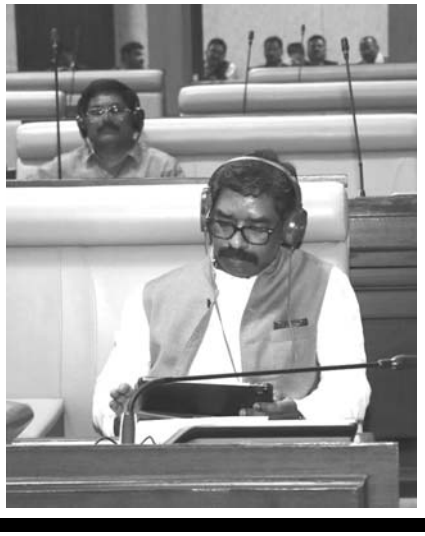

लेकर कई गंभीर सवाल उठाए हैं। सरकार बजट में बड़ी रकम दिखाकर जनता को भ्रमित कर रही है। उनका कहना है कि राज्य को केंद्र से मिलने वाले करों का अधिकांश हिस्सा मिल चुका है, लेकिन सरकार उसका सही उपयोग नहीं कर पाई। भाजपा नेताओं का आरोप है कि: पिछले बजट का करीब 50% पैसा खर्च ही नहीं हो पाया। विकास योजनाएँ जमीन पर नहीं दिख रही हैं। महिलाओं की सुरक्षा और रोजगार के लिए स्पष्ट रोडमैप नहीं है इस बजट ने राज्य में विकास, वित्तीय प्रबंधन और राजनीतिक प्राथमिकताओं को लेकर एक नई बहस को जन्म दिया है।

☞ **केंद्र सरकार बनाम राज्य सरकार वित्तीय विवाद** :- बजट बहस का एक बड़ा मुद्दा केंद्र सरकार और झारखंड राज्य सरकार संबंध भी बन गया है। राज्य सरकार का दावा है कि केंद्र सरकार के द्वारा सौतेला व्यवहार किया जाता है और पर्याप्त वित्तीय सहायता नहीं मिल रही, जिससे राज्य पर वित्तीय दबाव बढ़ा है। दूसरी ओर विपक्ष का कहना है कि केंद्र सरकार ने पर्याप्त धन जारी किया है और समस्या राज्य सरकार की खर्च क्षमता में है। यह विवाद आने वाले समय में राजनीतिक बहस का मुद्दा बन सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह बजट केवल आर्थिक दस्तावेज नहीं बल्कि राजनीतिक संदेश भी है। झारखंड बजट 2026-27 में सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती है कि जहां एक ओर सरकार ने विकास का प्रयास, सामाजिक कल्याण और बुनियादी ढाँचे पर ध्यान तो दिया है पर उन योजनाओं पर हकीकत में धरातल पर उतरना चुनौती है, पिछले बजट के खर्च पर भी विपक्ष सवाल उठा रहा है। ऐसे में विपक्ष की नजर राज्य सरकार की योजनाओं के कार्यान्वयन पर रहेगी और वो कमी निकलने के मौके की तलाश में रहेंगे। अंतत: इस बजट की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि योजनाएँ कागज से निकलकर जमीन पर कितनी प्रभावी ढंग से लागू होती हैं।

☞ **निष्कर्ष** :- झारखंड बजट 2026-27 कई मायनों में महत्वपूर्ण है। यह एक ओर सामाजिक कल्याण और ग्रामीण विकास की दिशा में सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाता है, तो दूसरी ओर विपक्ष द्वारा उठाए गए सवाल इसके क्रियान्वयन की चुनौतियों को भी सामने लाते हैं। अंतत: इस बजट की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार अपनी योजनाओं को जमीन पर कितनी प्रभावी ढंग से लागू कर पाती है। यदि योजनाएँ सही तरीके से लागू होती हैं तो यह बजट झारखंड के विकास की नई दिशा तय कर सकता है। लेकिन यदि क्रियान्वयन कमजोर रहा तो यह भी कई अन्य बजटों की तरह केवल घोषणाओं तक ही सीमित रह सकता है।●

महिला पत्रकारों के सम्मान में रांची प्रेस क्लब का विशेष आयोजन

● भारती मिश्रा

8 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रांची प्रेस क्लब द्वारा महिला पत्रकारों के सम्मान में एक भव्य महिला पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब के अध्यक्ष शंभूनाथ चौधरी एवं वरिष्ठ महिला पत्रकार रजनीश आनंद ने की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतथि के रूप रांची शहर की नवनिर्वाचित महापौर रोशनी खलखो शामिल हुई। सभी महिला पत्रकारों को महापौर के हाथों सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम कई वरिष्ठ पत्रकार और प्रेस क्लब के पदाधिकारी व सदस्य के साथ अन्य महिला पत्रकार भी उपस्थित रही। इस कार्यक्रम में पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय महिला पत्रकारों को सम्मानित किया गया एवम पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान और संघर्ष को सराहा गया।

कार्यक्रम में मंच संचालन आशिया नाज के द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुई। इस अवसर पर रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष शंभूनाथ चौधरी ने पत्रकारिता की जगत में आई सबसे पहली महिला पत्रकार हेमंत कुमारी देवी को याद किया और योगदान के बारे में बताया उस समय महिलाएं बहुत कम शिक्षित थी, इसलिए उन्होंने पत्रकारिता के माध्यम से महिला शिक्षा और जागरूकता पर जोर दिया था। शंभू नाथ चौधरी ने कहा कि पत्रकारिता की राह आसान नहीं खास कर क्राइम रिपोर्टिंग करना, फिर भी आज के दौर में महिला बखूबी कर रही है। महिला पत्रकार समाज की आवाज को मजबूती से सामने ला रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पत्रकारिता केवल खबरों का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक सशक्त जरिया भी है। महिला पत्रकार अपने साहस और समर्पण के साथ इस जिम्मेदारी को बखूबी निभा रही हैं। प्रेस क्लब के सचिव अभिषेक सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि मीडिया में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को और मजबूत बनाती है। उन्होंने कहा कि महिला पत्रकार ना सिर्फ सामाजिक मुद्दों को सामने ला रही हैं, बल्कि अपनी मेहनत और प्रतिबद्धता से पत्रकारिता की गरिमा को भी बढ़ा रही हैं। इस अवसर पर प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष कुबेर सिंह ने कहा कि महिला पत्रकारों को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाने चाहिए। इससे न केवल उन्हें सम्मान मिलता है, बल्कि नई पीढ़ी की महिलाओं को भी पत्रकारिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

समारोह के दौरान सम्मानित महिला पत्रकारों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि पत्रकारिता के क्षेत्र में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है तो वही खुद का साबित करने के भी अवसर मिलते है। कैसे महिला अपने घर की जिम्मेदारियों को निभाते हुए खुद को पत्रकारिता के जगत में स्थापित कर रही हैं। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को प्रेरित किया। मुख्य अतिथि राँची नवनिर्वाचित महापौर रोशनी खलखो को शॉल, मोमेंटो और पौधा देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रेस क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सभी सम्मानित महिला पत्रकारों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह आयोजन न केवल महिला पत्रकारों के सम्मान का अवसर बना, बल्कि यह संदेश भी दिया कि पत्रकारिता के क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक है। इस गरिमामय समारोह ने यह साबित किया कि रांची प्रेस क्लब पत्रकारों के हितों के साथ-साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। महिला पत्रकारों को दिया गया यह सम्मान उनके साहस, मेहनत और पत्रकारिता के प्रति समर्पण का प्रतीक है। इस सम्मान समारोह एक्ट्रेस वर्षा ऋतु, एलिना शर्मा को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष शंभु नाथ चौधरी, सचिव अभिषेक सिन्हा, संयुक्त सचिव चंदन भट्टाचार्य, उपाध्यक्ष बिपिन उपाध्याय, कार्यकारिणी सदस्य राजन बॉबी, निर्भय, अशोक गोप, संजय सुमन, चंदन वर्मा, प्रतिमा कुमारी मौजूद थे।●

राहुल सिंह गिरोह के मुख्य सदस्य समेत पांच गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के बीआईटी मेसरा इलाके में चार फरवरी की शाम हुई हवाई फायरिंग की गुत्थी रांची पुलिस ने सुलझा ली है। इस मामले में राहुल सिंह गिरोह से जुड़े मुख्य आरोपी समेत कुल पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का दावा है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं होती, तो आगे कोई बड़ी वारदात भी हो सकती थी। गिरफ्तार आरोपियों में अमन कुमार ठाकुर उर्फ छोटू (मुख्य आरोपी), करन कुमार उरांव, विशाल मुण्डा, सेंटू सिंह और रामानंद कुमार शामिल हैं। इनके पास से एक पिस्टल, दो जिन्दा गोली,बाइक और कई मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इस बात का खुलासा रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने किया है। इस दौरान सदर डीएसपी संजीव बेसरा एवं अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

☞ **टोयोटा शोरूम के पास दहशत फैलाने के लिए चलाई गई थी गोली :-** रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने मीडिया को प्रेस वार्ता में बताया कि घटना चार फरवरी की शाम की है। बीआईटी मेसरा के पास टोयोटा शोरूम के नजदीक अचानक हवाई फायरिंग हुई। उस वक्त सड़क पर आवाजाही थी और गोली चलने की आवाज से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दशहत में लोग इधर-उधर भागने लगे। हालांकि इस फायरिंग में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन मकसद साफ था, दहशत फैलाना। इस मामले में सदर (मेसरा) थाना कांड संख्या 49/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि पुलिस शुरू से ही इसे गंभीरता से ले रही थी।

☞ **गुप्त सूचना पर हुई कार्रवाई :-** 17 फरवरी को पुलिस को सूचना मिली कि इस वारदात का मुख्य आरोपी कोकर के सुंदर विहार इलाके में छिपा हुआ है। इसके बाद एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर सिटी एसपी पारस राणा की देखरेख में और सदर डीएसपी संजीव कुमार बेसरा एवं सदर थाना पभारी कुलदीप कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। जिसके बाद टीम ने छापेमारी कर 20 साल के अमन कुमार ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया। अमन ओरमांझी थाना क्षेत्र के पाचा गांव का रहने वाला है। पूछताछ में उसने फायरिंग में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।

☞ **घर में छिपाकर रखे थे हथियार और बाइक :-** अमन की निशानदेही पर पुलिस ने उसके गांव पाचा स्थित घर में छापा मारा। वहां से एक पिस्टल, दो जिंदा गोलियां और एक नीले रंग की अपाची मोटरसाइकिल बरामद हुई, जिसे पहचान छिपाने के लिए काले रंग से पेंट किया गया था। इसके अलावा छह मोबाइल फोन, हेलमेट, वारदात के समय पहने गए कपड़े और चप्पल भी बरामद किए गए। पुलिस को शक है कि वारदात के बाद सबूत मिटाने की तैयारी भी की जा रही थी।

☞ **बाकी चार आरोपी भी दबोचे गए :-** अमन की निशानदेही पर पुलिस ने करन कुमार उरांव, विशाल मुण्डा, सेंटू सिंह और रामानंद कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक ये सभी पहले से आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं और गिरोह के लिए काम करते थे।

☞ **पहले से दर्ज हैं कई गंभीर मामले :-** पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अमन कुमार ठाकुर और करन कुमार उरांव के खिलाफ पहले भी आर्म्स एक्ट और रंगदारी जैसे मामलों में केस दर्ज हैं। करन के खिलाफ रांची और आसपास के थानों में कई आपराधिक मामले चल रहे हैं। सेंटू सिंह के खिलाफ भी पहले आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई हो चुकी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस फायरिंग के पीछे अपराधियों का क्या मकसद था।

☞ **छापामारी टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी :-** इस पूरे ऑपरेशन में रांची के सदर डीएसपी संजीव कुमार बेसरा के नेतृत्व में सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार, मेसरा ओपी प्रभारी अजय कुमार दास, तकनीकी शाखा की टीम और कई पुलिसकर्मियों ने मिलकर काम किया। बता दे कि लगातार निगरानी और तकनीकी इनपुट के सहारे आरोपियों तक पहुंचा गया। फिलहाल सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में छापामारी जारी है। आगे और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।●

100 एलसीडी पैच के साथ दो युवक गिरफ्तार

नीदरलैंड से ड्रग्स मंगाकर राजधानी के युवकों तक कर रहे थे सप्लाई

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची की सड़कों पर सब कुछ सामान्य दिखता है। महंगे गैजेट्स, हाई प्रोफाइल पार्टियां, कॉलेज जाते छात्र, कॉफी कैफे में बैठी युवा पीढ़ी, वीकेंड पार्टियों की तस्वीरें और सोशल मीडिया पर दिखती चमकती जिंदगी। लेकिन इसी चमक के पीछे एक ऐसा अंधेरा पनप रहा था, जिसकी जड़ें हजारों किलोमीटर दूर यूरोप तक फैली थीं। रांची पुलिस ने 100 LSD पैच के साथ दो लड़कों को गिरफ्तार कर एक ऐसे नेटवर्क का खुलासा किया है, जो डार्क वेब और क्रिप्टो करेंसी के जरिए नीदरलैंड से ड्रग्स मंगवाकर राजधानी में खपा रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों के नाम कुमार अभिषेक और अविनाश मिश्रा बताए गए हैं। जब्त LSD की बाजार में अनुमानित कीमत करीब आठ लाख रुपये बताई गई।

☞ **एक पार्सल जिसने खोला राज :-** 25 फरवरी, दिन बुधवार को दोपहर करीब 1:30 बजे एसएसपी राकेश रंजन को गुप्त सूचना मिली और बताया गया कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के हेसल स्थित ओझा मार्केट के पास एक पार्सल की डिलीवरी होने वाली है। यह पार्सल शहर के युवाओं के लिए "धीमा जहर" है। इतना सुनते हा एसएसपी राकेश रंजन का माथा ठनका। उन्होंने तुरंत सिटी एसपी पारस राणा के नेतृत्व में टीम बनाई। आगे का टास्क नशे का जानी दुश्मन माने जाने वाले पुलिस अधिकारी कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय को सौंपा गया। टीम में ट्रेनी IPS अधिकारी साक्षी जमुआर को भी शामिल किया गया। गठित टीम बताये गये लोकेशन पर 3:30 में पहुंच गयी और घेराबंदी कर इंतजार करने लगी। कुछ देर बाद लाल कपड़ा पहने एक युवक आया, पार्सल लिया और आगे बढ़ा। पुलिस ने उसे वहीं दबोच लिया। जब डीएसपी प्रकाश सोय ने खुद उसकी तलाशी ली, तो पैंट की जेब से निकला "NEDERLAND INTERNATIONAL" वाला लिफाफा। लिफाफ पर निदरलैंड का नाम देखते ही डीएसपी प्रकाश सोय का माथा ठनका। उनके जहन में कौंधा मामला साधारण नहीं है, नीदरलैंड का ड्रग्स अब रांची की गलियों तक पहुंच गया है। यह यहां के युवाओं के लिए बेहद खतरनाक है। इस रैकेट को ध्वस्त करना होगा। लिफाफा खुला तो अंदर 100 रंग-बिरंगे LSD पैच थे। छोटे-छोटे कागज के टुकड़े, जिनकी कीमत और असर दोनों भारी थे। रंगीन कागज के छोटे टुकड़ों में छिपा धीमा जहर, जो राजधानी के युवाओं तक पहुंचने वाला था। गिरफ्तार युवक कुमार अभिषेक था। पूछताछ में उसने अपने साथी अविनाश मिश्रा का नाम लिया।

☞ **हिमाचल के कसौल से रांची तक का सफर, 'रईशजादे' निशाने पर :-** अविनाश मिश्रा को भी पुलिस ने उठा लिया। अविनाश ने पुलिस को बताया कि पिछले साल वह हिमाचल प्रदेश के कसौल घूमने गया था। वहीं उसकी मुलाकात एक इजराइली शख्स से हुई, जिसने उसे पहली बार LSD दिया। उस "अनुभव" ने उसके दिमाग में दो चीजें बो दीं। एक नशे की लत और दूसरी तेज कमाई का लालच। गोवा, मुंबई और दूसरे शहरों की पार्टियों में उसने यह

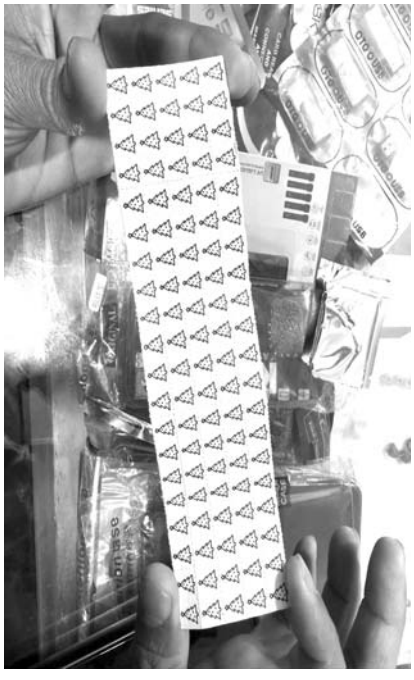

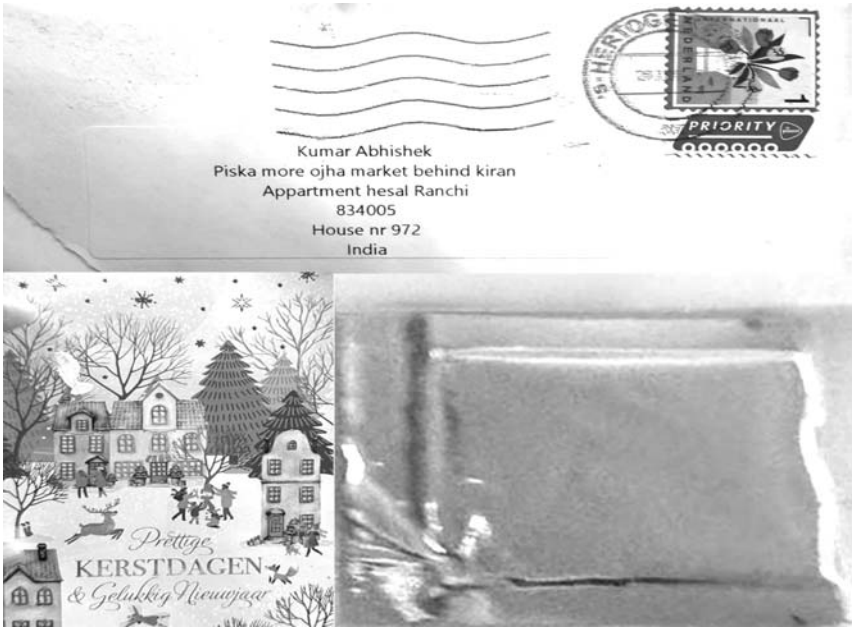

ड्रग्स फिर लिया। धीरे-धीरे उसने समझा कि यह महंगा है, दुर्लभ है और मांग ज्यादा है। उसका माथा ठनका और मन में विचार आया कि अगर इसे रांची जैसे शहर में पहुंचाया जाए तो बड़ा मुनाफा हो सकता है। इसी सोच और लालच ने उसे डार्क वेब तक पहुंचाया। उसने उस विदेशी संपर्क से पूरी प्रक्रिया सीखी। ऑर्डर कैसे देना है, क्रिप्टो करेंसी से भुगतान कैसे करना है, पार्सल कैसे मंगवाना है ताकि शक न हो। कुछ ही महीनों में वह इस "डिजिटल अंडरवर्ल्ड" का खिलाड़ी बन गया और रांची में 'रईशजादों' तक सप्लाई शुरू कर दी।

☞ **कुमार अभिषेक करता था डिलीवरी :-** कुमार अभिषेक इस खेल में उसका साथी बना। उसकी भूमिका डिलीवरी की थी। पार्सल लेना और तय ग्राहकों तक पहुंचाना। पुलिस के मुताबिक इनके ग्राहक शहर के रईश परिवारों के युवा थे, जो पार्टी कल्चर का हिस्सा हैं और महंगे नशे का शौक रखते हैं। पिछले तीन-चार महीनों से यह धंधा चुपचाप चल रहा था। किसी को भनक तक नहीं थी कि डाक से आने वाला एक सामान्य से पार्सल में दरअसल जहर आ रहा है।●

पीएलएफआई के नाम पर लेवी वसूली की साजिश नाकाम

● ओम प्रकाश

खूंटी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चरमपंथी उग्रवादी संगठन के नाम पर लेवी वसूली की तैयारी कर रहे छह अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इनके पास से एक देशी पिस्टल, जिंदा गोली, लेवी वसूली का हिसाब-किताब, ठेकेदारों और व्यवसायियों की सूची समेत कई अहम दस्तावेज बरामद किए हैं। वहीं घटना में इस्तेमाल की जा रही एक्सयूवी 500 कार को भी जब्त कर लिया गया है।

☞ **गुप्त सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस :-** खूंटी एसपी मनीष टोप्पो ने मीडिया को बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि खूंटी थाना क्षेत्र के तजना नदी के पास नहर किनारे कुछ लोग कार से पहुंचे हैं और उनके पास अवैध घातक हथियार हैं। सूचना में यह भी बताया गया था कि ये लोग PLFI संगठन के नाम पर लेवी की रकम लेने और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके बाद खूंटी एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम बनाई गई और पुलिस बल के साथ मौके के लिए रवाना किया गया।

☞ **तजना नदी के पास छापेमारी, छह लोग गिरफ्तार :-** पुलिस टीम ने तजना नदी के पास नहर किनारे पहुंचकर इलाके की घेराबंदी की

और छापेमारी शुरू की। इस दौरान मौके से छह लोगों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार लोगों की पहचान विजय भोक्ता, धीरज कुमार, अभिषेक कुमार उर्फ अभिषेक राम, शुभम कुमार पोद्दार उर्फ शुभम कुमार, निमिस गोप उर्फ हनि और राम आयोध्या शर्मा उर्फ राजा शर्मा के रूप में हुई है।

☞ **हथियार, लेवी का हिसाब और ठेकेदारों की सूची बरामद :-** पुलिस ने जब इनकी तलाशी ली तो कई चौंकाने वाली चीजें सामने आईं। इनके पास से एक देशी पिस्टल और जिंदा कारतूस मिला। इसके अलावा पीएलएफआई संगठन के पर्चे, लेवी में वसूली गई रकम का हिसाब लिखी नोटबुक और कई व्यवसायियों व ठेकेदारों के नाम, पता और मोबाइल नंबर की सूची भी बरामद हुई। इतना ही नहीं, पुलिस को इनके पास से मोबाइल फोन खरीदने की रसीद, दूसरे लोगों के बैंक खातों से जुड़े पासबुक, चेकबुक और एटीएम कार्ड भी मिले। जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े कुछ दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं।

☞ **घटना में इस्तेमाल कार भी जब्त :-** पुलिस ने बताया कि अपराधी जिस एक्सयूवी 500 कार से मौके पर पहुंचे थे, उसे भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस को शक है कि इस गिरोह का नेटवर्क और भी बड़ा हो सकता है। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और इनके अन्य साथियों की भी तलाश की जा रही है।●

हेलमेट लगाइए, सीट बेल्ट बांधिए : ट्रैफिक एस.पी.

● ओम प्रकाश

सड़क पर जरा सी लापरवाही कभी भी बड़ी दुर्घटना में बदल सकती है। इसी बात को लोगों तक पहुंचाने के लिए रविवार 15 मार्च को रांची ट्रैफिक पुलिस ने शहर में विशेष जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों से साफ कहा कि हेलमेट पहनकर चलिए, सीट बेल्ट लगाइए और नियमों का पालन कीजिए, तभी आप सुरक्षित रहेंगे। यह अभियान रांची के एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उनसे नियमों का पालन करने की अपील की।

☞ **अभियान के दौरान ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने लोगों को खास तौर पर इन नियमों के बारे में बताया :-**

☞ बाइक चलाते समय हमेशा हेलमेट पहने।
☞ कार चलाते समय सीट बेल्ट जरूर लगाएं।
☞ ट्रिपल राइडिंग बिल्कुल न करें।
☞ शराब पीकर गाड़ी न चलाएं।
☞ तेज और लापरवाही से वाहन न चलाएं।

ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने कहा कि इन साधारण नियमों का पालन करके कई बड़ी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है।

☞ **बाइक रैली निकालकर दिया सड़क सुरक्षा का संदेश :-** जागरूकता अभियान के तहत शहर में बाइक रैली भी निकाली गई। यह रैली बिरसा चौक से शुरू होकर अरगोड़ा चौक होते हुए फिरायालाल चौक तक गई। रैली में ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी और जवान शामिल हुए। रास्ते में लोगों को रोककर समझाया गया कि सड़क पर सुरक्षित रहना सिर्फ पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। अगर सभी लोग नियमों का पालन करेंगे, तभी सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

☞ **नुक्कड़ नाटक के जरिए समझाई लापरवाही की कीमत :-** अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। कलाकारों ने नाटक के माध्यम से दिखाया कि बिना हेलमेट बाइक चलाना, ट्रिपल राइडिंग करना या शराब पीकर गाड़ी चलाना कितना खतरनाक हो सकता है। नाटक में यह संदेश दिया गया कि कई बार लोग जल्दबाजी या लापरवाही में नियमों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन वही छोटी सी गलती किसी की जिंदगी छीन सकती है।

☞ **कई पुलिस अधिकारी और जवान रहे मौजूद :-** इस अभियान में रांची नगर क्षेत्र के कई डीएसपी, ट्रैफिक डीएसपी, कई थानेदार, ट्रैफिक थाना प्रभारी समेत बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी और जवान मौजूद थे। एसपी ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर ऐसे जागरूकता अभियान आगे भी जारी रहेंगे। लोगों से अपील की गई कि वे खुद भी नियमों का पालन करें और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि शहर की सड़कों को सुरक्षित बनाया जा सके। ●

सरप्राइज चेकिंग : लापरवाह अफसर पर एस.पी. का एक्शन

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में आधी रात जब ज्यादातर लोग गहरी नींद में थे और शहर लगभग शांत था, उसी समय पुलिस महकमे में हलचल मच गई। रात करीब दो बजे एसएसपी राकेश रंजन अचानक शहर की सड़कों पर निकल पड़े। यह कोई सामान्य गश्त नहीं थी, बल्कि पुलिस की रात्रि गश्ती व्यवस्था को परखने के लिए किया गया औचक निरीक्षण था। एसएसपी ने जिले में तैनात पीसीआर वाहनों और हाईवे पेट्रोलिंग टीमों की कार्यशैली को नजदीक से देखा।

☞ **अलग-अलग जगहों पर रुककर लिया जायजा :-** निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने शहर के कई इलाकों में रुककर पीसीआर वाहनों में तैनात पदाधिकारियों और जवानों से बातचीत की। उन्होंने यह भी देखा कि गश्ती टीम कितनी सक्रिय है, वाहन सही जगहों पर मौजूद हैं या नहीं और जवान अपने दायित्व को कितनी गंभीरता से निभा रहे हैं। इस दौरान कुछ जगहों पर पुलिसकर्मी पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करते नजर आए, तो कहीं लापरवाही भी सामने आ गई।

☞ **PCR-02 में मिली लापरवाही, पदाधिकारी निलंबित :-** औचक निरीक्षण के क्रम में जब एसएसपी PCR-02 के पास पहुंचे तो वहां तैनात पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी को सही तरीके से निभाते हुए नहीं पाए गए। एसएसपी ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए मौके पर ही कार्रवाई का आदेश दिया। कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में संबंधित पदाधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इस कार्रवाई से साफ संदेश गया कि ड्यूटी में ढिलाई अब किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

☞ **पुलिसकर्मियों को दिया गया सख्त संदेश :-** निरीक्षण के बाद एसएसपी ने जिले में कार्यरत सभी पीसीआर और हाईवे पेट्रोलिंग टीमों के पदाधिकारियों व जवानों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रात की गश्त पुलिस की सबसे अहम जिम्मेदारियों में से एक है। शहर में अपराध पर नियंत्रण रखने और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रात्रि गश्ती को पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ करना जरूरी है। उन्होंने साफ कहा कि जो भी पुलिसकर्मी ड्यूटी में लापरवाही बरतेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

☞ **शहर की सुरक्षा को लेकर बढ़ी निगरानी :-** दरअसल, राजधानी में कानून-व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए पुलिस लगातार निगरानी बढ़ा रही है। रात्रि गश्ती को प्रभावी बनाने के लिए आला अधिकारी समय-समय पर औचक निरीक्षण कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि जब गश्ती दल सक्रिय और सतर्क रहता है तो अपराधियों में भी डर बना रहता है और वारदातों पर लगाम लगाने में मदद मिलती है। ●

सिरम टोली एवं हातमा सरना स्थलों का लिया गया जायजा

● ओम प्रकाश

सरहुल पर्व को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं भव्य तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजन्त्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची राकेश रंजन द्वारा शहर के प्रमुख सिरम टोली एवं हातमा स्थित सरना स्थलों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दोनों वरीय पदाधिकारियों ने सरना स्थलों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा सरना समितियों के प्रतिनिधियों से विस्तृत बातचीत कर आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की।इस दौरान पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) प्रवीण पुष्कर, पुलिस अधीक्षक (यातायात) राकेश सिंह, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) आर.एन. आलोक, अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) कुमार रजत, उप समाहर्ता जिला नजारत सुदेश कुमार सहित अन्य संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजन्त्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने सरना स्थलों के प्रवेश मार्ग, पूजा स्थल, श्रद्धालुओं के आवागमन के रास्ते, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, पार्किंग तथा सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की।सरना समितियों के सदस्यों ने प्रशासन को अवगत कराया कि सरहुल पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या सरना स्थलों पर पहुंचती है, इसलिए लाइटिंग, सड़क समतलीकरण, पेयजल व्यवस्था, जेनरेटर, मोबाइल टॉयलेट, बैरिकेडिंग तथा साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था आवश्यक है। इस पर उपायुक्त-सह- जिला दंडाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि सरना स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी ने कहा कि सरहुल झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति एवं परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है और इसे श्रद्धा, उत्साह एवं सामाजिक सौहार्द के साथ मनाया जाता है। जिला प्रशासन का प्रयास रहेगा कि यह पर्व पूरी शांति, सुरक्षा और गरिमा के साथ संपन्न हो। उन्होंने कहा कि सरना समितियों के सुझावों के आधार पर सरना स्थलों पर आवश्यक सुविधाओं की विस्तृत योजना तैयार कर ली गई है तथा संबंधित पदाधिकारियों को समन्वय स्थापित कर सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य है कि सरना स्थलों पर आने वाले श्रद्धालु सुगमता और सुरक्षित वातावरण में पूजा-अर्चना कर सकें तथा पूजा के उपरांत बिना किसी परेशानी के अपने घरों के लिए प्रस्थान कर सकें। इसके लिए आवागमन, सुरक्षा, साफ-सफाई और बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उपायुक्त-सह- जिला दंडाधिकारी ने कहा कि सरहुल पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, मोबाइल शौचालय, चिकित्सा सहायता, साफ-सफाई एवं ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर विशेष व्यवस्था की जाएगी।●

आदिकांत महतो की एंट्री, जमीन धंधेबाजों पर कसेगा शिकंजा

● ओम प्रकाश

रातू की संकरी गलियों में हलचल थी। सुबह-सुबह पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों का एक छोटा समूह थाना के सामने जमा था। हाथ में फूल की माला, चेहरे पर मुस्कान और आंखों में उम्मीद लिए लोग उस वक्त इंतजार कर रहे थे, जब इंस्पेक्टर आदिकांत महतो अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। इंस्पेक्टर महतो ने जैसे ही थाना का चार्ज लिया, पुलिसकर्मियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। वहीं कुछ स्थानीय लोग अपनी परेशानियों और उम्मीदों के साथ खड़े थे। उन्होंने बताया कि इलाके में जमीन के धंधे में हो रही गड़बड़ियों और हेराफेरी पर अब लगाम लगेगी।

☞ **उम्मीद की नई किरण :-** रातू इलाके के कई निवासी वर्षों से शिकायतें लेकर आते रहे हैं। फर्जी कागजों से जमीन की खरीद-बिक्री, पुराने विवादों का लंबित रह जाना, और प्रशासनिक लापरवाही ने लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी मुश्किल बना दी थी। एक स्थानीय दुकानदार ने कहा, "हमें उम्मीद है कि अब पुलिस ज्यादा सख्त होगी और आम लोगों का हक सुरक्षित रहेगा। रातू थाने में थानेदार को स्थानीय लोगों और अपने साथी पुलिसकर्मियों का भरोसा मिला है। वहीं लोगों की आंखों में उम्मीद है कि नए थानेदार के आने से केवल कानून लागू नहीं होगा, बल्कि उनकी परेशानी और शिकायतें भी सुनी जाएंगी।●

मवेशियों के अवैध कारोबार के नेटवर्क को किया गया ध्वस्त

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में मवेशियों के अवैध कारोबार के एक नेटवर्क का लोअर बाजार पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने छापेमारी कर 13 मवेशियों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में आसिफ कुरैशी उर्फ विक्की उम्र 30 वर्ष और शाहरुख मीर उम्र 33 वर्ष शामिल है। आसिफ कुरैशी उर्फ विक्की रांची के कुरैशी मोहल्ले का रहने वाला है। वहीं, शाहरुख मीर गुमला सिसई का निवासी है।

☞ **बरामद सामन :-** पुलिस ने मौके से एक बोलेरो पिकअप, 13 मवेशी और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि गुमला इलाके से मवेशियों की चोरी कर रांची लाया जाता था और कांटा टोली स्थित कुरैशी मोहल्ला में बेच दिया जाता था। यहां से इन मवेशियों का वध कर मांस का अवैध कारोबार चलाया जा रहा था। पुलिस का कहना है कि इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को खंगाला जा रहा है और जल्द ही इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

☞ **थानेदार ने किया पूरे मामले का खुलासा :-** लोअर बाजार थानेदार रणविजय शर्मा ने मीडिया को बताया कि रविवार 15 मार्च को दिन के करीब 3.30 बजे लोअर बाजार थाना की गश्ती टीम को सूचना मिली कि एक बोलेरो पिकअप से मवेशियों को अवैध तरीके से ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही थानेदार रणविजय शर्मा ने बिना देर किये अपनी टीम को एक्टिव किया और घेराबंदी कर बोलेरो पिकअप को रोक लिया। तलाशी के दौरान वैन में 13 मवेशी लदे मिले। वही मौके पर मौजूद दो लोगों को पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने पुलिस के समक्ष कई खुलासे किए। उन्होंने बताया कि वे लोग गुमला के अलग-अलग इलाकों से मवेशियों की चोरी कर रांची के कांटा टोली कुरैशी मोहल्ला में ले जाकर बेच देते थे। पुलिस पूछताछ में इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आये हैं। माना जा रहा है कि यह एक संगठित नेटवर्क है, जो लंबे समय से गौवंशीय पशु की चोरी और अवैध व्यापार में लगा हुआ था। पुलिस अब उन सभी लोगों की तलाश में लग गई है, जिनका नाम आरोपियों ने लिया है।

☞ **थानेदार की एक्टिव छापामारी टीम :-** इस छापामारी का नेतृत्व लोअर बाजार थानेदार इंस्पेक्टर रणविजय शर्मा के द्वारा किया गया। साथ में एसआई रवि कुमार वर्मा, थाना रिजर्व गार्ड और ड्राइवर भी टीम में शामिल थे। मामले को लेकर लोअर बाजार थाना में झारखण्ड गौवंशीय पशु हत्या प्रतिशेष अधिनियम के अन्तर्गत मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार किये गये दोनों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।●

विधि-व्यवस्था देखने गैस गोदाम पहुंचे थानेदार कुलदीप

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में शहर के लोग पिछले कुछ दिनों से गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर परेशान हैं। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें लग रही थीं और कई लोग आक्रोशित भी नजर आए। सोशल मीडिया पर भी खबरें फैल गई थीं कि शहर में गैस खत्म हो गई है। भारी किल्ल्त होने वाली है। इसी बीच, सदर थानेदार इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार ने मामले की खुद जांच करने का फैसला लिया।

☞ **थानेदार अचानक पहुंचे गैस एजेंसी :-** इंस्पेक्टर कुलदीप ने सीधे अदिघति इंडेन गैस एजेंसी का दौरा किया। ग्राहकों की लंबी लाइन देखकर उन्होंने एजेंसी संचालक उमेश राय से बातचीत की। एजेंसी संचालक उमेश राय ने बताया कि किसी भी तरह की गैस की किल्लत नहीं है। केवल ट्रक डिलिवरी में थोड़ी देर होने के कारण लोगों में भ्रम पैदा हो गया था। उन्होंने कहा कि ट्रक रांची की ओर चल चुका है और जल्द ही होम डिलिवरी शुरू हो जाएगी।

☞ **कंफ्यूजन के कारण अफवाह :-** एजेंसी के मुताबिक, सिलेंडर लाने वाला ट्रक कुछ समय के लिए फंसा हुआ था। इसी वजह से दुकानों पर ग्राहकों की लंबी लाइन लग गई और अफवाह फैल गई कि शहर में गैस खत्म हो गई है। थानेदार ने कहा कि अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए और लोग धैर्य रखें।

☞ **थानेदार की अपील और भरोसा :-** वही इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा की वे अफवाहों में न आएं और जरूरत पड़ने पर सीधे एजेंसी से जानकारी लें। उन्होंने बताया कि अब गैस की ऑनलाइन बुकिंग करना होगी और एक सप्ताह के भीतर सभी ग्राहकों को गैस मिल जाएगा। कुछ ग्राहकों ने कहा कि अब गैस की कालाबाजारी नहीं होगी। थाना प्रभारी का दौरा देखकर उनका विश्वास बढ़ा है। वे उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही उनके घरों में सिलेंडर पहुंचेगा और गैस की किल्लत दूर होगी।●

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- मेष राशि के जातक कार्यक्षेत्र में आप अपनी बुद्धि और विवेक से अपने विरोधियों की चाल को मात देने में कामयाब होंगे,कोर्ट-कचहरी में चल रहे मुकदमें फैसला आपके पक्ष में आ सकता है, सेहत की दृष्टि से भी यह समय आपके लिए अच्छा रहने वाला है, नौकरीपेशा लोगों की आय में बढ़ोत्तरी होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को मनचाहा लाभ मिलेगा,माह के दूसरे सप्ताह तक आप सुख-सुविधा से जुड़े किसी बहुप्रतीक्षित समान की खरीददारी कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन सुखमय बने रहेंगे।

वृषभ राशि :- इस महीने आपको एक बात गांठ बांध कर रखनी होगी कि आपकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ेगी, माह की शुरुआत में कठिन परिश्रम के बाद ही कार्यों में मन मुताबिक सफलता और धन अर्जित हो पाएगा,नौकरीपेशा लोगों को इस दौरान अपना काम किसी दूसरे के भरोसे छोड़ने की बजाय खुद बेहतर तरीके से करने की जरूरत रहेगी, व्यवसाय से जुड़े लोगों को कोई भी बड़ी डील बहुत सोच-समझकर करना होगा!

मिथुन राशि :- पूरा महीना बेहद शुभ रहने वाला है,नौकरीपेशा लोगों को माह की शुरुआत में बहुप्रतीक्षित पदोन्नति का शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है, यदि लंबे समय से किसी मनचाही जगह पर ट्रांस्फर या फिर किसी अहम जिम्मेदारी के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह कामना भी इस माह पूरी हो सकती है। इस दौरान आपको धन लाभ व पारिवारिक सुख में बढ़ोत्तरी होती हुई नजर आएगी,माह के मध्य में आपको कोई भी बड़ा निर्णय जल्दबाजी या आवेश में आकर लेने से बचना चाहिए।

कर्क राशि :- जीवन में होने वाले ये बदलाव कुछ आपके मन मुताबिक तो कुछ मन के विपरीत हो सकते हैं। मसलन माह की शुरुआत उन लोगों के लिए शुभ रहने वाली है जो लंबे समय से रोजी-रोजगार के लिए भटक रहे थे, यह समय उनके लिए भी बेहद शुभ रहने वाला है जो अपने कारोबार के विस्तार के लिए प्रयासरत थे, ऐसा करने में आपको घर-परिवार के साथ इष्ट-मित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा,माह के दूसरे सप्ताह में करियर या कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है!

सिंह राशि :- इस माह आपकी पदोन्नति एवं धन लाभ के योग बनेंगे, किसी वरिष्ठ अधिकारी या व्यक्ति की कृपा आप पर बरसेगी, जिसकी मदद से आपके लंबे समय से अटके काम पूरे होंगे और करियर कारोबार में मनचाहा लाभ प्राप्त होगा,माह के दूसरे सप्ताह में आप किसी बड़ी योजना पर कार्य करना प्रारंभ करेंगे, जिससे आपको भविष्य में बड़ा लाभ प्राप्त होगा,इस दौरान परिवार के किसी सदस्य की उपलब्धि से मान-सम्मान बढ़ेगा और घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा।

कन्या राशि :- इस महीने आपको अपने जीवन की गाड़ी कभी पटरी पर तेजी से भागती हुई तो कभी उससे उतरी हुई नजर आएगी, कन्या राशि के जातकों को इस माह के पहले सप्ताह में हाथ आए अवसर को खोने से बचना चाहिए, अन्यथा इसे दोबारा पाने के लिए उन्हें लंबे समय तक इंतजार करना पड़ेगा,माह की शुरुआत में सीनियर की मदद से आप अपने प्रोजक्ट को समय से पूरा करने में कामयाब हो जाएंगे,जिससे आपका कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला राशि :- इस माह के दौरान आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे, जिससे आप अधिक उत्साह के साथ अपने कार्यों को अंजाम देते हुए नजर आएंगे,इस दौरान कार्य-व्यवसाय में उन्नति होगी। घर-परिवार के किसी सदस्य से जुड़ा शुभ समाचार प्राप्त होगा, लंबे समय से अटके या फिर कहें अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे, इस दौरान सत्ता-सरकार से जुड़े किसी प्रभावी मुलाकात होगी!

वृश्चिक राशि :- इस माह आपको अपनों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाएगा और आपके विरोधी भी आप पर हावी होते नजर आएंगे। कामकाज में व्यर्थ के तनाव का असर आपकी सेहत पर भी देखने को मिल सकता है,इस दौरान आपको मौसमी या फिर किसी पुरानी बीमारी के उभरने पर लापरवाही करने से बचना चाहिए, अन्यथा आपको बाद में अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं!

धनु राशि :- इस माह आपको अति उत्साह से बचना होगा,साथ ही साथ उन लोगों से सावधान रहना होगा जो अक्सर आपके काम में बाधाएं डालने के लिए षडयंत्र रचते रहते हैं। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को मनचाही सफलता मिलेगी, रोजी-रोजगार की तलाश में भटक रहे लोगों को माह के पूर्वार्ध में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है।

मकर राशि :- इस माह आप अपनी हर छोटी-बड़ी परेशानी को बड़ी आसानी से दूर करने में कामयाब हो जाएंगे, तमाम तरह की विघ्न और बाधाओं को दूर करते हुए मनचाही सफलता और धन लाभ की प्राप्ति करेंगे, नौकरीपेशा व्यक्तियों की आय के अतिरिक्त स्रोत बनेंगे, संचित धन में वृद्धि हो सकती है, सौभाग्य का पूरा साथ मिलने के कारण आपका कार्यक्षेत्र और घर परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा।

कुंभ राशि :- कुंभ राशि के जातकों के लिए ये महीना मध्यम कहा जाएगा, इस माह आपको अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं, ऐसे में आपको इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि सावधानी हटी, दुर्घटना घटी,कार्यक्षेत्र में किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें अन्यथा आपको अपने बॉस के गुस्से का शिकार होना पड़ सकता है,साथ ही कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से भी सचेत रहें,माह के दूसरे सप्ताह में बने-बनाए काम में कोई बाधा आने के कारण आपका मन खिन्न रहेगा!

मीन राशि :-मीन राशियों के जातक के लिए ये माह की शुरुआत किसी बड़ी उपलब्धि से होगी, जिससे उनका कायक्षेत्र और घर में मान-सम्मान बढ़ेगा, इस दौरान स्वजनों के साथ हंसी-खुशी के पल व्यतीत करने का अवसर प्राप्त होगा, यदि आप लंबे समय से अपनी नौकरी में बदलाव करने की सोच रहे थे तो ये माह की शुरुआत में ही आपको कहीं से बड़ा आफर आ सकता है या फिर कार्यस्थल पर ही मनचाही पदोन्नति मिल सकती है।

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485

7004408851

E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

★ पीआर बॉन्ड क्या होता है, इसे कब दिया जाता है?

भारत में मुदालय (अभियुक्त/आरोपी) को बेल बांड (सुरती बॉन्ड/जमानतदार) की जगह पीआर बॉन्ड (पर्सनल रिकॉग्निजेंस बॉन्ड/पर्सनल बॉन्ड - निजी मुचलका) पर छोड़ने का स्पष्ट प्रावधान दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 436, 437 और 441 (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता - बीएनएसएस के अंतर्गत) के तहत किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने कई फैसलों (जैसे सत्येंद्र कुमार अंतिल बनाम सीबीआई) में 'जेल नहीं, जमानत' के सिद्धांत को दोहराते हुए निर्धन आरोपियों के लिए पीआर बॉन्ड को प्राथमिकता देने की बात कही है।

❖ यहाँ पीआर बॉन्ड से संबंधित मुख्य प्रावधान और कानूनी स्थिति दी गई है :-

☞ **पीआर बॉन्ड (पर्सनल बॉन्ड) क्या है? :-** पीआर बॉन्ड का मतलब है कि आरोपी को बिना किसी जमानतदार (सुरती) या जमानत राशि (कैश/प्रॉपर्टी) जमा किए, केवल अपने निजी मुचलके (स्वयं की प्रतिज्ञा) पर रिहा किया जाता है।

☞ **मुख्य कानूनी प्रावधान (सीआरपीसी के अनुसार) :-** सीआरपीसी की धारा 436 (जमानती अपराध): यदि आरोपी जमानती अपराध में गिरफ्तार है और वह जमानतदार देने में असमर्थ है, तो उसे 'निजी बांड' (पर्सनल बॉन्ड) पर छोड़ने का प्रावधान है। यदि वह एक सप्ताह के भीतर जमानत नहीं दे पाता है, तो इसे निर्धन माना जा सकता है।

❖ **सीआरपीसी की धारा 437 (गैर-जमानती अपराध) :-** यदि आरोपी निर्धन है और जमानतदार (सुरती) नहीं दे पा रहा है, तो कोर्ट या पुलिस उसे 'बिना जमानतदार के बांड' (पर्सनल बॉन्ड) पर छोड़ सकती है।

❖ **सीआरपीसी की धारा 441/441ए (बांड की प्रक्रिया) :-** कोर्ट के पास यह अधिकार है कि वह भारी-भरकम जमानत की शर्त रखने के बजाय आरोपी के निजी मुचलके को ही पर्याप्त मान ले।

❖ **पीआर बॉन्ड कब दिया जाता है? :-**

☞ **निर्धनता :-**यदि अभियुक्त गरीब है और जमानतदार नहीं ला सकता है।

☞ **मामूली अपराध :-** यदि अपराध कम गंभीर है और आरोपी के भागने की संभावना नहीं है।

☞ **अनावश्यक जेल :-** जब बेल मिलने के बावजूद, जमानतदार न मिल पाने के कारण कोई लंबे समय तक जेल में हो, तो सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार पीआर बॉन्ड का उपयोग किया जाता है।

❖ **सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देश (सत्येंद्र कुमार अंतिल मामला) :-** अदालतें ऐसे बेल बांड की मांग न करें जिन्हें भरना आरोपी के लिए असंभव हो। जमानतदार पेश करने में असमर्थ होने पर आरोपी को केवल पीआर बॉन्ड पर छोड़ा जाना चाहिए। सुनवाई में देरी होने पर, आरोपी को पीआर बॉन्ड पर रिहा करने के प्रावधान का लाभ मिलना चाहिए।

❖ **पीआर बॉन्ड में क्या होता है? :-** आरोपी को एक कागज पर हस्ताक्षर करने होते हैं कि वह हर पेशी पर आएगा और कोर्ट की सभी शर्तों का पालन करेगा। यदि वह भागता है, तो उसे बांड की राशि का भुगतान करना होगा, लेकिन उस समय उसे किसी तीसरे व्यक्ति की गारंटी (सुरती) की आवश्यकता नहीं होती।

❖ **निष्कर्ष :-** कानून के अनुसार, पीआर बॉन्ड निर्धन और ऐसे आरोपियों के लिए एक अधिकार की तरह है जो जमानतदार नहीं दे सकते। यह कानून 'जेल नहीं, जमानत' के सिद्धांत को लागू करने के लिए उपयोग किया जाता है।

★ मुदालय का कोर्ट या पुलिस कस्टडी से भाग जाने पर कितनी सजा का प्रावधान है?

कोर्ट (न्यायालय) या पुलिस हिरासत से कैदी का भाग जाना भारतीय कानून के तहत एक गंभीर अपराध है। 1 जुलाई 2024 से लागू नए कानूनों के तहत, यह अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत आता है।

❖ **मुख्य धाराएं और अपराध :-**

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 262/263 (पूर्व आईपीसी 224/225) :- यदि कोई व्यक्ति जिसे न्यायालय ने दोषी ठहराया है, या जिस पर किसी अपराध का आरोप है, वह पुलिस की वैध हिरासत (लॉफुल कस्टडी) से भागता है, तो यह कृत्य षविधिपूर्ण अभिरक्षा से भागनाष (एस्केप फ्रॉम लॉफुल कस्टडी) का अपराध है।

☞ **सजा :-** इस अपराध के लिए अलग से सजा (इंप्रिजनमेंट) और जुर्माना (फाइन) दोनों हो सकते हैं। यह सजा पहले से चल रही सजा के अतिरिक्त हो सकती है।

❖ **अतिरिक्त जानकारी :-**

☞ **सहायता करने पर धारा (आईपीसी 130 / बीएनएस 183) :-** यदि कोई बाहरी व्यक्ति कैदी को भागने में मदद करता है, तो उस पर भी कड़ी कानूनी कार्यवाही होती है।

☞ **पुलिस की लापरवाही :-** यदि पुलिस की लापरवाही से कैदी भागता है, तो इसके लिए पुलिस अधिकारी पर भी आईपीसी धारा 223 के तहत मामला दर्ज हो सकता है। संक्षेप में, कोर्ट से भागना भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत 'विधिपूर्ण अभिरक्षा से भागना' नामक गंभीर आपराधिक कृत्य है।

जन-जन की आवाज है केवल सच

आत्म-निर्भर बनने वाले युवाओं को सपोर्ट करें

आपका छोटा सहयोग, हमें मजबूती प्रदान करेगा

www.kewalsach.com

www.kewalsachlive.in

-: सम्पर्क करें :-

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-28/14,
कंकड़बाग, पटना (बिहार)-800020, मो०:-9431073769, 9308815605

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008